Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 134
लखनऊ, मंगलवार, 4 मार्च 2025
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

Established 1865
पायनियर
लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित
www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर
राष्ट्रीय-10
पूर्व सेबी प्रमुख, पांच अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश पर चार मार्च तक रोक

परिसीमन से निपटने के लिए अधिक बच्चे पैदा करें: स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन चेन्नई में अपने 72वें जन्मदिन के जश्न के दौरान बच्चों के साथ।

पायनियर समाचार सेवा। चेन्नई/नई दिल्ली

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोमवार को युवाओं को शादी के तुरंत बाद बच्चे पैदा करने का समर्थन किया और कहा कि अधिक सांसद पाने के लिए अधिक जनसंख्या मानदंड प्रतीत होती है। राज्य के नागापट्टिनम में एक शादी को संबोधित करते हुए डीएमके अध्यक्ष स्टालिन ने कहा कि वर्षों पहले, नवविवाहितों को सलाह दी जाती थी कि वे शादी के तुरंत बाद बच्चे पैदा न करें। हालाँकि, वही बात अब नहीं बतानी चाहिए और इसकी कोई ज़रूरत भी नहीं थी। स्टालिन ने कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि अब ऐसी स्थिति पैदा हो गई है, जिसके अनुसार केवल अधिक जनसंख्या ही अधिक सांसदों को सुनिश्चित करेगी क्योंकि परिसीमन की प्रक्रिया जनसंख्या के आधार पर होगी। उन्होंने कहा, तमिलनाडु ने जनसंख्या नियंत्रण पर ध्यान दिया और सफल हुआ और यही आज राज्य की दुर्दशा का कारण है। उन्होंने दूल्हा-दुल्हन से सीधे अपील करते हुए कहा, मैं आपसे यह नहीं कहूंगा कि जल्दबाजी में बच्चे पैदा न करें, तुरंत बच्चे पैदा करें, लेकिन उन्हें सुंदर तमिल नाम दें। आगे उन्होंने कहा कि परिसीमन का सवाल तमिलनाडु के अधिकारों और उसके हितों की रक्षा से जुड़ा है और इसलिए इस मामले का राजनीतिक मूल्यांकन नहीं किया जाना चाहिए। स्टालिन ने यहां एक समारोह को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार मजबूरी के जरिए त्रिभाषा नीति लागू करने की योजना बना रही है और इसी तरह परिसीमन प्रक्रिया में वह तमिलनाडु के लिए सीटों की संख्या में कटौती करने का प्रयास कर रही है।

इस पृष्ठभूमि में प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया पर 5 मार्च को एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई है और 40 में से अधिकांश पार्टियों ने अपनी भागीदारी की पुष्टि की है और कुछ अन्य ने कहा है कि वे भाग नहीं लेंगे। मुख्यमंत्री ने ऐसे दलों से अपील करते हुए कहा कि उन्हें इस मुद्दे का मूल्यांकन राजनीति के चश्मे से नहीं करना चाहिए। भाजपा और पूर्व केंद्रीय मंत्री जी के वासन के नेतृत्व वाली टीएमसी (मूपनार) प्रमुख पार्टियां थीं जिन्होंने कहा है कि वे बैठक में हिस्सा नहीं लेंगे। मैं उनसे अपील करना चाहूंगा, कृपया इस पर विचार करें, यह द्रमुक और आपकी पार्टी के बीच का मुद्दा नहीं है। उन्होंने अपील की, यह मुद्दा तमिलनाडु और उसके हितों और अधिकारों के बारे में है और इसलिए जिन पार्टियों ने घोषणा की है कि वे भाग नहीं लेंगे, उन्हें भी भाग लेना चाहिए। स्टालिन ने हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के 'राजनीति से ऊपर उठने' के आह्वान का जवाब देते हुए केंद्र और राज्य के बीच चल रहे भाषा विवाद को बढ़ा दिया। स्टालिन ने अपनी दो-भाषा नीति के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और केंद्र को 'मधुमक्खी के छत्ते पर पत्थर फेंकने' के प्रति आगाह किया। तमिलनाडु में द्रमुक सरकार और केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार राज्य में नई शिक्षा नीति (नई) के कार्यान्वयन को लेकर आमने-सामने हैं। स्टालिन ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर शिक्षा में राजनीति करने का आरोप लगाया।

धर्मेंद्र प्रधान ने स्टालिन को यह सलाह तब दी जब स्टालिन ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दो केंद्र प्रायोजित कार्यक्रमों को एनईपी के साथ जोड़ने का विरोध किया। शिक्षा मंत्री ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठने और युवा शिक्षार्थियों के हितों के बारे में सोचने को कहा। स्टालिन ने हिंदी की आवश्यकता को शामिल करते हुए एनईपी और तीन-भाषा नीति को लागू करने से इनकार कर दिया है, और केंद्र सरकार से भाषा को 'थोपने' न देने के लिए कहा है।

इलाहाबादिया को शर्तों के साथ शो के प्रसारण की मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया को उनके 'द रणवीर शो' को प्रसारित करने की सोमवार को अनुमति दे दी, बशर्ते वह 'नैतिकता और शालीनता' बनाए रखें और यह वचन दें कि यह सभी आयु वर्ग के लिए उपयुक्त है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इलाहाबादिया की इस दलील पर गौर किया कि पॉडकास्ट उनकी आजीविका का एकमात्र स्रोत है और उनके द्वारा काम पर रखे गए लगभग 280 लोग इस शो पर निर्भर हैं। पीठ ने इलाहाबादिया को गिरफ्तारी से दिए गए अंतरिम संरक्षण को अगले आदेश तक बढ़ा दिया तथा उन्हें गुवाहाटी में जांच में शामिल होने को कहा। केंद्र और महाराष्ट्र, असम एवं ओडिशा जैसे राज्यों की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि विवादास्पद यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लैटेंट पर की गई टिप्पणी न केवल अश्लील हैं, बल्कि अनुचित भी हैं। उन्होंने अदालत से कोई भी शो को प्रसारित नहीं करने की शर्त में बदलाव नहीं करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, उन्हें कुछ समय के लिए चुप रहने दें। पीठ ने इलाहाबादिया की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिनव चंद्रचूड़ से कहा कि मौलिक अधिकार थाली में (परोस कर) नहीं मिलते, बल्कि उनके साथ कुछ पाबंदियां जुड़ी होती हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि मामले का एक आरोपी कनाडा गया था और उसने इस मामले पर बात की थी। न्यायाधीश ने चेतावनी देते हुए कहा, ये युवा सोच सकते हैं कि हम पुराने ढंग के (आउटडेटेड) हैं, लेकिन हम जानते हैं कि उनसे कैसे निपटना है। अदालत को हल्के में न लें। इसके बाद पीठ ने इलाहाबादिया पर पाबंदी लगाते हुए कहा कि वह अपने शो में इस मामले से जुड़ी कोई बात नहीं कहेंगे। इस बीच, केंद्र को निर्देश दिया गया कि वह सोशल मीडिया सामग्री पर एक मसौदा विनियामक तंत्र लेकर आए, जिसे सभी हितधारकों से सुझाव एकत्र करने के अलावा सार्वजनिक किया जाना चाहिए। हालांकि, पीठ ने इलाहाबादिया को फिलहाल विदेश यात्रा की अनुमति देने से इनकार कर दिया और कहा कि मामले की जांच में शामिल होने के बाद उनके अनुरोध पर विचार किया जाएगा। इलाहाबादिया के खिलाफ कॉमेडियन समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट में माता-पिता और सेक्स पर की गई टिप्पणी के लिए कई प्राथमिकी दर्ज की गई थीं। उच्चतम न्यायालय ने 18 फरवरी को रणवीर इलाहाबादिया को (शेष पृष्ठ 9)

अबू धाबी में मौत की सजा पाई भारतीय महिला को दी गई फांसी

● दिल्ली उच्च न्यायालय को केंद्र सरकार ने सूचित किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अबू धाबी में चार महीने के बच्चे की कथित हत्या के आरोप में मौत की सजा पाने वाली एक भारतीय महिला को पहले ही 15 फरवरी को फांसी दे दी गई है, उसके पिता की याचिका पर सुनवाई कर रहे दिल्ली उच्च न्यायालय को सोमवार को सूचित किया गया। घटनाक्रम के बारे में सूचित किए जाने पर न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने इसे 'बहुत दुर्भाग्यपूर्ण' बताया। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने अदालत को बताया, 'यह खत्म हो गया है। उसे 15 फरवरी को फांसी दे दी गई थी। उसका अंतिम संस्कार 5 मार्च को होगा।' यह दलील 33 वर्षीय महिला के पिता की ओर से उसकी कुशलक्षेम जानने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान दी गई।

शहजादी खान को 10 फरवरी, 2023 को अबू धाबी पुलिस को सौंप दिया गया और 31 जुलाई, 2023 को उन्हें मौत की सजा सुनाई गई। उसे अल वाथबा जेल में रखा गया था। उत्तर प्रदेश के बांदा के निवासी शब्बीर खान ने कहा कि उनकी बेटी शहजादी की स्थिति के बारे में 'गहन अनिश्चितता' थी और स्पष्टीकरण के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए) को उनके बार-बार दिए गए आवेदन निरर्थक थे। याचिका में आगे आरोप लगाया गया कि शहजादी को उसके नियोक्ता के चार महीने के बच्चे की कथित हत्या के मामले में स्थानीय अदालतों के समक्ष अपर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया गया था और उस पर अपराध कबूल करने के लिए दबाव डाला गया, जिसके कारण उसे मौत की सजा दी गई।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उनकी सीमित प्रार्थना यह जानने के लिए थी कि उनकी बेटी जीवित है या उसे फांसी दी गई है। उन्होंने कहा कि 14 फरवरी को शहजादी ने जेल से परिवार को फोन कर कहा था कि उसे एक या दो दिन में फांसी दे दी जाएगी और यह उसकी आखिरी कॉल होगी. उन्होंने कहा, तब से, वे उसकी बारे मेंअनजान थे। केंद्र के

शहजादी खान (बाएं) का फाइल फोटो, उसके पिता शब्बीर खान (दाएं) प्रेस से बात करते हुए।

वकील ने अदालत को बताया कि दूतावास के अधिकारी और याचिकाकर्ता संपर्क में हैं और व्यवस्था की जा रही है ताकि परिवार अबू धाबी में अपनी बेटी के अंतिम संस्कार में शामिल हो सके। उन्होंने कहा, हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। हमने अदालत में उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए एक कानूनी फर्म को काम पर रखा। लेकिन वहां के कानून एक शिशु की हत्या के मामले में बहुत गंभीर हैं।

याचिका में कहा गया है, 14 फरवरी, 2025 को याचिकाकर्ता की बेटी ने हिरासत से उन्हें फोन किया और बताया कि उसे सुविधा के भीतर स्थानांतरित कर दिया गया है और संभावित फांसी से पहले, उसकी अंतिम इच्छा अपने माता-पिता से बात करना है। इसमें कहा गया है, याचिकाकर्ता ने काफी प्रयास के बाद 21 फरवरी, 2025 को विदेश मंत्रालय को एक आवेदन सौंपा, जिसमें उनकी बेटी की वर्तमान कानूनी स्थिति का पता लगाने और पुष्टि करने की मांग की गई कि क्या वह जीवित है या उसे मार दिया गया है। याचिका में कहा गया है कि महिला ने कानूनी वीजा प्राप्त करने के बाद दिसंबर 2021 में अबू धाबी की यात्रा की। अगस्त 2022 में, उसके नियोक्ता ने एक बेटे को जन्म दिया, जिसकी देखभाल के लिए शहजादी को नियुक्त किया गया था। इसमें कहा गया है कि 7 दिसंबर, 2022 को शिशु को नियमित टीकाकरण दिया गया और उसी शाम उसकी दुखद मृत्यु हो गई। उस व्यक्ति ने दावा किया कि शिशु के माता-पिता ने पोस्टमार्टम के लिए सहमति देने से इनकार कर दिया और मौत की आगे की जांच को माफ करने के लिए एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए।

क्रिकेट कप्तान पर टिप्पणी कर विवाद में फंसी कांग्रेस प्रवक्ता

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा

कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस को तब शर्मिंदा होना पड़ा जब उसकी राष्ट्रीय प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने भारतीय क्रिकेट कप्तान रोहित शर्मा पर अपनी टिप्पणी से विवाद पैदा कर दिया, उन्होंने उन्हें 'एक खिलाड़ी के लिए मोटा' और भारत के इतिहास में 'सबसे अप्रभावी' कप्तान कहा। जैसे ही पोस्ट पर व्यापक प्रतिक्रिया हुई, पार्टी ने तुरंत हस्तक्षेप किया और उनसे इसे हटाने के लिए कहा, लेकिन तब तक इस टिप्पणी पर भाजपा नेताओं सहित कई लोगों ने प्रतिक्रिया व्यक्त की। उनकी यह टिप्पणी मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय क्रिकेट टीम के अपराजित प्रदर्शन के बीच आई है। जबकि कांग्रेस ने कहा कि क्रिकेट के दिग्गज के बारे में शमा मोहम्मद की टिप्पणी पार्टी की स्थिति को नहीं दर्शाती है, भाजपा नेता और दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि यह शर्मनाक है कि एक प्रमुख राष्ट्रीय पार्टी के आधिकारिक प्रवक्ता ने ऐसा बयान दिया। यह कांग्रेस का बयान है। उन्हें लगता है कि केवल एक ही व्यक्ति हर चीज के लिए उपयुक्त है और वह पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी हैं। उन्होंने कहा, वे देश के इतने खिलाफ हैं कि आज वे हमारे देश के क्रिकेट कप्तान के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि उनका इससे क्या मतलब है। यह वाकई शर्मनाक है और मैं इसकी निंदा करता हूं। पूरा देश कांग्रेस की मानसिकता देख रहा है। शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी भी ने कहा, 'मैं क्रिकेट की कोई शौकीन प्रशंसक (शेष पृष्ठ 9)

स्कूलों में स्मार्टफोन पर रोक नहीं: उच्च न्यायालय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल में कहा कि स्कूली छात्रों के स्मार्टफोन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध एक अवांछनीय और अव्यावहारिक दृष्टिकोण है और इसे विनियमित किया जाना चाहिए तथा निगरानी रखी जानी चाहिए। न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी ने दिशा-निर्देश जारी किए जो स्कूली छात्रों को स्मार्टफोन के उपयोग की अनुमति देने के लाभकारी और हानिकारक प्रभावों को संतुलित करने के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों के रूप में काम करेंगे। न्यायालय ने कहा कि स्कूलों को छात्रों को जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार, डिजिटल शिष्टाचार और स्मार्टफोन के नैतिक उपयोग के बारे में शिक्षित करना चाहिए।

न्यायालय ने कहा कि छात्रों को यह भी सलाह दी जानी चाहिए कि स्क्रीन-टाइम और सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने से चिंतित रहने, एकाग्रता कम होने और इंटरनेट पर डराने धमकाने की घटनाएं हो सकती हैं। न्यायाधीश ने 28 फरवरी को पारित आदेश में कहा, प्रौद्योगिकी के उपयोग के संबंध में पिछले वर्षों में बहुत कुछ बदल गया है, जिसमें शैक्षिक और

अन्य संबंधित उद्देश्य शामिल हैं...इसलिए, स्कूल जाने वाले छात्रों के स्मार्टफोन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना एक अवांछनीय और अव्यावहारिक दृष्टिकोण है।

अदालत ने कहा कि स्मार्टफोन के अंधाधुंध उपयोग या दुरुपयोग के हानिकारक प्रभावों को अलग रख दें तो ये उपकरण माता-पिता और बच्चों के बीच समन्वय में मदद करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने सहित लाभकारी उद्देश्यों की भी पूर्ति करते हैं। उसने कहा, नीतिगत मामले के अनुसार छात्रों को स्कूल में स्मार्टफोन ले जाने से नहीं रोका जाना चाहिए, लेकिन स्कूल में स्मार्टफोन के उपयोग को विनियमित किया जाना चाहिए और निगरानी रखी जानी चाहिए। अदालत ने कहा कि जहां भी स्मार्टफोन सुरक्षित तरीके से जमा करने की व्यवस्था करना संभव हो, छात्रों को स्कूल में प्रवेश करने पर इन्हें जमा करने और घर लौटते समय वापस लेना चाहिए। अदालत के अनुसार, स्मार्टफोन से कक्षा में पढ़ाई, अनुशासन या समग्र शैक्षणिक माहौल में बाधा नहीं आनी चाहिए। इसके लिए कक्षा में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर रोक लगाई जानी चाहिए। स्कूल के सामान्य क्षेत्रों के साथ-साथ स्कूल के वाहनों में भी स्मार्टफोन पर कैमरे और रिकॉर्डिंग सुविधा का इस्तेमाल प्रतिबंधित होना चाहिए। उसने कहा कि सुरक्षा और समन्वय के उद्देश्य से संपर्क के लिए स्मार्टफोन के इस्तेमाल की अनुमति होनी चाहिए, लेकिन मनोरंजन के लिए स्मार्टफोन के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होनी चाहिए। अदालत में यह मामला एक नाबालिग छात्र से संबंधित था, जिसे स्कूल में स्मार्टफोन का कथित रूप से दुरुपयोग करने के कारण परिणाम भुगतने पड़े। यह याचिका केंद्रीय विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चे द्वारा दायर की गई थी। इस मुद्दे पर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) ने 2009 में कुछ दिशानिर्देश बनाए थे, लेकिन अदालत ने पाया कि वांछित परिणाम प्राप्त नहीं हुए।

भाजपा के साथ जाने की योजना नहीं: उमर

मोहित कंधारी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर में ताजा राजनीतिक पुनर्गठन पर केंद्रित राजनीतिक चर्चा को दूर करते हुए, नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को स्पष्ट किया कि केंद्र में सत्तारूढ़ दल के साथ गठबंधन की फिलहाल कोई योजना नहीं है। विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन कहा, हम किसी गठबंधन (भाजपा के साथ) के बारे में बात नहीं कर रहे हैं; न तो कोई गुंजाइश है और न ही जरूरत. हमारे विचार भी मेल नहीं खाते। उमर ने जम्मू-कश्मीर अगर हम जम्मू-कश्मीर के बारे में बात करते हैं, तो हमारे विचार बहुत अलग हैं... हम (सत्र के दौरान) हर चीज पर चर्चा करेंगे।

दूसरी ओर, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) सरकार पर जम्मू-कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विस्तार के रूप में काम करने का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस पिछले छह वर्षों में भाजपा के कार्यों को वैध बनाने का प्रयास कर रही है, जिसमें अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करना भी शामिल है। श्रीनगर में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उमर साहब कहते हैं कि वह इसे (अनुच्छेद 370) भाजपा से कैसे हासिल करेंगे। जब भाजपा 70 वर्षों के लिए अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की बात कर सकती है, तो कम से कम आप (उमर) इस पर बोल सकते हैं और कह सकते हैं कि यह अवैध रूप से किया गया था। उन्होंने कहा कि लोगों ने उमर अब्दुल्ला को इस उम्मीद से वोट दिया कि सरकार अशक्तीकरण के मुद्दों के साथ-साथ संपत्ति, खनिज और नौकरियों पर चिंताओं का समाधान करेगी। उन्होंने कहा, मुझे चार महीनों में एनसी से चमत्कार की उम्मीद नहीं थी, लेकिन कम से कम उन्हें ऐसे मुद्दों पर आवाज उठानी चाहिए थी। मुफ्ती ने कहा कि धारा 370 और राज्य का दर्जा बहाली के अलावा जनता को कई मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वे कई (शेष पृष्ठ 9)

मायावती ने आकाश के पर कतरने के बाद पार्टी से निकाला

बिस्वजीत बनर्जी। लखनऊ

एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम में, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने आकाश आनंद से राष्ट्रीय समन्वयक पद सहित सभी प्रमुख जिम्मेदारियां छीनने के कुछ दिनों बाद उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया। अपने फैसले की घोषणा करते हुए, मायावती ने कहा कि कल बसपा की अखिल भारतीय बैठक के दौरान, आकाश आनंद को पार्टी पर व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता देने के कारण उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि वह अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ से काफी प्रभावित रहे, जिसके कारण उन्हें राष्ट्रीय समन्वयक पद और अन्य प्रमुख भूमिकाओं से हटा दिया गया।

मायावती ने इस बात पर जोर दिया कि आकाश के पास इस फैसले पर परिपक्वता और पछतावा दिखाने का मौका है। हालाँकि, उसने उस पर इस तरह से प्रतिक्रिया करने का आरोप लगाया जो अहंकार, स्वार्थ और गैर-मिशनरी मानसिकता को दर्शाता है, जो उसके ससुर से काफी प्रभावित है। मायावती ने कहा, 'मैंने हमेशा पार्टी में ऐसे व्यक्तियों को सलाह दी है और दंडित किया है जो व्यक्तिगत प्रभावों को बसपा की विचारधारा पर हावी होने देते हैं। इसलिए, डॉ. बी.आर. अंबेडकर के स्वाभिमान आंदोलन के हित में और कांशी राम द्वारा स्थापित अनुशासन को बनाए रखने के लिए, आकाश आनंद को उनके ससुर की तरह ही पार्टी से निष्कासित किया जा रहा है।' यह निर्णय बसपा के भीतर एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है, क्योंकि आकाश आनंद को पहले पार्टी में एक प्रमुख युवा चेहरे और संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता था। उनका निष्कासन पार्टी पर मायावती के दृढ़ नियंत्रण और इसके मूल वैचारिक ढांचे के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का संकेत देता है।

इससे पहले सभी आरोपों से मुक्त होने के बाद आकाश आनंद ने कहा कि उनके लिए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सिर्फ राजनीति नहीं बल्कि एक मिशन है. उन्होंने पार्टी प्रमुख मायावती के फैसले को एक भावनात्मक झटका बताया लेकिन एक वफादार सैनिक के रूप में बहुजन आंदोलन के (शेष पृष्ठ 9)

गंगा में फल-फूल रहीं भारतीय डॉल्फिनें

पीटीआई। नई दिल्ली

भारत में नदी डॉल्फिन के पहले संख्या अनुमान से गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु नदियों में 6,324 डॉल्फिनकी मौजूदगी का पता चला है। यह जानकारी सोमवार को प्रकाशित एक सरकारी रिपोर्ट से मिली। गंगा नदी डॉल्फिन अपनी अनूठी विशेषताओं के लिए जानी जाती है तथा भारत, बांग्लादेश, नेपाल और भूटान में गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना नदियों और इसकी सहायक नदियों में पाई जाती है। कुछ सिंधु नदी डॉल्फिन भारत में सिंधु नदी में पाई जाती है।

प्रोजेक्ट डॉल्फिन के एक हिस्से के रूप में, आठ राज्यों - उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान, मध्य

प्रदेश, पश्चिम बंगाल, असम और पंजाब में नदी डॉल्फिन की संख्या का अनुमान लगाने के लिए पहली बार एक व्यापक सर्वेक्षण किया गया।

भारत में नदी डॉल्फिन की संख्या स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, यह विश्व के सबसे बड़े मीठे पानी के सर्वेक्षणों में से एक है, जिसमें गंगा और ब्रह्मपुत्र में गंगा नदी डॉल्फिन की संपूर्ण शृंखला, तथा व्यास नदी में सिंधु नदी डॉल्फिन को शामिल किया गया है। इसमें कहा गया है कि सर्वेक्षण में 6,324 गंगा नदी डॉल्फिन (रेंज: 5,977-6,688) और तीन सिंधु नदी डॉल्फिन होने का अनुमान जताया गया। इसमें कहा गया है कि निष्कर्षों से पता चलता है कि डॉल्फिन पर्याप्त पानी की गहराई और न्यूनतम मानवीय व्यवधान वाले क्षेत्रों में पाई जाती हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त, 2020 को डॉल्फिन और अन्य जलीय जीवों के संरक्षण के लिए प्रोजेक्ट डॉल्फिन की घोषणा की थी। सोमवा को मोदी ने देश में पहली बार नदी डॉल्फिन आकलन रिपोर्ट जारी की। गिर राष्ट्रीय उद्यान में अपनी सफारी पूरी करने के तुरंत बाद मोदी एनबीडब्ल्यूएल बैठक के (शेष पृष्ठ 9)

शेरों से आमना-सामना

गुजरात के जूनागढ़ में विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर गिर वन्यजीव अभयारण्य में शेरों की फोटो खींचते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

चुनौतियों को करना होगा स्वीकार: योगी आदित्यनाथ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपरीत परिस्थिति में निर्णय लेने का सामर्थ्य विकसित करना चैलेंज होता है। ऐसी स्थिति में बहुत सारे लोग हाथ-पैर छोड़ देते हैं, मानकर चलते हैं कि जो होना होगा, देखा जाएगा, लेकिन विपरीत परिस्थितियों में धैर्य से काम करते हुए चैलेंज को फेस करने को तैयार होना पड़ेगा। महाकुम्भ में यही किया गया, तब जाकर सकुशल महाकुम्भ संपन्न हो सका। उन्होंने कहा कि संतों, श्रद्धालुजन व व्यवस्था से जुड़े लोगों से संवाद-समन्वय स्थापित करना पड़ता है।

मुख्यमंत्री सोमवार को आईआईएम व भारतीय डाक सेवा के अधिकारियों के साथ महाकुम्भ के सफल आयोजन द्वारा राष्ट्र निर्माण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान महाकुम्भ से संबंधित वीडियो फिल्म भी प्रदर्शित की गई। सीएम ने कहा कि 2019 में हमारी सरकार ने प्रयागराज कुम्भ को संपन्न किया था। कुंभ सामान्य रूप से हजारों वर्षों की भारत की विरासत का हिस्सा रहा है, लेकिन लोग कुम्भ का मतलब भगदड़, अव्यवस्था, गंदगी मान चुके थे। हमने तय किया कि आज के समय में लोगों की इस धारणा के विपरीत कुछ नया करके दिखाएं, क्योंकि जब हम लीक से हटकर काम करते हैं, तभी वह स्मरणीय बनता है। सीएम ने कहा कि हम समस्या के बारे में ज्यादा सोचते हैं। इससे हमें बहाना मिलता है, लेकिन समाधान की तरफ जाते हैं तो अनेक रास्ते मिलते हैं। समाधान ही इनोवेशन है।

योगी ने कहा कि जब 2013 में कुम्भ का आयोजन हुआ था, तब मैं योगी के रूप में प्रयागराज में अपने शिविर में था। अगले दिन समाचार पत्रों की लीड न्यूज थी कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री कुम्भ में आए, लेकिन गंगा जी में गंदगी को देखकर स्नान नहीं किया और टिप्पणी की कि क्या यही गंगा हैं, फिर दूर से प्रणाम करके चले गए। मेरे मन में यह बात आई कि एक देश के राष्ट्राध्यक्ष आए और उनकी भावना आहत हुई। इसका मतलब हमारे आयोजन में कोई कमी थी। इसका निवारण होना चाहिए।

सीएम ने कहा कि यह आयोजन गंगा तट पर बालू में होता है। शौचालय शीट को बालू में ऐसे डाल दिया जाता था। सप्ताह-दस दिन बाद बदबू, मक्खी, मच्छर और बीमारी होने लगती थी। फिर मैंने कहा कि ऐसे टॉयलेट बनाएं, जिसकी नियमित सफाई हो सकें। हम लोगों ने एक लाख टॉयलेट-टैंक तैयार कराए। कहा कि एक भी टॉयलेट का लिक्विड गंगा-यमुना में नहीं जाना चाहिए। इसकी नियमित सफाई कराई गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इतना बड़ा आयोजन तब सकुशल संपन्न होगा, जब सुरक्षा, क्राउड मैनेजमेंट की समुचित व्यवस्था हो। हर किसी के मन में यह विश्वास हो कि पुलिस हमें सुरक्षा दे सकती है। किसी भी क्राइसिस मैनेजमेंट में पुलिस का सबसे महत्वपूर्ण रोल होता है। उनका व्यवहार बहुत मायने रखता है। पुलिस के लिए चार महीने स्पेशल कोर्स चलाए गए।

सीएम ने कहा कि महाकुम्भ का आयोजन होगा, तो भीड़ होगी। जो पहले आएंगे, उन्हें कम पैदल चलना होगा, क्योंकि उन्हें संगम से दो-तीन किमी. के दायरे में पार्किंग देंगे, लेकिन जैसे-जैसे पार्किंग भर ती जाएगी, तो लोगों को अधिक पैदल चलना होगा। जो 10 किमी. पैदल चलेगा और पुलिस उसे रोकेगी तो झल्लाएगा ही। 2019 प्रयागराज कुम्भ ने स्वच्छता व सुव्यवस्था का संदेश दिया था।

सीएम ने कहा कि 2025 महाकुम्भ में इतनी भीड़ का अंदाजा हमें भी नहीं था। संभावना थी कि 2019 की अपेक्षा दोगुनी भीड़ होगी, लेकिन श्रद्धालुओं की संख्या ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। योगी ने कहा कि 2025 महाकुम्भ से पहले प्रयागराज में उससे दोगुना कार्य हुआ। पब्लिक व जनप्रतिनिधियों का विश्वास मिला। यह विश्वास अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। सीएम ने बताया कि हमने मेले के दायरे समेत सभी व्यवस्थाओं को बढ़ाया।

पांच हजार एकड़ में हर रूट पर छह अलग-अलग पार्किंग स्पेस दिए गए। इसमें छह लाख बस व चार पहिया वाहन पार्क किया जा सकता है। मुझे आशंका थी कि भीड़ बढ़ेगी। इस एरिया को बढ़ाना पड़ेगा, लेकिन प्रयागराज के आसपास स्पेस नहीं था, इसलिए आसपास के मीरजापुर, भदोही, कौशांबी, जौनपुर, फतेहपुर, कौशांबी, प्रतापगढ़, चित्रकूट, रायबरेली में पार्किंग स्पेस और होल्डिंग एरिया तैयार किए।

कई शहरों में 750 करोड़ की लागत से विकसित किया जाएगा ड्रेनेज सिस्टम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार शहरी बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए अभी से एक्टिव मोड में आ गयी है। इसके लिए नगर विकास विभाग को जलभराव, बाढ़ से बचाव के लिए आधुनिक तकनीकों, जल निकासी प्रणाली के सुधार और नदी तटों के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गये हैं। इसी के तहत लखनऊ, मथुरा, मेरठ, गाजियाबाद, शाहजहांपुर सहित अन्य नगर निगमों में आधुनिक जल निकासी प्रणाली विकसित की जा रही है। इसके लिए योगी सरकार ने करीब 750 करोड़ की धनराशि जारी की है। इससे इन शहरों में ड्रेनेज सिस्टम, नालों का पुनर्विकास और निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में शहरों में जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने और बाढ़ नियंत्रण उपायों को लेकर बैठक की थी। इस दौरान सीएम ने नगर विकास विभाग और जल निगम को शहरों में सीवेज एवं ड्रेनेज सिस्टम को मजबूत करने के निर्देश दिये। साथ ही नालों की नियमित सफाई, जलभराव रोकने के लिए वर्षा जल संचयन प्रणाली को बढ़ावा देने और बाढ़ नियंत्रण के लिए नए पंपिंग स्टेशन बनाने के निर्देश दिये। अधिकारियों ने बताया कि स्मार्ट सिटी मिशन के तहत जल निकासी को अत्याधुनिक बनाया जा रहा है, इससे जलभराव को कम किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और गोरखपुर जैसे प्रमुख शहरों में बाढ़ से बचाव हेतु विशेष योजनाएं चल रही हैं। इन शहरों में जलनिकासी चैनलों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है, ताकि रीयल-टाइम मॉनिटरिंग हो सके और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके।

सीएम ने बैठक में लखनऊ, मेरठ, गाजियाबाद, मथुरा और शाहजहांपुर में ड्रेनेज सिस्टम को डवलप करने के लिए 733 करोड़ की धनराशि जारी की है। इससे लखनऊ में किला मोहम्मदी नाला का पुनर्विकास होगा। इसके लिए 193.73 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है, जिसके तहत 10.571 किलोमीटर लंबी जल निकासी प्रणाली विकसित की जाएगी। इससे 2.5 लाख की आबादी को राहत मिलेगी। इसी तरह लखनऊ के गेटापल्ली नाले का डायवर्जन किया जाएगा। इसके लिए 112.47 करोड़ की लागत से 4.435 किलोमीटर लंबी आरसीसी ड्रेनेज लाइन बिछाई जाएगी। इससे 5 लाख लोगों को लाभ मिलेगा। वहीं मेरठ में ओडेन ड्रेन का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 156.79 करोड़ की लागत से 18.33 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कवर करने वाली जल निकासी प्रणाली विकसित की जाएगी, जिससे 4.35 लाख लोग लाभान्वित होंगे।

विधानसभा की कार्यवाही

विपक्ष ने उठाया विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति का मामला

सरकार के जवाब से अंसतुष्ट होकर सपा सदस्यों ने सदन से किया वाकआउट

● उच्च शिक्षा मंत्री ने आरोपों को बताया निराधार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा में सोमवार को समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने विश्वविद्यालयों में कार्यपरिषद के चुनाव न कराए जाने तथा कुलपतियों की नियुक्तियों में पीडीए वर्ग के लोगों को प्रतिनिधित्व न दिए जाने के विरोध में सरकार के जवाब से अंसतुष्ट होकर सदन से वाकआउट किया। इससे पूर्व सपा की सदस्य डा रागिनी सोनकर ने प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पर अपने सवाल का सही जवाब न देने पर पूरे प्रश्नकाल के लिए सदन से वाकआउट किया। जबकि सपा सदस्यों ने बजट पर चर्चा न कराए जाने के विरोध में वेल में आकर धरना देकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

सपा सदस्यों का कहना था कि सरकार बिना चर्चा के विभागीय बजट पास कराकर मनमानी कर रही है। बाद में विधानसभाध्यक्ष सतीश महाना के आग्रह पर सभी सदस्य अपने आसन पर जाने को राजी हुए। शून्यप्रहर में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ सदस्य संग्राम सिंह यादव ने विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्तियों में पिछड़ो दलितों की उपेक्षा किए जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले दस सालों से विश्वविद्यालयों में कार्यपरिषद के चुनाव नहीं कराए गए हैं। कुलपतियों की नियुक्ति में पीडीए वर्ग को प्रतिनिधित्व न मिलने से इस वर्ग के लोगों में खासी नाराजगी है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के तीस विश्वविद्यालयों में 22 में एक ही वर्ग के लोगों को कुलपति नियुक्त किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नियुक्तियों में व्यापाक पैमाने पर भ्रष्टाचार व्याप्त है। योग्य उम्मीदवारों को मौका नहीं दिया जा रहा है। वरिष्ठता सूची को दरकिनार कर मनमाने तौर पर लोगों को नियुक्त किया जा रहा है। उन्होंने एक विश्वविद्यालय के कुलपति के नाम का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके ऊपर सरकार की खास मेहरबानी है। सपा के दूसरे सदस्य डा आरके वर्मा ने भी इसी मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय सहित 24 राज्यों में नियुक्तियों में अनदेखी की जा रही है। कुलाधिपति द्वारा जिस सहायक प्रोफेसर का पदानवत किए जाने का आदेश दिया गया उसे लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा प्रोन्नति दे दे गयी।

इसके अलावा भी लखनऊ विश्वविद्यालय में नियमों की अनदेखी की जा रही है। इसके अलावा शिक्षकों के खिलाफ द्वेष भावना से कार्रवाई की जा रही है। जवाब में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि विपक्ष के सदस्यों द्वारा जो आरोप लगाए गए हैं वे निराधार हैं। कुलपतियों की नियुक्तियों कुलाधिपति द्वारा की जाती है। उनकी नियुक्तियों में पीडीए का प्रतिनिधित्व दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुलपतियों की नियुक्तियों में आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। उच्चशिक्षा मंत्री ने कहा कि कार्यपरिषद का चुनाव कराने के लिए पूर्व में लिखा जा चुका है।

उच्च शिक्षा मंत्री के जवाब से अंसतुष्ट होकर सरकार पर पीडीए विरोधी होने का आरोप लगाते हुए सदन से वाकआउट किया। इससे पूर्व प्रश्नप्रहर में सपा की सदस्य डा रागिनी सोनकर ने प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पर स्वास्थ्य संबंधी सवाल का सही जवाब न देने और सपा नेतृत्व पर अमर्यादित टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए पूरे प्रश्नकाल के लिए सदन से वाकआउट किया। आज ही नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय सहित सपा के एक अन्य सदस्य द्वारा छुट्टा गोवंशों से फसलों के होने वाले नुकसान और निराश्रित गोवंशों का मामला उठाया। सपा सदस्यों ने कहा कि सरकार के तमाम दावों के बावजूद गायों की स्थिति मरणासन्न हो रही है। जवाब में पशुधनमंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि निराश्रित गोवंश छुटटा नहीं छोड़े गए है। उन्होंने कहा कि निराश्रित गोवंशो की देखभाल और उनके रखरखाव के लिए सरकार द्वारा दिशानिर्देश जारी किए जा चुके हैं। इसके लिए प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की जा चुकी है।

विधान परिषद की कार्यवाही

किसानों के मुद्दे पर सपा ने किया हंगामा

● भाजपा सरकार की प्राथमिकता में हैं किसान: केशव प्रसाद मौर्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने सोमवार को विधान परिषद में सपा की बद्हाली का मुद्दा जोरशोर से उठाते हुए राज्य सरकार पर सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। जवाब में नेता सदन व डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा कि किसान भाजपा सरकार की प्राथमिकता में हैं। उन्होंने कहा कि सपा किसानों की कतई हितैषी नहीं हो सकती है। उनकी ओर से दिए गए जवाब से असंतुष्ट सपा सदस्यों ने नारेबाजी करते हुए सदन से वाकऑउट किया।

सपा के लाल बिहारी यादव, राजेन्द्र चौधरी, डॉ. मान सिंह यादव, मुकुल यादव, आशुतोष सिन्हा, मो. जासमीर अंसारी, बलराम यादव, किरण पाल कश्यप, शाह आलम एवं शाहनवाज खान ने सरकार के सौतेले व्यवहार से किसानों में रोष एवं आक्रोश व्याप्त होने के संबंध में सूचना दी। सूचना की ग्राह्यता पर श्री आशुतोष सिन्हा, शाहनवाज खांन, किरण पाल कश्यप, डाक्ट्र मान सिंह यादव एवं लाल बिहारी यादव ने अपने विचार व्यक्त किये।

नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने तथ्यों से अवगत कराते हुए बताया कि

प्रदेश के किसानों के खातों में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक भेजे गए हैं। सपा ने किसानों की जमीनों पर कब्जे किए थे। हम उसे वापस दिला रहे हैं।

समाजवादी पार्टी के लोगों ने किसानों की जमीनों पर कब्जा किया है। हम उन जमीनों को किसानों को वापस दिला रहे हैं। सपा के शासन में गोवंशों की खुलाआम तस्करी होती थी। केशव ने कहा कि कार्यस्थगन प्रस्ताव का कोई आधार ही नहीं है। हमने सत्ता संभालते ही पहली कैबिनेट में किसानों का कर्जा माफ किया। किसानों को हम बिजली फ्री दे रहे हैं। फसलों का समर्थन मूल्य तीन गुना करने का काम नरेन्द्र मोदी ने किया है। हाल ही में प्रधानमंत्री सम्मान निधि की 19 वीं किस्त भी डीबीटी के माध्यम से किसानों के खातों में भेजे गए हैं। किसान सम्मान निधि के तहत अब तक प्रदेश के किसानों के खातों में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक भेजे जा चुके है। उन्होंने कहा कि गन्ने का मूल्य सपा सरकार में क्या था और हमारी सरकार में बढ़कर कहा तक पहुंच गया यह किसी से छुपा नहीं है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार के समय गोवंश की तस्करी होती थी। इन्हें घड़ियाली आंसू बहाने के अलावा कुछ नहीं आता। हमारी सरकार ने प्रदेश के सभी जिलों में गोवंश संरक्षण के लिए व्यवस्था की गई है। हम गोवंश की रक्षा भी करेंगे और उन्हें बचाने का काम भी करेंगे। किसानों की आमदनी और बढ़े इसके लिए डबल इंजन की सरकार हमेशा प्रयासरत है।

इससे पहले नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने आरोप लगाया कि सरकार के पास फसलों के उत्पादन लागत को कम करने की कोई योजना नहीं है। क्रय केन्द्रों पर खुलकर धांधली हो रही है। किसानों के गन्ने के मूल्यों का बकाया बढ़ता ही जा रहा है। महंगाई से किसानों का हाल बेहाल है। इसका जब नेता सदन ने जवाब देना शुरू किया सपा सदस्यों ने टोकाटाकी की। बाद में नारेबाजी कर विरोध जताना शुरू किया।

इसके बाद सपा के सभी सदस्यों ने सदन से वाकऑउट किया। सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने सूचना पर कार्यस्थगन अस्वीकार कर सरकार को आवश्यक कार्यवाही हेतु संदर्भित किये जाने के निर्देश दिए।

प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था खो रही है अपना स्वरूप: राज बहादुर सिंह चंदेल

लखनऊ। विधान परिषद में सोमवार को वित्तीय वर्ष 2025-2026 के आय-व्ययक की सामान्य चर्चा में भाग लेते हुए निर्दलीय समूह के राज बहादुर सिंह चन्देल ने कहा कि पूर्व से चली आ रही शिक्षा व्यवस्था में आज के समय में गिरावट आई है। शिक्षा व्यवस्था अपना स्वरूप खो रही है। एसडीआई अपने स्कूलों का निरीक्षण नहीं करते जोकि उनका दायित्व है। विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है। सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। सुरक्षा व्यवस्था में अपराधी छोड़े जाते और ना समझ फंस जाते है। ऐसे हालातों पर में सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश में सड़क का विस्तार तो खूब हुआ पर सड़क पर डिवाइडर की उचित व्यवस्था न होने के कारण आए दिन जानवरों के कारण सड़क दुर्घटनाये बढ़ रही है। गॉवों की सड़कों को गड्ढा मुक्त नहीं किया गया है। भारत एक कृषि प्रधान देश है तथा उत्तर प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश भी है।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

भवन निर्मित खसरा संख्या-241 का मिनजुमला रकबा-1500 वर्गफिट स्थित-बेगरिया, वार्ड-कन्हैया माधवपुर, लखनऊ का मूल बैनामा जो दिनांक-26/12/1991 को बही संख्या-1 जिल्द-1292 पृष्ठ-261/270 क्रमांक-27515 पर दर्ज है। वह दुबग्गा में कहीं खो गया है। जिसे मिले वह उसे वापस कर दे। यदि इसका दुरूपयोग हुआ तो वह शून्य समझा जायेगा। सुनील कुमार रावत पुत्र स्व० भागू राम निवासी-602/179, बेगरिया खेडा, रिंग रोड, दुबग्गा, लखनऊ

सूचना

सार्वजनिक सूचना

डी०सी०बी० बैंक लिमिटेड, लखनऊ के निर्देश के तहत, सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव पुत्र स्व० सतीश चन्द्र श्रीवास्तव, एक किता भवन जो भूखण्ड सं० 4, खसरा सं० 95/2 के भाग पर निर्मित है, रकबा 1000 वर्गफीट, स्थित ग्राम माढ़रमऊ कला, परगना व तहसील-मोहनलालगंज, जिला- लखनऊ के पूर्णतया स्वामी है एवं स्वामित्व से सम्बन्धित पूर्व मूल विक्रय विलेख दिनांकित 17.08.2011 जो हरीश चन्द्र साहू बहैसियत मुख्तारेआम श्री विवेक साहू के द्वारा श्रीमती मीना साहू पत्नी विजय कुमार साहू के पक्ष में निष्पादित है, जो कार्यालय उप निबन्धक मोहनलालगंज, लखनऊ में बही सं० 1, जिल्द नंबर 2678, पृष्ठ 395 से 420 क्रमांक 6591, पर पंजीकृत है, जो कि उनके पास अनुपलब्ध है विदित हो ये दस्तावेज कहीं खो चुके है, जिसके सम्बन्ध में एक एन०सी०आर० दिनांक 29.01.2025, एल०ए० आर० सख्या 20250000071597 को पुलिस यूनीटः पुलिस कंप्यूटर केंद्र, तकनीकी सेवायें मुख्यालय, लखनऊ में दर्ज की गयी है। जैसा कि श्रीमती सुषमा श्रीवास्तव उपरोक्त सम्पत्ति के एवज् में डी०सी०बी० बैंक लिमिटेड, लखनऊ से ऋण लेना चाहती है। अतः किसी भी व्यक्ति को इस सम्पत्ति में किसी भी पूर्व अधिकार या ब्याज का दावा करने या किसी भी तरह से दावा करने या किसी व्यक्ति/बैंक/निगम/वित्तीय को उपरोक्त विलेख जमा करके ऋण उठाया है तो सार्वजनिक सूचना की तारीख से 7 दिनों के भीतर लिखित आपत्ति दे सकता है। इस नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद, किसी भी दावे पर विचार नही किया जाएगा और इस तरह के दावे का कानून की नजर में कोई मूल्य नही होगा, यह भी माना जाएगा कि डी०सी०बी० बैंक लिमिटेड, लखनऊ के साथ उपरोक्त सम्पत्ति को गिरवी रखने के लिए किसी को कोई आपत्ति नहीं है।

विवेक श्रीवास्तव (एडवोकेट)
कार्यालय/निवासी- 3/40, वास्तु खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010, फोनः 9839485155

प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्थाएं सुदृढ़: ब्रजेश पाठक

लखनऊ। प्रश्नकाल में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने विपक्ष के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि प्रदेश की जनता को ह्यूमन मेटाप्न्यूमो वायरस (एचएमपीवी) को लेकर चिंतित होने की जरूरत नहीं है। सभी जिलों में स्वास्थ्य व्यवस्थाएं सुदृढ़ हैं।

प्रश्नकाल के दौरान सपा विधायक महबूब अली के प्रश्न का उत्तर देते हुए पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि एचएमपीवी वायरस को लेकर सदस्य की चिंता से पहले हमारी सरकार ने चिंता की है, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक करके सारी व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी ली और दिशा निर्देश भी दिए हैं। हम प्रदेश में पैनिक नहीं होने देना चाहते थे। इसलिए प्रदेश के सारे जिलों में इलाज के पुख्ता इंतजाम कर लिए गए थे।

उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो प्रदेश के सभी जिलों में लैब की व्यवस्था की जाएगी। सपा के एक अन्य सदस्य डॉ. राकेश वर्मा के सवाल के जवाब में डिप्टीसीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रदेश के अस्पतालों में लोगों को बेहतर इलाज की सुविधा प्रदान की जा रही है। हमारी सरकार ने इसे बेहतरी से लागू किया है। इस योजना के तहत 9000 करोड़ रुपये इलाज पर खर्च हुआ है। आयुष्मान भारत योजना को ठीक से लागू करने की वजह से 350 करोड़ रुपये बचाए भी गए हैं। उपमुख्यमंत्री ने सदन को आश्वस्त किया कि गरीबों के इलाज में कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी, उनका बेहतर इलाज होगा। एक अन्य प्रश्न के जवाब में स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि यूपी के सरकारी अस्पतालों में प्रतिदिन की दो लाख मरीजों की ओपीडी है।

रालोद के राष्ट्रीय सचिव से मिले राजा बुंदेला

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बुंदेलखंड विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं पृथक बुंदेलखंड राज्य निर्माण के लिए लंबे समय से आवाज़ बुलंद करने वाले राजा बुंदेला ने सोमवार को अपने लखनऊ दौरे के दौरान रालोद के राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा से मुलाक़ात की। शिष्टाचार भेंट के दौरान अनुपम मिश्रा ने उनके प्रवास स्थल पर पहुंच कर फिल्म अभिनेता से नेता बनकर बुंदेलखंड के लिए संघर्षरत राजा बुंदेला को उनके द्वारा प्रारंभ की गई गांव गांव, पांव पांव यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। राजा बुंदेला ने राष्ट्रीय सचिव का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें ओरछा धाम में होने वाले आगामी श्री राम महोत्सव में आने का निमंत्रण भी दिया। विदित हो कि कुछ माह पूर्व राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने जालौन जिले के ग्रामीण इलाकों का दौरा किया था और वहां पर विद्यमान किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदेश के कृषि मंत्री से भेंटवार्ता भी की थी। आज राजा बुंदेला ने मिश्रा से बुंदेलखंड राज्य निर्माण के लिए सहयोग एवं समर्थन देने का भी अनुरोध किया। मिश्रा ने भी बुंदेलखंड की समस्याओं को लेकर रालोद अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार जयंत चौधरी के माध्यम से केंद्र सरकार तक पहुंचाने प्रदेश स्तर पर अपनी ओर से भी हरसंभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर रालोद नेता शैलेष सिंह, श्रीष चंद्र, विजय आदि शामिल रहे।

सपा नेता डॉ. आजाद बेग कांग्रेस में शामिल

लखनऊ। मथुरा से सपा में पिछले 14 वर्षों से निरन्तर जिला उपाध्यक्ष रहे डॉ. आजाद बेग (प्रधान) ने पूर्व सीएलपी लीडर प्रदीप माथुर के नेतृत्व में अपने समर्थकों के साथ प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ज्वाइनिंग प्रभारी नितिन शर्मा ने उन्हें कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण कराई। इस मौके पर यूपी कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, कांग्रेस नेता संजय दीक्षित मौजूद रहे।

आशा संगिनी बहनों ने सपा को ज्ञापन सौंपकर दयनीय कार्यदशा की ओर ध्यान कराया आकृष्ट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आशा और आशा संगिनी के एक प्रतिनिधिमण्डल ने समाजवादी पार्टी मुख्यालय में अखिलेश यादव को सम्बोधित ज्ञापन राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल तथा विधायकगण सचिन यादव एवं हिमांशु यादव को सौंपकर अपनी दयनीय कार्यदशा की ओर ध्यान आकृष्ट किया।

ज्ञापन में कहा गया है कि आशा और संगिनी बहनों की 2005-2006 से नियुक्तियां हुई थी जिनसे 24 घंटे काम लिया जाता है आज भी उन्हें इतना ही मानदेय मिलता है जितना पहले मिलता था। उनकी नियुक्ति मातृ-शिशुदर में कमी, परिवार नियोजन कार्य के लिए की गई थी किन्तु उनसे संस्थागत प्रसव कराने, आभा और आयुष्मान कार्ड बनाने, बच्चों के टीकाकरण, पोलियो की दवा पिलाने, मिशन इंद्रधनुष टीकाकरण अभियान आदि में भी काम लिया जाता है। आशा और आशा संगिनी की मांग है कि उन्हें मातृत्व वंदन योजना का 5 वर्षों से बकाया भुगतान हो, उन्हें परिवार सहित आयुष्मान कार्ड से जोड़ा जाए। सीएचसी, पीएचसी पर आवास-शौचालय सुविधा मिले, योग्यता पर प्रमोशन हो, आशा संगिनी को इलेक्ट्रानिक स्कूटी दी जाए, कोविड महामारी के दौरान मृत आशाओं को बीमा का पैसा भी नहीं मिला। आशा और आशा संगिनी को राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र चौधरी ने आश्वासन दिया कि उनकी मांगे सदन से सड़क तक उठाई जाएगी। समाजवादी पार्टी उनके साथ है उन्हें न्याय दिलाया जाएगा। आशा एवं आशा संगिनी कार्यकत्री सेवा समिति के प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष मनीषा यादव, प्रदेश महामंत्री संध्या सिंह, प्रदेश सचिव ऊषा पटेल, किरन तथा नीलम सिंह शामिल थी। ज्ञापन में राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष उर्मिला सिंह, राष्ट्रीय सचिव ऊषा सिंह के अतिरिक्त अनुराधा, रेनू राय, विनीता राय, कल्याणी सिंह, नीलम, सुशीला यादव, चंद्रा यादव, सुनीता वर्मा, कंचन दुबे, प्रमिला, सुनीता, चंद्रकला, शशिकला, सुमन यादव, सुमन सिंह, रामा सिंह, पूनम यादव, सरोज सिंह, पारूल, ममता, संगीता, अनीता देवी यादव, प्रेमलता यादव, ललिता यादव, सविता देवी यादव, श्रीदेवी यादव, माधुरी, बसंती देवी, रिंकीश्री, रेनू, आदि मौजूद रहे।

महाकुम्भ में प्रयुक्त ऑटोमैटिक मशीनों से पूरा यूपी होगा कीटों से मुक्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुम्भ में इस्तेमाल की गई अत्याधुनिक मिस्ट ब्लोअर और मिनी फॉगिंग मशीनों का प्रयोग अब पूरे उत्तर प्रदेश में किया जाएगा। महाकुम्भ में इन मशीनों का सफल इस्तेमाल किया गया था। जिससे संतों और श्रद्धालुओं को मच्छरों और मक्खियों से राहत मिली। अब इन्हीं मशीनों को विभिन्न जिलों में तैनात किया जाएगा। जिससे प्रदेश को इंसेक्ट-फ्री बनाया जा सके। इस तरह का प्रयोग उत्तर प्रदेश में पहली बार किया जाएगा। ये आधुनिक टेक्नोलॉजी वाली मशीनें नगर निगमों और स्वास्थ्य विभाग को सौंपी जाएंगी। महाकुम्भ में संतों और श्रद्धालुओं को मच्छर-मक्खी से बचाने वाली अत्याधुनिक 107 ब्लोअर मिस्ट मशीनें नगर निगमों को सौंपे जाने की तैयारी है। वहीं, 110 मिनी फॉगिंग मशीनें स्वास्थ्य विभाग को सौंपी जाएंगी। अखाड़ों को इंसेक्ट फ्री बनाने में कारगर ये मशीनें अब उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में इस्तेमाल की जाएंगी। डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया के नियंत्रण में यह मिनी फागिंग मशीन बेहद कारगर है। सबसे खास बात यह है कि कॉल करते ही ये ऑटोमैटिक मशीन 30 मिनट के भीतर लोगों तक पहुंचने में सक्षम है।

महाकुम्भ के नोडल जॉइंट डायरेक्टर (वेक्टर कंट्रोल) डॉ वीपी सिंह ने बताया कि प्रदेश के नगर निगमों को 107 ब्लोअर मिस्ट मशीनें सौंपी जाएंगी। यह कूड़े और गंदगी पर छिड़काव में काफी मददगार साबित होंगी। वहीं, स्वास्थ्य विभाग को 110 मिनी फॉगिंग मशीनें सौंपी जाएंगी। जो डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया पर प्रभावी रोक लगाने के सक्षम रहेंगी। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भी इनका व्यापक पैमाने पर इस्तेमाल किया जाएगा। इसके अलावा सफाई और वेक्टर नियंत्रण में भी इनसे बड़ी मदद मिलेगी। मेले में वेक्टर कंट्रोल के असिस्टेंट नोडल और डीएमओ डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि महाकुम्भ में इस्तेमाल की गई ऑटोमैटिक ब्लोअर मिस्ट मशीनें इतनी प्रभावी रहीं कि कॉल करने के 30 मिनट के भीतर किसी भी स्थान पर पहुंच सकती हैं। इसी तर्ज पर अब मूविंग वेक्टर कंट्रोल यूनिट पूरे प्रदेश में संचालित की जाएगी। ताकि किसी भी इलाके में संक्रमण या मच्छरों की समस्या होने पर तुरंत फॉगिंग और मिस्ट ब्लोअर से छिड़काव किया जा सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विशेष निर्देश पर मच्छर-मक्खियों से बचाव के लिए व्यापक सेवा शुरू की जा रही है। अब आम जनता को भी तत्काल सुविधाएं मिल सकेंगी। इन मशीनों के जरिए प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल फॉगिंग और कीटनाशक छिड़काव की सुविधा रहेगी।

उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ, बिलासपुर
प्रत्यर्थी को अपील की सूचना नोटिस
(अधिनियम क्रमांक 5 सन् 1908 आदेश इकतालिस, नियम 14)
अपील क्रमांक ARBR No. 17/2024
M/s. Aulia Infrastructure
Vs.
M/s G.S. Express Private Limited

उपर्युक्त मामले में M/s Aulia Infrastructure, Appellant द्वारा APPLICTION UNDER SECTION 11 (6) OF THE ARBITRATION AND CONCILLIATION ACT 1996 के लिये आवेदन किया गया है।

प्रति, अनावेदक
M/s G.S. Express Pvt. Ltd.
Through its Managing Director Mr. Sandeep Anand Having its Registered office at C877, Opp RTO office, Mahanagar, Lucknow-226006 (U.P.) and local office at D-49 Vallabh Nagar, Pachpedinaka Raipur- 492001 (C.G.)

मुख्यमंत्री का निर्देश, अंसल ग्रुप के खिलाफ दर्ज हो एफआईआर

● बायर्स के हित हर हाल में रहेंगे सुरक्षित:सीएम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ में अंसल ग्रुप मामले का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंसल ग्रुप के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बायर्स के हित हर हाल में सुरक्षित होने चाहिए, इस मामले में दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होगी। सोमवार को आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि अंसल ग्रुप ने होम बायर्स के साथ धोखा किया है, जिसे सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी। इस दौरान उन्होंने कंपनी के सभी जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ एक्शन लेने के निर्देश दिए । घटनाक्रम से प्रभावित आमजन के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ जैसे मामले जिन भी जिलों में अंसल ग्रुप के खिलाफ सामने आ रहे हैं उन सभी जिलों में एफआईआर दर्ज कराई जाए। मुख्यमंत्री ने एलडीए और पीड़ित बायर्स की एक समिति तैयार करने के निर्देश भी दिए, जिससे न्यायालय में अंसल के खिलाफ मजबूती से साक्ष्यों को प्रस्तुत किया जा सके। इससे न्यायालय द्वारा अंसल ग्रुप के लोगों को सजा दिलाने में आसानी होगी। बैठक के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि एनसीएलएटी द्वारा लखनऊ

● नई टाउनशिप्स , होटलों व अस्पतालों के विकास के लिए भूखंडों की उपलब्धता सुनिश्चित करायें:योगी

विकास प्राधिकरण एवं आवास विभाग को बिना नोटिस दिए एकपक्षीय आदेश पारित किया गया था। इस पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी व्यक्त करते हुए उक्त आदेश के विरुद्ध प्राधिकरण द्वारा व्यापक जनहित में अपील योजित करने के निर्देश दिए। बैठक में आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी लंबित मामलों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए शीघ्र आगे बढ़ाने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री योगी ने बैठक में कानपुर मेट्रो, लखनऊ मेट्रो तथा आगरा मेट्रो के संचालन तथा निर्माणाधीन कॉरिडोर्स की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने परियोजनाओं से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिए। विशेष मौके पर मुख्यमंत्री ने वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी को लेकर प्रगति और प्रदेश में इससे जुड़े एक्शन प्वॉइंट्स के विभिन्न तथ्यों की समीक्षा भी की। इसमें 100 नई टाउनशिप्स की स्थापना, फास्टपास समेत विभिन्न प्रक्रियाओं के डिजिटाइजेशन, अनिस्तारित संपत्तियों के निस्तारण तथा 100 होटलों व 100 अस्पतालों के विकास के लिए भूखंडों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी निर्माण में क्वॉलिटी के साथ किसी प्रकार का समझौता न हो तथा अनप्लैन्ड अर्बनाइजेशन को बढ़ावा नहीं मिलना चाहिए।

हाईकोर्ट ने पीसीएस अधिकारी निहारिका सिंह के मुकदमे को किया समाप्त

● गाजियाबाद शमशान घाट हादसा

विधि संवाददाता। लखनऊ

गाजियाबाद शमशान घाट हादसे की अभियुक्त पीसीएस अधिकारी व मुरादनगर पालिका की तत्कालीन अधिशाषी अधिकारी निहारिका सिंह चौहान के विरुद्ध चल रहे आपराधिक मुकदमे को हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने समाप्त कर दिया है। पीठ ने उनके विरुद्ध एसआईटी द्वारा दाखिल आरोप पत्र तथा इस पर निचली अदालत द्वारा पारित संज्ञान आदेश को खारिज कर दिया है। तीन जनवरी 2021 को शमशान घाट के एक नवनिर्मित निर्माण की छत गिरने से 24 लोगों की मौत जबकि 20 लोग घायल भी हुए थे। जस्टिस राजीव सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश निहारिका सिंह चौहान की याचिका पर दिया है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि वह मात्र अधिशाषी अधिकारी थी। लिहाजा उनकी प्रशासकीय व वित्तीय जिम्मेदारी थी। वह किसी तकनीकी पद पर तैनात नहीं थी। इस मामले में जिलाधिकारी के निर्देश पर एक्सईएन पीडब्ल्यूडी मनीष वर्मा, सहायक अभियंता वाईएस चौधरी व कनिष्ठ अभियंता डीके तवर की एक कमेटी बनाई गई थी। तकनीकी जानकारों की इस कमेटी ने ही नवनिर्मित निर्माण को संतोषजनक बताया था। कहा गया कि हादसे के बाद भी एक तकनीकी जांच कमेटी बनाई गई। जिसने अपनी रिपोर्ट में बताया कि सह-अभियुक्त ठेकेदार अजय त्यागी का बिल एक्सईएन मनीष वर्मा ने प्रमाणित किया था। पीठ के समक्ष राज्य सरकार ने स्वीकार किया कि निर्माण को संतोषजनक का प्रमाण पत्र देने वाली कमेटी के तीनों सदस्यों एक्सईएन मनीष वर्मा, सहायक अभियंता वाईएस चौधरी व कनिष्ठ अभियंता डीके तंवर के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति देने से इंकार किया जा चुका है।

निराश्रित महिला के अंतिम संस्कार की मांगी जानकारी

लखनऊ। बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराई गई निराश्रित महिला के अंतिम संस्कार के सम्बंध में हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने जानकारी मांगी है। जस्टिस एआर मसूदी एवम जस्टिस मनीष कुमार की पीठ ने यह आदेश स्थानीय वकील ज्योति राजपूत की जनहित याचिका पर दिया है। इनका कहना है कि उसरा नाम की एक निराश्रित महिला को बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन संदिग्ध परिस्थितियों में उस महिला को डिस्चार्ज कर दिया गया। उन्हें मिली जानकारी के अनुसार उसकी मौत हो चुकी है। पीठ ने इस पर सरकारी वकील को पांच मार्च तक जानकारी हासिल कर अवगत कराने को कहा है कि उक्त महिला का अंतिम संस्कार हुआ है अथवा नहीं।

मड़ियांव में 6 अवैध रो हाउस, अलीगंज में अपार्टमेंट समेत दो भवन सील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मड़ियांव, अलीगंज क्षेत्र में एलडीए द्वारा अवैध निर्माण रो हाउस पर कार्रवाई की गयी। विहित प्राधिकारी द्वारा अवैध निर्माण पर नोटिस भेजा गया, जिसे कार्रवाई के आदेश दिए गए। प्रवर्तन दल द्वारा अवैध निर्माण को सील किया गया। सोमवार को प्रवर्तन जोन.4 की टीम ने मड़ियांव व अलीगंज क्षेत्र में कार्यवाही की। इस दौरान अवैध रूप से निर्मित किये जा रहे 06 रो.हाउस भवन, अपार्टमेंट एवं आवासीय निर्माण को सील किया गया। प्रवर्तन जोन.4 के जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह ने बताया कि अल्पना हलदार व अन्य द्वारा अलीगंज के सेक्टर.आई में भूखण्ड संख्या.बी.6 पर लगभग 297 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अवैध रूप से चार मंजिला अपार्टमेंट का निर्माण करवाया जा रहा था। इसी तरह कृष्ण गोपाल सिंह व अन्य द्वारा अलीगंज के सेक्टर.एफ में भूखण्ड संख्या.सी.37 पर लगभग 180 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अवैध रूप से आवासीय भवन का निर्माण कराया जा रहा था। इसके अलावा आमिर, शाहिद, इमरान, कुतुश व अन्य द्वारा मड़ियांव के प्रीति नगर में अन्ना मार्केट के पास एकता स्कूल वाली गली में लगभग 600 वर्गमीटर क्षेत्रफल में 06 रो.हाउस भवनों का निर्माण कराया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना किये जा रहे इन अवैध निर्माणों के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद दर्ज करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। प्रवर्तन टीम द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से अवैध निर्माणों को सील कर दिया गया।

नगर निगम ने 20 करोड़ की सरकारी जमीन को कराया कब्जा मुक्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सरोजनी नगर के अमौसी गांव में नगर निगम द्वारा बेशकीमती जमीन को कब्जा मुक्त किया गया। जमीन पर अवैध कब्जे का हटाने के लिए नायब तहसीलदार द्वारा कार्रवाई की गयी। संपत्ति विभाग के अनुसार यह जमीन 20 करोड़ की आंकी गयी है। सोमवार को सरकारी जमीनों पर नगर निगम ने अवैध कब्जो को हटाया गया। अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव और तहसीलदार अरविन्द कुमार पाण्डेय के आदेशों पर नगर निगम की निहित भूमि पर हुए अवैध कब्जे को अतिक्रमण मुक्त किया गया। यह कार्रवाई नगर निगम नायब तहसीलदार रत्नेश कुमार श्रीवास्तव और तहसील.सरोजनी नगर के नायब तहसीलदार वीरेन्द्र कुमार प्रजापति की निगरानी में हुई। इस अभियान के दौरान थानाध्यक्ष, थाना.सरोजनी नगर द्वारा पुलिस बल और नगर निगम ईटीएफ बल की तैनाती की गई। ग्राम अमौसी की गाटा संख्या.02, 21, 37, 38, 40, 79 और 94 पर स्थित नगर निगम की भूमि पर अवैध रूप से बनाए गए बाउन्ड्री वॉल को हटाकर उक्त भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया। यह कार्रवाई पूरी तरह से सफल रही। अब नगर निगम की इस भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा नहीं है। इस भूमि की बाजारू कीमत लगभग 20 करोड़ 5 लाख 74 हजार रुपए (20,05,74,000) आंकी है। इस कार्रवाई से न केवल नगर निगम की भूमि को वापस प्राप्त किया गया है, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया गया है कि भविष्य में इस प्रकार के अवैध कब्जों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे। यह कदम नगर निगम की भूमि पर अवैध कब्जों के खिलाफ लगातार चल रही मुहिम का हिस्सा है, जिसमें अधिकारियों और पुलिस बल का सहयोग बेहद महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

प्रमुख सचिव पंचायतीराज ने एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का किया शुभारम्भ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रमुख सचिव पंचायतीराज विभाग अनिल कुमार ने आज दयाल गेटवे विभूतिखण्ड गोमतीनगर लखनऊ में आयोजित कार्यशाला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) संचालन एवं रखरखाव नीति का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उक्त कार्यशाला का उद्देश्य ग्राम पंचायतों के स्तर पर स्वच्छता एवं सतत् विकास को लेकर संचालन तथा रख-रखाव नीति 2025 के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा है। प्रमुख सचिव ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अन्तर्गत सृजित की गयी परिसम्पत्तियों के प्रभावी रख-रखाव हेतु नीति तैयार की जा रही है। जिससे कि ग्राम में स्वच्छता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन को प्रभावी बनाया जा सके। विभाग द्वारा निदेशक, पंचायतीराज की अध्यक्षता में ड्राफ्टिंग कमेटी गठित कर डेवलपमेंट पार्टनर एवं विभागों के सहयोग से नीति का ड्राफ्ट तैयार किया गया है। ग्रामों में मुख्यत: ठोस अपशिष्ट का प्रबन्धन, तरल अपशिष्ट का प्रबन्धन, प्लास्टिक वेस्ट का प्रबन्धन, फीकल स्लज का प्रबन्धन तथा गोबर्धन परियोजना के अन्तर्गत बायोगैस यूनिट का निर्माण एवं व्यक्तिगत व सामुदायिक शौचालयों के निर्माण की गतिविधियां संचालित की जा रही है।

केजीएमयू में सात घंटे की सर्जरी में डाक्टरों ने किया कटे हुए पैर का सफल प्रत्यारोपण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने एक जटिल और चुनौतीपूर्ण पैर प्रत्यारोपण सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। इसमें एक 30 वर्षीय मरीज को नई आशा मिली है, जिसका पैर एक दुर्घटना में कट गया था।

बाराबंकी निवासी दिलीप कुमार अपने ट्रैक्टर से आलू हार्वेस्टर को अलग करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गए। दुर्भाग्यवश, हार्वेस्टर उनके बाएँ पैर के ऊपर से गुजर गया। जिससे उनका पैर पूरी तरह से कटकर अलग हो गया। उन्हें तुरंत जिला अस्पताल, बाराबंकी ले जाया गया, जहाँ उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया और उनके कटे हुए पैर को सावधानीपूर्वक साफ करके ठंडे पैक में संरक्षित किया गया। चोट की गंभीरता को देखते हुए, उन्हें तुरंत केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। ट्रॉमा सेंटर में प्रारंभिक उपचार और जाँच के बाद, प्लास्टिक

सर्जरी टीम को बुलाया गया ताकि पैर को पुन: जोड़ने की संभावना पर विचार किया जा सके। मरीज सही समय पर अस्पताल पहुँच गया था और कटे हुए हिस्से को भी सही तरीके से संरक्षित किया गया था, जिससे पुन: प्रत्यारोपण की संभावना बढ़ गई। इसके बाद, मरीज को प्लास्टिक सर्जरी विभाग में स्थानांतरित किया गया, जहाँ इस जटिल माइक्रोवैस्कुलर सर्जरी को अंजाम दिया गया। इस सर्जरी का नेतृत्व प्रोफेसर बृजेश मिश्रा ने किया। सात घंटे तक चली इस जटिल सर्जरी में माइक्रोवैस्कुलर मरम्मत, हड्डी को स्थिर करना और सॉफ्ट टिशू पुनर्निर्माण जैसी प्रक्रियाएँ शामिल थीं। ताकि रक्त संचार और पैर की कार्यक्षमता को बहाल किया जा सके। यह सर्जरी बिना किसी जटिलता के सफलतापूर्वक पूरी हुई।अब, सर्जरी के 5 दिन बाद, मरीज के पैर में रक्त संचार सामान्य हो गया है और उनकी स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है। हालाँकि, चोट की गंभीरता को देखते हुए पूर्ण रूप से चलने में 2 से 3 महीने का समय लग सकता है। इस जटिल सर्जरी में शामिल टीम में डॉ. रवि कुमार (एसोसिएट प्रोफेसर), डॉ. गौतम रेड्डी (असिस्टेंट प्रोफेसर), डॉ. मेहवश खान, डॉ. कर्तिकेय शुक्ला, डॉ. गौरव जैन, डॉ. प्रतिभा राणा, डॉ. अभिनव नकरा और डॉ. राहुल राधाकृष्णन (सीनियर रेजिडेंट) शामिल थे। एनेस्थीसिया टीम का नेतृत्व डॉ. तन्वी (कंसल्टेंट) ने किया, जिनके साथ डॉ. अनी (सीनियर रेजिडेंट), डॉ. शिखा और डॉ. कंचन (जूनियर रेजिडेंट) भी मौजूद रहीं।

एक साल में यूविन पोर्टल के जरिए 1.52 करोड़ बच्चों हुआ टीकाकरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नियमित टीकाकरण के सफलतम उदाहरण हैं देश का नवजात टिटेनस और पोलियो से मुक्त होना। ऐसे में भारत सरकार की तरफ से लांच किये गये यूविन पोर्टल के जरिए 1.52 करोड़ बच्चों का टीकाकरण हुआ है।

पोर्टल के माध्यम से टीकाकरण में जनपद सीतापुर अव्वल

राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डा. अजय गुप्ता बताते हैं कि कोविन पोर्टल की तर्ज पर शुरू हुए यूविन पोर्टल पर कुल 47.68 लाख गर्भवतियों का पंजीकरण हुआ है। जिसके सापेक्ष 43.01 लाख गर्भवतियों का टीकाकरण किया जा चुका है। एक साल से कम आयु के 1.04 करोड़ बच्चों का टीकाकरण किया जा चुका है। एक से पाँच साल के पंजीकृत 52.31 लाख बच्चों के सापेक्ष लगभग 48 लाख बच्चों को टीका लग चुका है।

अयोध्या से निकली महात्रिशूल यात्रा का चिनहट में किया गया स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

धर्म नगरी अयोध्या से निकली महात्रिशूल यात्रा का सोमवार को चिनहट क्षेत्र में फैजाबाद रोड पर स्वागत किया गया। एंजेल विकास सेवा फाउंडेशन एवं भारतीय उद्योग, किसान व्यापार मंडल की इकाई एल्डिको चिनहट गोमती नगर उद्योग व्यापार मंडल की ओर से वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव भाटिया के साथ व्यापार मण्डल प्रदेश अध्यक्ष अजय त्रिपाठी (मुन्ना), जिला अध्यक्ष नीरज गुप्ता, जिला महासचिव आशुतोष खरे, अनुराग सिंह, आदित्य कुमार सिंह, विवेकानंद श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष क्रमश: विशाल गुप्ता, सर्वेश राजपूत (राजा), अमन कुमार, मण्डल अध्यक्ष सुनील सिंह सूरज, महामंत्री सोनू सिंह, कृष्णा मौर्य, रंजीत राजपूत, ऋतु कश्यप, पार्षद पति

अरविन्द यादव, पार्षद शैलेन्द्र वर्मा, जितेंद्र त्रिवेदी द्वारा मटियारी चौराहा पर संगठन के लोगों एवं क्षेत्रवासियों के साथ माल्यार्पण एवं पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। यात्रा में सम्मिलित श्रद्धालुओं को जलपान इत्यादि कराकर उनकी आवभगत भी की गई।

पर्यटन विभाग के संविदा कर्मी राजेश ने देश का नाम दुनिया में ऊंचा किया: जयवीर सिंह

● सूरत में आयोजित एशिया पॉवरलिफ्टिंग में भारत के लिए जीते चार गोल्ड मैडल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पिछले दिनों सूरत में आयोजित एशिया पॉवरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में लखनऊ के राजेश कुमार वर्मा ने भारत के लिए चार गोल्ड मेडल जीते। राजेश पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश में संविदा पर कार्यरत हैं। राजेश कुमार वर्मा ने 4 गोल्ड मेडल जीतकर उप्र की ही नहीं बल्कि पर्यटन विभाग का भी नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि के लिए पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह न अपने सरकारी आवास पर राजेश कुमार वर्मा को सम्मानित किया।उन्होंने कहा कि सूरत में 20 फरवरी से 26 फरवरी तक एशिया पॉवरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। 23 फरवरी को राजेश ने फुल पावर लिफ्टिंग 360 किलो, बेंच प्रेस 90 किलो, डेड लिफ्ट 130 किलो, पुश फुल 220 किलो में चार गोल्ड मेडल जीते। परिणाम की घोषणा 26 फरवरी को की गई थी। उल्लेखनीय है कि राजेश कुमार वर्मा पॉवरलिफ्टिंग में नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट हैं। 2023 में नेशनल पॉवरलिफ्टिंग चौंपियनशिप (गोल्ड, सिल्वर) में 15 मेडल जीते थे।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने कहा कि खेल के प्रति राजेश का जुनून देखकर गौरवान्वित हैं। कार्यालय के साथ-साथ खेल के लिए समय निकालना बड़ी बात है। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आने वाले दिनों में राजेश बहुत ही ऊंचांइयों पर पहुंचेंगे।

आईईटी में मूक्स कोर्सेज के पोर्टल का हुआ शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉक्टर अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी लखनऊ द्वारा यूनिवर्सिटी के घटक संस्थान इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी लखनऊ में सोमवार को मूक्स कोर्सेज के पोर्टल का शुभारंभ किया गया। डॉक्टर अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी लखनऊ के वाइस चांसलर प्रोफेसर जेपी पाण्डेय की अध्यक्षता में हुई बैठक में एल. एंड टी. के सहयोग से आईईटी लखनऊ के फाइनल ईयर के लगभग 600 छात्रों के लिए मूक्स कोर्सेज का आरम्भ किया गया। प्रथम चरण में मूक्स कोर्सेज की शुरुआत आईईटी लखनऊ के छात्रों के लिए की गई है। मूक्स कोर्सेज के शुभारंभ के लिए आयोजित इस बैठक में प्रति कुलपति प्रो राजीव कुमार, आईईटी लखनऊ के निदेशक प्रोफेसर विनीत कंसल, प्रोफेसर गिरीश चंद्रा, प्रोफेसर सुबोध वरिया, प्रोफेसर शैलेंद्र सिन्हा, प्रोफेसर वीरेंद्र पाठक, प्रोफेसर आरपी राम, डॉ संजय श्रीवास्तव मौजूद रहे।

ज्ञान देने के साथ ही छात्रों को नालेज क्रिएशन के प्रति भी प्रेरित करें : प्रो. आलोक राय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सोमवार को कला संकाय के डीन द्वारा आयोजित एक सभा में कला संकाय के शिक्षकों को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने शिक्षा जगत में अंत:विषय अनुसंधान और सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से पुराने और नए शिक्षकों को परस्पर एक दूसरे को पहचानने और समन्वय के लिए आयोजित किया गया था।

अपने संबोधन में प्रो. राय ने अकादमिक तालमेल को बढ़ावा देने और बौद्धिक विमर्श को मजबूत करने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कला संकाय में सबसे अधिक शिक्षकों की नियुक्तियां हुई हैं, जो अकादमिक परिदृश्य पर इसके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। पिछले

कुछ वर्षों में छात्रों के प्रवेश और अकादमिक परिणामों में प्राचीन भारतीय इतिहास, अंग्रेजी, समाजशास्त्र और लोक प्रशासन जैसे विभागों के उल्लेखनीय प्रदर्शन की सराहना करते हुए, उन्होंने साझा दृष्टिकोण के तहत विविध विषयों को सफलतापूर्वक एकजुट करने के लिए कला संकाय के डीन की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब विभागाध्यक्ष उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं, तो उनका नेतृत्व उनके संबंधित विभागों की समग्र उत्कृष्टता में परिवर्तित होता है। हालांकि, उन्होंने कुछ क्षेत्रों में प्रतिभा के कम उपयोग पर चिंता भी व्यक्त की, और शिक्षकों से उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों की पूरी क्षमता का उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान चाहने वाले छात्रों की बौद्धिक आवश्यकताओं को पढ़ाना और पूरा करना सबसे संतुष्टिदायक व्यवसायों में से एक है। उन्होंने शिक्षकों को जुनून और समर्पण के साथ अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा जगत की यात्रा खोज और संतुष्टि की यात्रा है, जहाँ संकाय सदस्यों को न केवल ज्ञान प्रदान करना चाहिए, बल्कि छात्रों को नालेज क्रिएशन के लिए प्रेरित भी करना चाहिए। उन्होंने संकाय सदस्यों से अपने योगदान पर विचार करने और विभाग के भीतर विभिन्न हितधारकों के साथ सह-निर्माण में सक्रिय रूप से शामिल होने का आह्वान किया।

बीएनए रंगमंडल के कलाकार चंडीगढ़ में अपनी प्रतिभा का करेंगे प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतेंदु नाट्य अकादमी, लखनऊ (संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश) रंगमंडल के कलाकार आगामी 8-9 मार्च को चंडीगढ़ में आठ दिवसीय 'रंग प्रयोग नाट्य' समारोह में अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। चंडीगढ़ संगीत नाटक अकादमी के टैगोर थियेटर में 8 मार्च को 'कर्ण गाथा' और 9 मार्च को 'निर्माण से निर्वाण' तक का मंचन किया जाएगा।भारतेंदु नाट्य अकादमी, लखनऊ रंगमंडल की प्रमुख निर्मला जे चंद्रा ने बताया कि रंगमंडल का दल 6 मार्च को चंडीगढ़ के लिए रवाना होगा। इस दल में कुल 28 सदस्य हैं, जिनमें 20 कलाकार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 8 मार्च को 'कर्ण गाथा' का मंचन होगा, जो गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर के कर्ण कुंती संवाद से प्रेरित है। इस नाटक में शिवाजी सावत के मृत्युंजय और रामधारी सिंह दिनकर की रश्मिरथी के संदर्भों को भी जोड़ा गया है।

आध्यात्मिक मूल्यों की शक्ति को दर्शाती है भगवा त्रिशूल यात्रा :राजेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अंतर्राष्ट्रीय मंदिर प्रबंधक परिषद द्वारा आयोजित भगवा त्रिशूल यात्रा महाकुम्भ होते हुए सोमवार को लखनऊ पहुँची। गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में परिषद द्वारा 'महाकुम्भ 2025' के सफल आयोजन में सरकार और मंदिर प्रबंधकों एवं पदाधिकारियों के सम्मान में एक आभार समारोह आयोजित किया गया।

आभार आयोजन में देशभर के प्रमुख मंदिर प्रबंधक, धर्माचार्य, संत समाज एवं हिंदू संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। भगवा त्रिशूल यात्रा का लखनऊ के विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। आभार आयोजन को सम्बोधित करते हुए परिषद के कार्यकारी अन्तरराष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि भगवा त्रिशूल यात्रा को मिले अपार समर्थन और उत्साहपूर्ण स्वागत के लिए हम सभी

● लखनऊ पहुँची भगवा त्रिशूल यात्रा

धर्मप्रेमी जनों का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। अयोध्या से आई यात्रा इंदिरा नहर से प्रारंभ होकर बीबीडी चौराहा, चिन्हट चौराहा, पॉलीटेक्निक चौराहा, हुसड़िया चौराहा सहित अनेक स्थानों पर हजारों श्रद्धालुओं द्वारा भगवा ध्वज लहराते हुए यात्रा का अभिनंदन किया। राजेश यादव ने कहा कि यह यात्रा दिव्य दृश्य हमारे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों की शक्ति को दर्शाता है। यह दिव्य दृश्य देखकर हृदय गदगद हो उठा जब लखनऊ की धरती पर हजारों श्रद्धालुजन भगवा ध्वज लहराते हुए यात्रा का अभिनंदन करने उमड़ पड़े। यह अपार जनसमर्थन हमारे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों की शक्ति को दर्शाता है। सभी भक्तों, सहयोगियों एवं श्रद्धालुजनों के इस आत्मीय समर्थन के लिए हम सादर नमन एवं धन्यवाद करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवा त्रिशूल यात्रा का उद्देश्य भारत के 120 प्रमुख शिवालयों में त्रिशूल प्रतिष्ठित करना है, जिससे मंदिरों का आधुनिकीकरण और सनातन संस्कृति का पुनर्जागरण हो सके। इसके माध्यम से मंदिरों को डिजिटल बुकिंग, लाइव दर्शन, धार्मिक पर्यटन और प्राचीन धरोहरों के संरक्षण से जोड़ा जा रहा है। यह आभार समारोह उन सभी संतों, धर्मगुरुओं और मंदिर प्रबंधकों के प्रति हमारी श्रद्धा व्यक्त करने का एक प्रयास है, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाया। राष्ट्रीय महामंत्री दीप सिहाग सिसाय ने कहा कि भगवा त्रिशूल यात्रा केवल शिवालयों तक सीमित नहीं, बल्कि यह सनातन संस्कृति की पुर्नस्थापना का एक संकल्प है। हमारा प्रयास है कि मंदिरों को न केवल आस्था के केंद्र के रूप में विकसित किया जाए।

रायशुमारी से विकसित दिल्ली बजट होगा तैयार : रेखा गुप्ता

● 24 से 26 मार्च के बीच पेश होगा बजट, सुझाव के लिए जारी किया वाट्सएप नंबर 9999962025 और ईमेल आईडी viksit-delhibudget-25@delhi.gov.in

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता संवाददाता सम्मेलन में बजट से संबंधित जानकारी साझा करती हुई। फोटो : रंजन डिमरी

संजय राय। नई दिल्ली

दिल्ली की नई सरकार गठन के बाद अब वर्ष 2025-26 का बजट पेश करने की तैयारी तेज हो गई है। बजट 24 से 26 मार्च के बीच भाजपा सरकार रायशुमारी से विकसित दिल्ली बजट पेश करेगी। इस बजट के लिए आम लोगों के सुझाव लेने के वाट्सएप नंबर 9999962025 और ईमेल आईडी viksitdelhibudget-25@delhi.gov.in जारी किया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि वह दिल्ली वालों की सारी आकांक्षाओं की पूर्ति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सभी वर्गों की उन्नति, कल्याण और सर्वांगीण विकास के लिए कृत्य संकल्पित हैं। राष्ट्रीय राजधानी के विकास की रफ्तार को गति देने के लिए उनकी सरकार समाज के सभी वर्गों के सुझावों को शामिल करने का प्रयास करेगी। यह बजट जनता का बजट होगा। जनता से किए गए सभी वायदों को पूरा करेंगे। समय बहुत कम है और काम बहुत ज्यादा है। अभी 10 दिन हुए हैं सरकार बने हुए एक भी दिन की छुट्टी हमारी सरकार ने नहीं की है। शनिवार और रविवार को भी सचिवालय काम कर रहा है। आगे भी सचिवालय इसी तरह तेजी के साथ काम करेगा।

रेखा गुप्ता ने सोमवार को अपने मंत्रिमंडल के साथ विधानसभा परिसर में संवाददता सम्मेलन में बजट से संबंधी विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि आगामी बजट में फोकस के क्षेत्रों में महिलाओं को आर्थिक सहायता, स्वास्थ्य सेवा का विस्तार, सार्वजनिक परिवहन को बढावा, प्रदूषण को कम करना, नौकरियां, शिक्षा की बेहतर व्यवस्था और गरीबों को सस्ता पौष्टिक भोजन, वरिष्ठ नागरिकों का कल्याण, यमुना नदी की सफाई, कल्याणकारी योजना को जारी रखना आदि जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल किये जाएगें । इसी कड़ी में 5 मार्च को विभिन्न महिला संगठनों के साथ बजट पर उनके सुझावों को लेकर संवाद करने का निर्णय लिया गया है। इसके बाद 6 मार्च को व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठन और विभिन्न अलग अलग संगठनों के साथ भी संवाद किया जाएगा ताकि उनसे भी सुझाव लेकर दिल्ली को बेहतर बनाने के कार्यों की रूपरेखा तैयार की जा सके। सरकार के मंत्री और विधायक ग्रामीणों, किसानों, युवाओं, झुग्गीवासियों और नौकरीपेशा लोगों से संवाद करेंगे।

स्वास्थ्य पर कैग रिपोर्ट पीएसी को भेजी गई : सीएम

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी में सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन पर कैग की रिपोर्ट को लेकर सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधा और इसे व्यापक भ्रष्टाचार का पर्दाफाश बताया। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट समीक्षा के लिए लोक लेखा समिति (पीएसी) को भेज दी गई है तथा इसके निष्कर्ष तीन महीने में आने की उम्मीद है। दिल्ली विधानसभा में सोमवार को गुप्ता के संबोधन के दौरान काफी नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला, क्योंकि आप विधायक जरनैल सिंह को कार्यवाही में बाधा डालने के लिए मार्शलों द्वारा बाहर निकाल दिया गया, जिसके बाद आप के सभी विधायकों ने सदन से बहिर्गमन किया।

रोहिणी में डीयू के छात्र की सड़क दुर्घटना में मौत

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के एक छात्र की रोहिणी में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। वह एक समाचार पत्र विक्रेता के रूप में काम करता था। छात्र स्नातक की पढ़ाई कर रहा था और इसका खर्च निकालने के लिए अखबार बांटने का काम करता था।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, मौके पर पहुंचने पर, पुलिस दल को एक टूटी हुई साइकिल मिली और अखबार बिखरे हुए थे। मृतक की पहचान दिल्ली के बुध विहार निवासी रिशाल सिंह के रूप में हुई है। वह एक कॉलेज का छात्र था और सुबह अखबार बांटने का काम करता था।

भाजपा बाकी सीएजी रिपोर्ट पेश करने से पीछे क्यों हट रही : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि 5 दिन के विधानसभा सत्र में सत्ताधारी भाजपा और विपक्ष आम आदमी पार्टी ने दिल्ली वालों के खून पसीने की कमाई को बर्बाद किया है। टकराव की राजनीति के कारण विधानसभा पटल पर शराब घोटाले और स्वास्थ्य संबधी सीएजी रिपोर्ट रखकर भी भाजपा सरकार आम आदमी पार्टी की सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ अभी तक कोई निर्णायक कदम नहीं उठा सकी है और अधिकतर समय दोनों पार्टियों की नूरा कुश्ती में निकल गया। जनता के हित और विकास के लिए कोई भी निर्णय लेने में भाजा सरकार पूरी तरह नाकाम साबित रही है। यादव ने कहा कि जनता को भाजपा द्वारा किए वादों को पूरा होने के लिए अभी इंतजार करना होगा।

निलंबित विधायकों को विधानसभा परिसर खाली करना होगा : विजेंद्र गुप्ता

● नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने दलील दी थी कि नियमावली के तहत, विधानसभा परिसर क्षेत्र निलंबन नियमों के दायरे में नहीं आते हैं

विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता एलजी वीके सक्सेना को धन्यवाद पत्र सौंपते हुए।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को फैसला सुनाया कि किसी भी विधायक को निलंबित या मार्शल के जरिए सदन से बाहर किए जाने पर उसे विधानसभा परिसर पूरी तरह से खाली करना होगा। उन्होंने यह व्यवस्था इस विवाद के बाद दी है कि क्या निलंबित विधायक विधानसभा परिसर के कुछ क्षेत्रों, जैसे लॉन और नेता प्रतिपक्ष के कार्यालय में रह सकते हैं या नहीं।

नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने दलील दी थी कि नियमावली के तहत, विस परिसर क्षेत्र निलंबन नियमों के दायरे में नहीं आते, जिससे विधायक परिसर के भीतर विरोध प्रदर्शन जारी रख सकते थे। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष ने नियम 277 का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि निलंबन का अभिप्राय विधानसभा परिसर से पूर्ण निष्कासन है। गुप्ता ने ऐसे मामलों में विधानसभा अध्यक्ष कार्यालय के क्षेत्राधिकार को और मजबूत करते हुए कहा, अब से, किसी भी विधायक को निलंबित या मार्शल के जरिए बाहर किए जाने पर उसे परिसर छोड़ना होगा। इसके अतिरिक्त, अध्यक्ष विशेष परिस्थितियों में किसी सदस्य का नाम लेने का अधिकार रखते हैं, जैसे अध्यक्ष के निर्देशों का पालन न करना। पूर्व में की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रभावी न होना। सदन की कार्यवाही को बार-बार बाधित करना। एक ही सत्र में बार-बार अनुशासनहीन व्यवहार करना। यदि किसी सदस्य का नाम लिया जाता है, तो सदन में निलंबन प्रस्ताव प्रस्तुत किया जा सकता है, जिसे सदन के नेता, संसदीय कार्य मंत्री, या उनके अभाव में कोई अन्य सदस्य पेश कर सकता है। निलंबन की अवधि निम्नानुसार होगी। पहली बार, तीन बैठकों के लिए। दूसरी बार, सात बैठकों के लिए। तीसरी या अधिक बार, शेष सत्र के लिए (जब तक सदन अन्यथा न निर्णय ले)। साथ ही उन्होंने सदन में शांति और अनुशासन बनाए रखने की अनिवार्यता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सदन की गरिमा को बनाए रखने और विधायी कार्यवाही को निर्बाध रूप से संचालित करने के लिए अध्यक्ष को आवश्यक कदम उठाने का अधिकार है।

इससे पहले विस अध्यक्ष ने सोमवार को उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना का पत्र सदन को पढ़कर सुनाया। सक्सेना ने पत्र में कहा, वह अपने अभिभाषण में उल्लिखित वादों को पूरा करने की दिशा में रचनात्मक कदम उठाने के लिए सदन को बधाई देते हैं। हमें उनके कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए एक मिशन-मोड रणनीति की आवश्यकता है। उन्हें खुशी है कि सरकार ने इन प्रतिबद्धताओं पर काम करना शुरू कर दिया है। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष गुप्ता ने सदन की ओर से एक पत्र भेजकर उपराज्यपाल को औपचारिक रूप से सूचित किया कि उनके अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव 28 फरवरी को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया था।

विस में हंगामा, कैग रिपोर्ट पर भाजपा-आप विधायकों में नोंकझोंक

● अभय वर्मा ने कहा, दिल्ली हमारा मंदिर है और हम इसके पुजारी हैं, खुद को दिल्ली का मालिक कहने वाले कहां है, जनता ने उन्हें यहां बैठने लायक भी छोड़ा

विधान सभा में कैग रिपोर्ट पर चर्चा करते स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा में पहले सत्र के आखिरी दिन की शुरुआत सोमवार को जोरदार हंगामा हुआ। सदन से विपक्षी आम आदमी पार्टी के सदस्यों के तीन दिनों के निष्कासन के बाद सोमवार से उनकी दोबारा वापसी के बाद सत्तापक्ष व विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी नोंकझोंक हुई। स्वास्थ्य मंत्री डॉ पंकज कुमार सिंह ने स्वास्थ्य सेवाओं पर कैग रिपोर्ट के बहाने आम आदमी पार्टी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सीएजी रिपोर्ट ने पिछली सरकार की स्वास्थ्य सेवा के उदासीनता को उजागर किया। साथ ही सुधारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिया। साथ ही कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में दिल्ली सरकार अपनी स्वास्थ्य सेवा को विश्व स्तरीय सुविधा में बदलने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इस पहल के तहत केंद्र सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत अस्पताल सूचना प्रबंधन प्रणाली को लागू करने की तैयारी चल रही है।

पंकज सिंह ने राष्ट्रीय राजधानी में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कैग रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान कहा कि, दिल्ली के स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में कई अनियमितताएं पाई गई हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार, स्वास्थ्य देखभाल संसाधनों के कुप्रबंधन और कोविड-19 महामारी के दौरान केंद्र सरकार के फंड का उपयोग करने में विफलता के लिए पूर्व सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया, जबकि लोग कोरोना महामारी से पीड़ित थे । जब लोग महामारी के दौरान ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए संघर्ष कर रहे थे, तो वे अपना शीशमहल बनाने में व्यस्त थे। आप की असंवेदनशील नीतियों के कारण ऐसा संकट पैदा हुआ कि अस्पताल भी महामारी के दौरान निष्क्रिय हो गए। पूर्व सरकार कि नाकामियों कि वजह से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग वर्तमान में आवश्यकता से 21 फीसदी कम स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ काम कर रहा है। आम आदमी पार्टी सरकार की गलत नीतियों कि वजह से महामारी के दौरान पूरबिया लोगों को दिल्ली छोड़ने पर विवश होना पड़ा। पूर्वांचल के लोगों को बसों में भरकर शहर से बाहर भेज दिया गया।

उन्होंने सीएजी रिपोर्ट के हवाले से बताया कि पूर्व सरकार द्वारा मरीजों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता जांच करने में भी विफल रही। इसके अतिरिक्त, दवाओं की खरीद और वितरण में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। हीमोफीलिया और रेबीज सहित कई महत्वपूर्ण टीके उपलब्ध नहीं थे। दवाएं ब्लैकलिस्टेड कंपनियों से खरीदी गई थीं। आवश्यक दवाओं के लिए 86 अनुबंधों में से केवल 24 को पिछली सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया था। कैग रिपोर्ट के पेज 121 में जिक्र है साल 2016 से 2022 तक दिल्ली सरकार के चार बड़े अस्पतालों लोकनायक जयप्रकाश नारायण, राजीव गांधी कैंसर संस्थान, चाचा नेहरू अस्पताल और जनकपुरी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के हालत बद से बद्तर हो गए थे। वहीं अस्पताल में मातृ शिशु स्वास्थ्य देखभाल के लिए भी कोई ठोस उपाय नहीं किया गया और गर्भवती महिलाओं के आहार की भी उचित व्यवस्था नहीं की गई थी। मंत्री ने दावा किया कि उनकी सरकार सभी निवासियों के लिए गुणवत्तापूर्ण और सुलभ चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित करने एवं पिछले कुप्रबंधन को सुधारने और स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस दौरान भाजपा विधायकों ने आरोप लगाया कि कि पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल नहीं चाहते थे कि सीएजी रिपोर्ट सदन में पेश हो। उन्होंने कहा कि सीएजी रिपोर्ट से आम आदमी पार्टी के पाप की कलई खुल रही है। इस बीच मुस्तफाबाद से बीजेपी विधायक मोहन सिंह बिष्ट सदन की मर्यादा का जिक्र करते हुए आम आदमी पार्टी के सदस्यों पर बिफर गए। बिष्ट ने कहा कि इस सदन की कोई मर्यादा है। यह सदन है कोई मच्छी बाजार नहीं है। उन्होंने आम आदमी पार्टी के विधायकों की तरफ इशारा करते हुए कहा कि यह तुम्हारा सदन नहीं है। हमें दिल्ली वालों ने चुन कर भेजा है। ये प्ले कार्ड दिखाना क्या पटपड़गंज से विधायक रविंद्र सिंह नेगी ने स्वास्थ्य सेवाओं पर कैग रिपोर्ट के बहाने आम आदमी पार्टी को कटघरे में खड़ा किया। अपनी बारी आने पर भारतीय जनता पार्टी के लक्ष्मी नगर से विधायक अभय कुमार वर्मा ने जैसे ही बोलना शुरू किया, विपक्ष की तरफ से किसी ने उन्हें टोका। इस पर उन्होंने पूर्व सीएम का नाम लिए बगैर पूछा कि खुद को दिल्ली का मालिक बताने वाले कहां हैं। अब दिल्ली के सेवक आ गए तो दर्द हो रहा है और मालिक लापता हो गए। वर्मा ने कहा कि दिल्ली हमारा मंदिर है और हम उसके पुजारी हैं। वर्मा यहीं नहीं रुके। उन्होंने आप प्रमुख पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता ने तो उन्हें इस लायक भी नहीं छोड़ा कि वह यहां यानी विधानसभा में भी बैठबै सकें।

आप सरकार का स्वास्थ्य मॉडल देश में था सबसे बेहतर : गोपाल राय

● कहा, राज्य सरकारों के हेल्थ इंडेक्स में दिल्ली पहले स्थान पर है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा के सदन में सोमवार को स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कैग रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक गोपाल राय ने कहा कि कैग की रिपोर्ट में भी स्वीकारा गया है कि देश भर की राज्य सरकारों के स्वास्थ्य मॉडल के इंडेक्स में दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था पहले स्थान पर है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए शानदार कदम उठाए और देश में पहली बार मोहल्ला क्लीनिक खुले। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने लैंड, पब्लिक ऑर्डर और पुलिस को छोड़कर सारे अधिकार चुनी हुई दिल्ली सरकार को दिए थे, लेकिन भाजपा की केंद्र सरकार ने अध्यादेश लाकर इस फैसले को पलट दिया और कानून बना दिया कि दिल्ली सरकार कोई भर्ती नहीं कर सकती। अस्पतालों में स्टाफ की कमी के लिए भाजपा की केंद्र सरकार जिम्मेदार है।

राय ने कहा कि पिछले कई दिनों से सदन सीएजी की रिपोर्ट पर चर्चा कर रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं पर सदन पटल रखी गई कैग रिपोर्ट की मुख्यत: तीन हिस्से हैं। कैग रिपोर्ट के पहले हिस्से में एनसीआर में स्थित स्वास्थ्य सेवाओं का दिल्ली के लोगों पर अनुकूल असर है, उस पर चर्चा की गई है। कैग रिपोर्ट के दूसरे हिस्से में इस बात को रखा गया है कि कैसे लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए अलग-अलग अस्पतालों में खाली पदों को भरा नहीं गया।

छात्र परीक्षा छोड़ बेंगलुरु भागा, मजदूर बना

● पुलिस के अनुसार नाबालिग कनॉट प्लेस स्थित एक प्रतिष्ठित स्कूल के 11वीं कक्षा का है छात्र, उसकी पढ़ाई में रुचि नहीं थी

● तमिलनाडु के कृष्णागिरी क्षेत्र से लड़के को निर्माण स्थल के पास एक झुग्गी से पकड़ा गया : डीसीपी

प्रतीकात्मक फोटो।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रोहिणी जिले में 17 वर्षीय एक लड़का परीक्षा देने से बचने के लिए अपना घर छोड़कर चला गया और 2,000 किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर एक निर्माण स्थल पर एक मजदूर के रूप में काम करने लगा तथा झुग्गी बस्ती में रहने लगा। लड़के के परिजनों ने बुद्ध विहार थाने में 21 फरवरी को उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी।

पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया, लड़का कनॉट प्लेस स्थित एक प्रतिष्ठित स्कूल की 11वीं कक्षा में पढ़ता था और पढ़ने में उसकी बिल्कुल रुचि नहीं थी। जांच से पता चला है कि वह अपनी वार्षिक परीक्षा नहीं देना चाहता था। 21 फरवरी को वह घर से निकला और उसने अपने पिता को संदेश भेजा कि वह घर से जा रहा है और कोई उसकी तलाश न करे। वह लड़का दिल्ली से बेंगलुरु चला गया और वहां एक निर्माण स्थल पर एक मजदूर के रूप में काम करने लगा। मामले की जानकारी मिलने के बाद लड़के की तलाश के लिए कई टीम गठित की गईं। उन्होंने बताया कि इस मामले में अपहरण का पहलू जानने के लिए कई सूत्रों को सक्रिय किया गया। बाद में गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया और तमिलनाडु के कृष्णागिरी क्षेत्र (कर्नाटक-तमिलनाडु सीमा के पास) से लड़के को पकड़ा गया। सिंह ने बताया कि नाबालिग ने बेंगलुरु में एक परिचित व्यक्ति से संपर्क किया था और ट्रेन से वहां पहुंचा था। वह तमिलनाडु और कर्नाटक सीमा के पास एक निर्माण स्थल पर मजदूर के रूप में काम करने लगा था। जब टीम ने उसे खोजा तो वह निर्माण स्थल के पास एक झुग्गी में रह रहा था।

संदीप दीक्षित करें आतिशी संजय सिंह से जानकारी साझा : अदालत

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित को अपने मानहानि मुकदमे से संबंधित दस्तावेज दिल्ली की अदालत ने आम आदमी पार्टी के नेताओं आतिशी और संजय सिंह के साथ साझा करने का सोमवार को निर्देश दिया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने शिकायतकर्ता को यह भी निर्देश दिया कि वह कथित मानहानिकारक बयानों वाली पेन ड्राइव की प्रति भी प्रतिवादियों को सौंपे। पूर्व सीएम आतिशी और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने 26 दिसंबर को दीक्षित पर भाजपा से करोड़ों लेने और कांग्रेस पर आप को हराने के लिए भाजपा के साथ साठगांठ का आरोप लगाया था।

संक्षिप्त समाचार

सीआर पाटिल ने 'संपूर्ण समाधान' का किया विमोचन

नई दिल्ली। राजधानी के कांस्टीट्यूशन क्लब में सोमवार को एक समारोह में केंद्रीय केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने 'संपूर्ण समाधान' पुस्तक का विमोचन किया। राजेंद्र गोयनका द्वारा लिखित और प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक में भारत के ज्वलंत सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर व्यावहारिक और नीति-निर्माण योग्य समाधान प्रस्तुत करती है। इस अवसर पर राम बहादुर राय, क्षिप्रा शुक्ला, डॉ. विजय सोनकर शास्त्री, डॉ. नितिन रमेश गोकरण, डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, कैप्टन एसके द्विवेदी आदि मौजूद थे।

मोटापे की राजधानी बनती जा रही दिल्ली : डॉ. सचिन

नई दिल्ली। मोटापा आधुनिक जीवन शैली और खानपान के चलते दिनों दिन विकराल समस्या का रूप लेती जा रही है। आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में करीब 81 फीसदी लोग मोटापे या अधिक वजन से ग्रस्त हैं। मोटापे से जागरूक करने के लिए मिनिमल एक्सेस स्मार्ट सर्जरी हॉस्पिटल (मैश) ने वर्ल्ड ओबेसिटी डे की पूर्व संध्या पर अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. सचिन अंबेकर, और अस्पताल की सीईओ मानसी बंसल झुनझुनवाला ने मोटापे के कारण, बचाव व इलाज पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। डॉ. अंबेकर ने कहा कि मोटापे से हृदय रोग और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बहुत अधिक बढ़ जाता है। सीईओ, मानसी बंसल झुनझुनवाला ने कहा, हमारा लक्ष्य सिर्फ बीमारी का इलाज करना नहीं, बल्कि उसकी जड़ को खत्म करना है ताकि रोगियों के लिए बीमारी का प्रभाव न्यूनतम हो।

मुठभेड़ के बाद हत्या का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली में प्रेम बाड़ी नाले के पास पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद हत्या के मामले में वांछित एक अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में उसके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि साहिल ने पुलिस टीम पर गोली चलाई, जिसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि साहिल के दाहिने घुटने में गोली लगी और बाद में उसे पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि साहिल और दो अन्य 25 फरवरी को अशोक विहार इलाके में एक फैक्टरी के 45 वर्षीय कैशियर सरोज पाठक की हत्या के मामले में वांछित थे।

यमुना नदी के पुनरुद्धार कार्य में हस्तक्षेप उचित नहीं : हाईकोर्ट

● उच्च न्यायालय ने नदी तल से नर्सरी हटाने की डीडीए की कार्रवाई के खिलाफ दायर याचिका को किया खारिज

कालिंदी कुंज में यमुना की सफाई। (फाइल फोटो)

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्च न्यायालय ने नदी तल से नर्सरी हटाने की डीडीए की कार्रवाई के खिलाफ दायर याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यमुना नदी की स्थिति उस सीमा को पार कर गई है, जहां इसके पुनरुद्धार प्रयासों में किसी भी तरह के हस्तक्षेप को उचित नहीं ठहराया जा सकता।

उच्च न्यायालय ने कहा कि उसे यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि याचिकाकर्ता नर्सरियां अतिक्रमणकारी हैं, जिन्हें किसी भी उद्देश्य के लिए भूमि का इस्तेमाल करने, कब्जा जारी रखने या वैकल्पिक आवंटन का अनुरोध करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। उसने कहा कि मामले में किसी भी तरह का दखल केवल दिल्ली के हरित क्षेत्र को सुरक्षित रखने के लिए विकसित की जा रही सार्वजनिक परियोजनाओं में बाधा डालेगा और इन्हें तय समय में कार्यान्वित होने से रोकेगा। यमुना नदी की मौजूदा स्थिति उस सीमा को पार कर गई है, जहां इसके पुनरुद्धार से जुड़े प्रयासों में किसी भी तरह के हस्तक्षेप-चाहे वह मानवीय या सहानुभूतिपूर्ण कारणों की आड़ में हो-को जायज नहीं ठहराया जा सकता।

न्यायमूर्ति धर्मेश शर्मा ने हाल ही में पारित आदेश में कहा, इस तरह का कोई भी हस्तक्षेप केवल सार्वजनिक परियोजनाओं में बाधा डालेगा और इन्हें तय समय में कार्यान्वित होने से रोकेगा। उच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी दिल्ली मास्टर प्लान-2021 के जोन ओ यानी यमुना डूब क्षेत्र में आने वाले यमुना खादर में सक्रिय एक नर्सरी कल्याण संगठन की याचिका को खारिज करते हुए की।

याचिका में संगठन ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा उनकी नर्सरियों को हटाने और बुलडोजर से सभी पौधों को नष्ट करने की कार्रवाई का विरोध किया था। उसने दावा किया था कि डीडीए ने संगठन के सदस्यों को सुनवाई का मौका दिए बिना और राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के 2019 के निर्देशों के अनुसार भूमि का भौतिक सीमांकन किए बिना ही ध्वस्तीकरण अभियान चलाया।

कन्नौज में पांच साल्वर पकड़े, 164746 ने छोड़ी परीक्षा

प्रयागराज जिले में 9483 ने छोड़ी परीक्षा संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर सख्त नजर

प्रयागराज। यूपी बोर्ड परीक्षा के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में आज कन्नौज जिले में पांच साल्वर पकड़े गए हैं। जबकि 164746 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी है। परीक्षा के दौरान अनुचित साधन का प्रयोग करते एक परीक्षार्थी पकड़ा गया। परीक्षा के दौरान अभी तक अनुचित साधन करते हुए दस परीक्षार्थी और कुल 26 साल्वर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। परीक्षा केंद्रों के औचक निरीक्षण के लिए 350 दस्ते बनाए गए हैं जो प्रतिदिन जिलों में परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं। यूपी के सचिव भगवती सिंह बोर्ड परीक्षा के दौरान संवेदनशील जिलों बलिया गाजीपुर जौनपुर मऊ देवरिया प्रयागराज सहित दो दर्जन जिलों पर मुख्यालय से नजर रखे हुए हैं। वह संबंधित जिलों के डीआईओएस जेडी और अपर सचिव से बराबर संपर्क में रहते हैं। सचिव ने बताया कि किसी भी परीक्षा केन्द्र पर गड़बड़ी मिलने पर सख्त कार्रवाई होगी। एशिया की सबसे बड़ी परीक्षा संस्था यूपी बोर्ड की दसवीं और 12 वीं की परीक्षाएं चल रही है। पहली पाली में आज इंटरमीडिएट की जीव विज्ञान और गणित विषय की परीक्षा हुई है जबकि हाई स्कूल की संस्कृत विषय की परीक्षा हो रही है। गणित विषय की परीक्षा के चलते यूपी बोर्ड का भी आज कड़ा इम्तिहान है। हालांकि नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए यूपी बोर्ड की ओर से कड़े इंतजाम किए गए हैं। प्रयागराज जिले में आज 9483 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी है। राज्य स्तर से लेकर यूपी बोर्ड के मुख्यालय प्रयागराज और जिलों में बनाए गए सीसीटीवी कंट्रोल रूम से परीक्षा केंद्रों की निगरानी की जा रही है। प्रयागराज जिले में बनाए गए 335 परीक्षा केंद्रों पर पहली पाली में 116 670 परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। पहली पाली की परीक्षा सुबह 8रू30 बजे से लेकर पूर्वाह्न 11रू45 बजे तक आयोजित की जा रही है। डीआईओएस प्रयागराज पीएन सिंह ने बताया कि जिले को 8 जोन 8 सुपर जोन और 33 सेक्टरों में बांटा गया है। सुपर जोन में एसडीएम सुपर जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात किए गए हैं। ?आठ जोन में तहसीलदार जोनल मजिस्ट्रेट बनाए गए हैं। जबकि 33 सेक्टर में बीडीओ और नायब हसीलदार को सेक्टर मजिस्ट्रेट बनाया गया है। जिले में बनाए गए 335 परीक्षा केंद्रों पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट और 335 वाह्य केंद्र व्यवस्थापक और 335 केंद्र व्यवस्थापक तैनात किए गए हैं। प्रयागराज के डीआईओएस पी एन सिंह ने बताया कि जिले में शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा आयोजित हो रही है। कहीं से रांग ओपनिंग की कोई खबर नहीं है। उनके मुताबिक उनके दफ्तर में बनाए गए कंट्रोल रूम में 35 अध्यापकों और सहायकों की तैनाती की गई है। जिससे सभी परीक्षा केंद्रों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इसके अलावा जिले में नौ सचल दल भी बनाए गए हैं जो लगातार परीक्षा केंद्रों और निरीक्षण कर रहे हैं। जिले में अब तक नकल विहीन और पारदर्शी ढंग से परीक्षा आयोजित हुई है।

परीक्षा में आज शामिल होंगे 3068078 परीक्षार्थी

प्रयागराज। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि मंगलवार चार मार्च को दोनों पालियों की परीक्षा में 3068078 परीक्षार्थी शामिल होंगे। पहली पाली में हाईस्कूल की परीक्षा में विज्ञान विषय में 2727936 एवं इण्टरमीडिएट के विषय पाली अरबी फारसी लेखाशास्त्र में 60701 परीक्षार्थी अर्थात कुल 2788637 परीक्षार्थी शामिल होंगे। दूसरे पाली की परीक्षा में हाईस्कूल के कृषि में 26190 इण्टर के अर्थशास्त्र विषय में 253251 कुल 279441 परीक्षार्थी शामिल होंगे।इस प्रकार से मंगलवार की हाईस्कूल इण्टर परीक्षा में कुल 3068078 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

मिथिलेशनन्दिनीशरण महाराज का सोनभद्र में आगमन आज

सोनभद्र। धार्मिक आध्यात्मिक दार्शनिक विचारक, व पीठाधीश्वर सिद्ध पीठ श्री हनुमन्निवास अयोध्या धाम के पूज्य संत आचार्य मिथिलेशनन्दिनीशरण महाराज का आगमन मंगलवार को सोनभद्र में होगा। कार्यक्रम की सूचना देते हुए गोष्ठी के संयोजक आलोक कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि 4 मार्च को मिथिलेशनन्दिनीशरण महाराज का आगमन जनपद मुख्यालय स्थित होटल ज्योति इंटरनेशनल में होगा। इसके पूर्व सुकृत, मधुपुर समेत अन्य जगहों पर भक्तों की ओर से मिथिलेशनन्दिनीशरण महाराज के स्वागत किया जायेंगे। आयोजित ग्राम्य संस्कृति, समृद्धि एवं जीवन बोध गोष्ठी में शामिल होने के बाद मिथिलेशनन्दिनीशरण महाराज विंध्य कन्या पीजी कॉलेज उरमौरा पहुंचेंगे यहां पर पत्रकारों से बातचीत करेंगे, तत्पश्चात कॉलेज की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में भाग लेंगे। इसके बाद सोनभद्र के आध्यात्मिक, धार्मिक, पौराणिक एवं प्राकृतिक धरोहर विजयगढ़ दुर्ग, बाबा मछेंद्रनाथ तपोस्थली व अमिला धाम का भ्रमण कर रात्रि विश्राम हेतु सर्किट हाउस पहुंचेंगे, जहां सोनभद्र के स्थापना दिवस पर सर्किट हाउस के सभागार में आयोजित कार्यकम में भाग लेंगे। बुधवार को प्रातःपंचमुखी महादेव का दर्शन कर काशी के लिए प्रस्थान करेंगे।

आयुक्त विंध्याचल मण्डल ने किया फासिल्स पार्क का गहन निरीक्षण

सोनभद्र। विंध्याचल मण्डल मीरजापुर के आयुक्त बाल कृष्ण त्रिपाठी द्वारा सोमवार को जनपद सोनभद्र के फासिल्स पार्क सलखन का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान अमूल्य धरोहर के रूप में फासिल्स पार्क को संरक्षित करने, पर्यटन के दृष्टि से पर्यटको के लिए बेहतर ढंग से विकसित करके पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बिन्दु बनाने के लिए विचार विमर्श किया गया। फासिल्स पार्क को विकसित करने के लिए बेहतर तरीके से कार्ययोजना तैयार करने पर बल दिया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी बी0 एन0 सिंह ने बताया की फासिल्स पार्क के सौन्दर्यीकरण हेतु पर्यटन विभाग द्वारा दो करोड़ की धनराशि की मांग की गयी है। जिसके माध्यम से पर्यटकों के बैठने हेतु दो ग्लोवर, नेचर ट्रेलर, प्रकृति चित्रण केन्द्र, सुरक्षा व्यवस्था के आवश्यक प्रबन्ध, गेट का निर्माण आदि कार्य कराये जाने की कार्ययोजना तैयार की गयी है। फासिल्स पार्क के प्रचार-प्रसार करने हेतु छोटे-छोटे वीडियो क्लीप बनाकर उसे प्रकृति चित्रण केन्द्र में चलाये जायेगा, जिससे कि अधिक से अधिक संख्या में लोग फासिल्स पार्क के इतिहास को जान सकेगें और उसे देखने हेतु जनपद में आयेंगें। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी रोहित यादव, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अश्वनी कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

आबकारी दुकानों के व्यवस्थापन को आवेदन पत्र प्राप्त करने की प्रकिया पूर्ण

अंबेडकर नगर । आबकारी दुकानों के व्यवस्थापन हेतु आवेदन पत्रों के प्राप्त करने की प्रकिया पूर्ण कर ली गयी है। जनपद अम्बेडकरनगर की कुल 172 देशी शराब की दुकानए 81 कम्पोजिट शॉपए 04 मॉडल शाप व 33 भांग की दुकानों के लिए लगभग 4750 आवेदन प्राप्त हुए हैंए जिसकी ई.लाटरी की प्रक्रिया जिला स्तरीय समिति के समक्ष दिनांक 06ण्03ण् 2025 को अपरान्ह 04रू00 बजे से 05रू45 बजे तक कलेक्ट्रेट सभागारध् परिसर में सम्पादित की जायेगी। जिलाधिकारी एजिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष तथा पुलिस अधीक्षकए जिला आबकारी अधिकारी तथा आबकारी आयुक्त द्वारा नामित आबकारी विभाग के एक राजपत्रित अधिकारी सदस्य होगें। इसके साथ.साथ जनपद में ई.लाटरी को निष्पक्षताए पारदर्शिता एवं सुचिता के साथ सम्पादित कराये जाने हेतु प्रांजल यादयए सचिवए सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम को नोडल अधिकारीध्पर्यवेक्षक नामित किया गया हैए जो ई.लाटरी प्रकिया के दौरान उपस्थित रहेंगे। उक्त के सम्बन्ध में आज 03ण्03ण्2025 को अपर मुख्य सचिव ;मुख्यमंत्रीद्ध श्री एस0पी0 गोयल की अध्यक्षता में प्रदेश के समस्त जनपदों के जिलाधिकारीए पुलिस अधीक्षक तथा प्रशासन व पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर ई.लाटरी प्रक्रिया को नियमानुसारए निष्पक्षताए पारदर्शिता एवं सुचिता के साथ सम्पादित कराये जाने के निर्देश दिये गये। ई.लाटरी स्थल के सम्पूर्ण परिसर में केवल आवेदक द्वारा ही प्रवेश किया जायेगा तथा पहचान हेतु आवेदक का ई.लाटरी पोर्टल से निर्गत फोटो युक्त पंजीकरण स्लिप मान्य होगा। प्रत्येक व्यक्ति की नियमानुसार तलाशी की जायेगी ताकि कोई भी व्यक्ति शस्त्र या अन्य असलहा लेकर ई.लाटरी परिसर में प्रवेश न कर सके।

डीएम ने अफसरों से की मंत्रणा

अंबेडकर नगर । जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉण् सदानंद गुप्ता एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ नगर पंचायत अशरफ्मुर किछौछा के कूड़े के डंपिंग ग्राउंड हेतु तहसील जलालपुर के ग्राम पंचायत बनगवा फत्तेपुर में क्रय की गई भूमि का भौतिक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने नगर पंचायत अशरफ्मुर किछौछा से निकलने वाले कूड़े के डंपिंगध् निस्तारण हेतु वर्ष 2018 में क्रय की गई भूमि का प्रयोजनध्उपयोग अब तक नहीं हो पाने से उक्त नगर पंचायत से निकलने वाले कूड़े के डंपिंगध्निस्तारण आ रही समस्याओं के दृष्टिगत संबंधित भूमि का स्थलीय निरीक्षण कर भूमि उपयोग ना हो पाने के कारणों पर उप जिलाधिकारी जलालपुरए तहसीलदार टांडाए अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत अशरफ्मुर किछौछाए संबंधित ग्राम प्रधान सहित अन्य संबंधित अधिकारियों एवं ग्राम वासियों से चर्चा कर परीक्षण किया गया। परीक्षण में पाया गया कि उक्त भूमि नगर पंचायत से लगभग 8 किलोमीटर दूरी पर है एवं उसके पहुंच मार्ग के किनारे घनी आबादी और कई विद्यालय भी संचालित हैं इस पर जिलाधिकारी ने डंपिंग ग्राउंड भूमि की कार्यदारी एवं निर्माण कार्य की जांच कराकरए अनियमितता पाए जाने पर दोषी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही साथ नगर पंचायत किछौछा से निकलने वाले कूड़े के निस्तारणध् डंपिंग ग्राउंड के वैकल्पिक व्यवस्था हेतु उचित स्थान पर ग्राम समाज अथवा निजी भूमिका चयन कर नियमानुसार वहां पर कूड़े का निस्तारण सुनिश्चित किए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर संबंधित लेखपाल भी मौजूद रहे।

श्री कृष्ण के माखन चोरी की लीला देख भाव विभोर हुए भक्त

सोनभद्र। जनपद मुख्यालय स्थित रामलीला मैदान में चल रहे नौ दिवसीय श्री कृष्ण रासलीला के पांचवें दिन भगवान श्रीकृष्ण का गोपियों संग रासलीला, श्री श्याम राधा की सगाई की रस्म व इसके बाद माखनचोरी का भावपूर्ण मंचन वृन्दावन के कलाकारों द्वारा किया गया। विशाखा रमन बिहारी रासलीला मंडल के संचालक स्वामी दाऊ दयाल उपाध्याय के निर्देशन में चल रही श्रीकृष्ण रासलीला में रविवार की रात भगवान श्री कृष्ण कें बचपन की माखन चोरी की अलग-अलग लीलाओं में श्री कृष्ण कैसे गोपियों के घर जाकर माखन चुराया करते थे, दिखाया गया। इस दौरान कान्हा के माखन चुराने की शिकायत लेकन पहुंची गोपियों का मंचन सबसे आकर्षण का केंद्र रहा। इस दौरान एक गोपी कान्हा जी को पकड़कर यशोदा मैया के पास लेकर पहुंचती है, लेकिन भगवान उस गोपी के बेटे का रूप धारण कर लेते हैं। पंडाल में मौजूद दर्शकों ने इस मंचन को देखकर खूब तालियां बजाई।

वीवा क्लब द्वारा टेबल टेनिस टूर्नामेंट का किया गया आयोजन

सोनभद्र। एनटीपीसी विंध्याचल मे वीवा क्लब द्वारा टेबल टेनिस टूर्नामेंट 19 फरवरी से 2 मार्च तक आयोजित किया गया, जिसमें 70 खिलाड़ियों ने पाँच अलग-अलग श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की। इस टूर्नामेंट नें कर्मचारियों और उनके परिवारों के बीच खेल की भावना को बढ़ावा दिया और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। इस रोमांचक फाइनल मैचों में प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति से इसे और भी खास बना दिया, जिनमें संजीब कुमार साहा, डॉ. बी. सी. चतुर्वेदी, वीवा के अध्यक्ष एवं मुख्य महाप्रबंधक राजशेखर पाला, ए. जे. राजकुमार, अतिन कुंडू, एस. पी. शंमुखन, आशीष अग्रवाल, वीवा के उपाध्यक्ष एवं अपर महाप्रबंधक ने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। इस टूर्नामेंट में पुरुष कर्मचारी श्रेणी में वेद प्रकाश ने विजय प्राप्त की, जबकि महिला कर्मचारी और पति-पत्नी श्रेणी में सबिता लोहानी ने जीत दर्ज की। छात्रों के बीच भी उत्साहपूर्ण प्रतिस्पर्धा रही, जहां कक्षा 4 के रौनक राज, कक्षा 5 से 8 के श्रेयंश लोहानी और कक्षा 9 से 12 के मेहुल कुमार ने चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। यह टूर्नामेंट न केवल उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा का गवाह बना, बल्कि इसने खेलों में सक्रिय भागीदारी के महत्व को भी प्रदर्शित किया। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने खिलाड़ियों को टीम वर्क और व्यक्तिगत विकास के प्रति प्रेरित किया। वीवा क्लब के सदस्यों और खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और समर्पण ने इस आयोजन को अद्वितीय और अविस्मरणीय बना दिया।

होली पर्व व अन्य त्यौहारों को सकुशल सम्पन्न कराए जाने की लेकर हुई बैठक

प्रयागराज। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों अपर नगर मजिस्ट्रेट एवं सभी एसीपी को अपने अपने क्षेत्रों में पीस कमेटी के साथ बैठक करने के लिए कहा है। आपसी भाई चारे एवं सौहार्द के साथ मिल जुलकर शांतिपूर्वक त्योहारों को मनाये जाने की अपील की। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में आगामी होली पर्व एवं अन्य त्यौहारों को सकुशल ढंग से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उपस्थित पीस कमेटी के पदाधिकारियों के द्वारा त्यौहारों को सकुशल ढंग से सम्पन्न कराए जाने के सम्बंध में अपने अपने सुझाव दिए गए। जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। बैठक में जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग स्वास्थ्य नगर निगम अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को अपने अपने विभाग की इंटर्नल बैठक कर इसकी सूचना 07 मार्च तक उपलब्ध कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आवश्यक दवाईयों एवं चिकित्सकों की उपस्थिति की व्यवस्था बनाए रखने के लिए कहा है। इसके साथ ही साथ उन्होंने एम्बुलेंस की भी समुचित व्यवस्था बनाये रखने के लिए कहा है। उन्होंने सभी चौराहों पर पुलिस कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने व शराब की दुकानों को निर्धारित समय पर बंद किए जाने के निर्देश दिए है। बैठक में जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में बनाये गये कंट्रोल रूम को क्रियाशील रखने और वहां पर अधिकारियों कर्मचारियों की ड्यूटी शिफ्ट वार लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों अपर नगर मजिस्ट्रेट एवं सभी एसीपी को अपने अपने क्षेत्रों में पीस कमेटी के साथ बैठक करने और सभी होलिका दहन स्थलों का भ्रमण कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नगर निगम एवं जिला पंचायतराज अधिकारी को साफसफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने एवं बिजली विभाग के अधिकारियों को मार्गों पर लटकते हुए तारों को तत्काल ठीक कराये जाने व बिजली तारों के नीचे होलिका दहन स्थल न रहे। सुनिश्चित करने के लिए कहा है। इसके साथ ही साथ विद्युत आपूर्ति की समुचित व्यवस्था एवं जल निगम को पेयजल की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अग्निशमन विभाग के अधिकारियों से फायर टेण्डर को एलर्ट मोड में रखने व मोबाइल दस्ते को क्रियाशील रखकर किसी घटना की स्थिति में क्विक रिस्पांड करने के लिए कहा है। उन्होंने इस अवसर पर ओवर स्पीडिंग रोकने नशे की हालत में वाहन न चलाए जाने और यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाये रखने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने मिलावटी खाद्य पदार्थों पर विशेष निगरानी रखने किसी भी दशा में मिलावटी खाद्य पदार्थ की बिक्री न होने पाए। मिलावटी खाद पदार्थों की बिक्री करने वालो पर कड़ी कार्यवाही करने के लिए कहा है। जिलाधिकारी व अपर पुलिस आयुक्त ने सभी से आपसी भाई चारे एवं सौहार्द के साथ मिल जुलकर शांतिपूर्वक त्योहारों को मनाए जाने की अपील की है। इस अवसर पर अपर पुलिस आयुक्त एन कोलांची सभी डीसीपी अपर जिलाधिकारी के साथ अन्य वरिष्ठ पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी के अलावा पीस कमेटी के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मनाई गई शहीद झूरी बिंद की जयंती

मीरजापुर। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद झूरी बिंद जी की 123 वीं जयंती पर सोमवार को नगर के शहीद झूरी बिंद स्मारक स्थल दो मुहिया तिराहे पर स्मारक समिति द्वारा भव्य पुष्पर्चन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि अपना दल एस की मा0 राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण तथा रसायन उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी ने झूरी बिंद जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें शत शत नमन किया। इस दौरान डॉ श्यामलाल बिंद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बताया कि शहीदों को याद करना सभी भारतीयों का परम धर्म है। आज हम इन्हीं के बलिदान की बदौलत स्वतंत्र एवं उन्मुक्त वातावरण में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनपद के स्वतंत्रता सेनानियों का गौरवशाली इतिहास रहा है। बता दें कि माननीय केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी के आग्रह पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल महोदया ने महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी झुरी बिंद की प्रतिमा का अनावरण किया था। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य आशीष पटेल ने कछवा के पास गंगा नदी पर निर्मित भटौली पुल पर ;बरैनी छोरद्ध महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद झूरी बिंद की स्मृति में ष्स्वतंत्रता संग्राम सेनानी झूरी बिंद स्मृति द्वार का निर्माण कराया है। इस दौरान गरिमामय उपस्थिति में कार्यक्रम बिंद समाज फ्रंडेशन राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर पन्नालाल बिंदए सेवानिवृत्ति डिप्टी कमांडेंट मुरलीधर बिंदए पूर्व मंत्री रामकिशोर बिंदए भारत माता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष रामसागर बिंदए भारत माता पार्टी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुपान चौधरीए संयोजक जिला अध्यक्ष इंजीनियर राम लौटन बिंदए जिला अध्यक्ष गाजीपुर समता बिंदए सह संयोजक इंजीनियर रामनरेश बेलदारए संचालन प्रदेश सचिव रामवृक्ष बिंदए संचालक एडवोकेट कोमल बिंदए डॉ संतोष बिंदए जिला पंचायत सदस्य जिला सचिव श्रीमती राधिका बेलदारए राष्ट्रीय सचिव मेघनाथ पटेलए राष्ट्रीय सचिव चिकित्सा मंच डॉक्टर एसपी पटेलए प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल सिंह पटेलए ब्लॉक प्रमुख इंद्र बहादुर पांडेए पूर्व जिला पंचायत सदस्य राम नारायण बिंदए व्यास बिंदए डॉ महेश बिंद आदि अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहें। उक्त आशय की जानकारीजि जिला मीडिया प्रभारी शंकर सिंह चौहान ने दी।

मीरजापुर में पंचायत चुनाव पूरी मजबूती से लड़ेगी आम आदमी पार्टी

मीरजापुर। आम आदमी पार्टी मिर्जापुर 2026 पंचायत चुनाव पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी आम आदमी पार्टी जिला पंचायत सदस्य क्षेत्रए ग्राम पंचायत सदस्यए एवं ग्राम प्रधान का चुनाव पूरी मजबूती से मिर्जापुर जनपद में लड़ेगी। इसी परिपेक्ष में संगठन की मजबूती के लिए विधानसभा स्तर पर सम्मेलन आयोजित करके ग्राम सभा स्तर पर संगठन मजबूती का कार्य किया जा रहा है । उक्त विचार आम आदमी पार्टी के प्रदेश सचिव काशी प्रांत एवं जिला प्रभारी सोनभद्र सुनील कुमार पांडेय एडवोकेट मिर्जापुर ने मझवा विधानसभा के पडरा हनुमान में आयोजित मझवा विधानसभा कार्यकर्ता सम्मेलन एवं नगर विधानसभा के कोन विकासखंड में पुरजागीर में ब्लॉक स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए व्यक्त किया दोनों सम्मेलनों में सैकड़ो लोगों ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कीए कार्यक्रम में मझवा विधानसभा में संगठन को मजबूत करने के लिए हरिशंकर शर्मा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष एरमेश मौर्य को सचिवए गुलाबचंद मौर्य को वरिष्ठ उपाध्यक्ष मझवा विधानसभा एराम अवध मौर्य को ग्राम पंचायत अध्यक्ष पडरा हनुमानए अखिलेश कुमार कोल को ब्लॉक अध्यक्ष यूथ विंग सिटी विकासखंडए नियुक्त किया गया तथा कोन विकासखंड में विजय कुमार को नगर विधानसभा सचिवए कुटूटूस भाई को ब्लॉक सचिव कोन ब्लॉकए गुड्डू अंसारी को ब्लॉक उपाध्यक्ष एकमला प्रसाद निषाद को ग्राम पंचायत अध्यक्ष चील्ह एसुभाष मौर्य को ब्लॉक सचिवए राम जी गौतम को ब्लॉक उपाध्यक्ष को कोन विकासखंडए रामसागर यादव को ग्राम पंचायत अध्यक्ष का कमासिन एनियुक्त किया गया बैठक को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के प्रदेश सचिव सुनील कुमार पांडे एडवोकेट ने कहा कि आम आदमी पार्टी आगामी 2026 के पंचायत चुनाव में पूरी मजबूती के साथ मिर्जापुर जनपद में चुनाव लड़ेगी पार्टी संगठन को ग्राम सभा तक पहुंचाने के लिए पार्टी विधानसभा सम्मेलन और ब्लॉक सम्मेलन कर रही है आम आदमी पार्टी ग्राम सभा स्तर पर अपने संगठन को मजबूत करके पंचायत चुनाव को मजबूती से लड़ने का कार्य करेगी कार्यक्रम के वरिष्ठ अतिथि आम आदमी पार्टी मिर्जापुर के जिला अध्यक्ष प्रोफेसर बी सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी में जिस तरीके से ग्रामीण अंचलों में नागरिकगण सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं हम उत्तर प्रदेश में एक मजबूत संगठन तैयार करने के साथ मिर्जापुर में एक मजबूत संगठन बनाकर पंचायत चुनाव पूरी मजबूती से लड़ने का कार्य करेंगे।

चांदनी हत्याकांड में दोषी पति को उम्रकैद की सजा

सास, ससुर, देवर व ननद को 3-3 वर्ष की कैद

सोनभद्र। ढाई वर्ष पूर्व दहेज में एक लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर चांदनी उर्फसबा बेगम को जलाकर हत्या करने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी सीएडब्लू, सोनभद्र अर्चना रानी की अदालत ने सोमवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी पति हसनैन को उम्रकैद व 21 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं चार अन्य दोषियों को 3-3 वर्ष की कैद व एक-एक हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक मृतका की मां जैबुन्निशा पत्नी मोहम्मद काशिम निवासी बभनौली, थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र ने पन्नूगंज थाने में 8 जून 2022 को दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसने अपनी बेटी चांदनी उर्फ सबा बेगम की शादी करीब 12 वर्ष पूर्व हसनैन पुत्र बलमू उर्फ अजीमुल्लाह निवासी ग्राम बनौरा थाना पन्नूगंज, जिला सोनभद्र के साथ मुस्लिम रीति रिवाज से किया था। शादी में अपने सामर्थ्य के अनुसार उपहार स्वरूप सामान दिया था। बावजूद इसके दहेज में एक लाख रुपये की मांग को लेकर पति हसनैन ससुर बलमू उर्फअजीमुल्लाह खान सास नजीरन उर्फ नजीर देवर राजू खान उर्फ भद्दी व ननद रोबिना द्वारा प्रताड़ित किया जाने लगा। तथा जलाकर मारने की धमकी दिया जाने लगा। 6 जून 2022 को 12 बजे रात में उनकी बेटी चांदनी उर्फ सबा बेगम फोन कर घटना की जानकारी दी। जब बेटी के ससुराल गए तो वह जली हुई हाल में पड़ी थी। दहेज में एक लाख की मांग पूरी नहीं हुई तो पति ससुर सास देवर व ननद ने बेटी चांदनी उर्फसबा बेगम को जला दिया। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से गम्भीर हालत को देखते हुए वाराणसी रेफर कर दिया गया। बेटी ने घटना की सारी जानकारी दी। इलाज के दौरान बेटी की मौत हो गई। रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया। पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी पति हसनैन को सजा सुनाई। वहीं दोषी ससुर बलमू उर्फअजीमुल्लाह खान सास नजीरन उर्फनजीर, देवर राजू खान उर्फभद्दी व ननद रोबिना को 3-3 वर्ष कैद की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील सत्यप्रकाश त्रिपाठी ने बहस किया।

महाकुंभ की समीक्षा और एक्सपीरियंस शेयरिंग बैठक

प्रयागराज। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे उपेंद्र चंद्र जोशी की अध्यक्षता में महाकुंभ के समापन के उपरांत एक समीक्षा एवं एक्सपीरियंस शेयरिंग बैठक का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक ने सभी उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय एवं प्रयागराज मंडल के सभी अधिकारियों और उनकी संबद्ध टीमों को इस महान आयोजन की सफलता में उनके योगदान के लिए बधाई दी और कहा कि यह आयोजन और इसका विस्तार हमारी अतुलनीय क्षमता का द्योतक है। उन्होंने कहा कि इसकी बड़े विस्तृत स्तर पर पिछले तीन वर्षों में कार्य योजना तैयार की गई और इस मेले की अवधि में उसे बहुत ही सुचारु और सुनियोजित तरीके से लागू भी किया गया। उन्होंने कहा कि उत्तर मध्य रेलवे की टीम ने अन्य रेलवे के सहयोग से ना केवल बड़ी संख्या में विशेष और नियमित ट्रेनों का संचालन किया बल्कि भीड़ प्रबंधन को भी पूर्ण रूप से त्रुटि रहित तरीके से किया। उन्होंने नियमित एवं विशेष गाड़ियों का सुचारु संचालन के लिए सबंधित विभागों विशेष रूप से परिचालन बिजली यांत्रिक और वाणिज्य की सराहना की बल्कि बहुत ही अच्छे अनुरक्षण के लिए संकेत एवं दूर संचार एवं सिविल इंजीनियरिंग को भी बधाई दी। भीड़ प्रबंधन एवं सुरक्षा के लिए रेलवे सुरक्षा बल एवं राजकीय रेलवे पुलिस के सहयोग और आपसी समन्वय को भी उन्होंने सराहा। इसी क्रम में उन्होंने मीडिया प्रबंधन और समय से सूचना के प्रसारण की व्यवस्था के लिए जनसम्पर्क कर्मियों के प्रयासों को प्रभावी बताया। इसी क्रम में मंडल रेल प्रबन्धक प्रयागराज हिमांशु बडोनी एवं मंडल के अन्य अधिकारियों ने सफल प्रबंधन के लिए महाप्रबंधक सहित मुख्यालय के सहयोग और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया। इसी क्रम में रेलवे बोर्ड अन्य ज़ोनों तथा सिविल प्रशासन के साथ अच्छे समन्वय को भी सफलता का आधार बताया। इस दौरान सभी अधिकारियों ने अपने अपने अनुभव और क्या सीखा उसके बारे में बताया। इस दौरान उत्तर मध्य रेलवे के सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष मंडल के सभी शाखा अधिकारी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राजनय का पतन

ट्रंप-जेलेन्स्की टकराव

ओवल आफिस में ट्रंप व जेलेन्स्की के बीच तीखी बहस से वैश्विक राजनीतिक अस्थिरता प्रकट होती है। राष्ट्रपति ट्रंप व यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की के बीच बैठक ने सारी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया और यह व्हाइट हाउस में नाटकीय प्रदर्शन का कारण बनी। सद्भावनापूर्ण अभिवादन से शुरू यह बैठक विस्फोटक आदान-प्रदान में बदल गई जिससे विश्व मंच पर जेलेन्स्की को अपमानित होना पड़ा, हालांकि उनके इस विरोधी दृष्टिकोण के कारण यूरोपीय नेताओं का समर्थन भी मिला। यह टकराव जनवरी में ट्रंप की सत्ता में वापसी के बाद ट्रंप और जेलेन्स्की के बीच पहली व्यक्तिगत बैठक में सामने आया। शुरुआती मुस्कारहट और हाथ मिलाना जल्द ही गरमागरम बहस में बदल गया क्योंकि अमेरिकी उप-राष्ट्रपति जेडी वांस ने वर्तमान समय में जारी रूस-यूक्रेन टकराव के राजनयिक समाधान पर जोर दिया। वांस की टिप्पणी में एक मूल बिंदु निहित था कि युद्ध को समाप्त करने के लिए गंभीर राजनय की जरूरत है। इसमें ट्रंप के पहले के प्रशासनों के दृष्टिकोण का निषेध भी अंतर्निहित था। लेकिन संवाद के दौरान जेलेन्स्की ने क्रीमिया पर कब्जे तथा बाद में सैनिक संघर्ष के दौरान निष्क्रियता के लंबे इतिहास का स्पष्ट उल्लेख किया जिसका ट्रंप ने जोरदार खंडन किया। इसके बाद तेजी से बहसबाजी में ट्रंप ने जेलेन्स्की की आलोचनाओं को खारिज करते हुए उनको अमेरिका द्वारा दिए मजबूत समर्थन की बात करते हुए तर्क दिया कि इस सहायता के बिना यूक्रेन का प्रतिरोध कुछ ही दिनों में समाप्त हो सकता था।

लेकिन आक्रामक शैली तथा बहुत से लोगों की नजर में सार्वजनिक अपमान के बावजूद जेलेन्स्की का प्रतिरोध ओवल आफिस की सीमाओं से बहुत दूर तक सुनाई पड़ा। ट्रंप की गैर-परंपरागत शैली तथा आक्रामक लफ्फाजी ने अनेक यूरोपीय नीति निर्माताओं को उनसे और दूर कर दिया। इसमें जेलेन्स्की का विद्रोही दृष्टिकोण उनकी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का प्रतीक बन गया। लंबे समय से ट्रंप की उकसाऊ राजनय की आलोचना करने वालों ने इसे एक प्रमाण की तरह देखा कि अमेरिका के बड़बोलेपन की तुलना में यूक्रेन को अपनी गरिमा पर जोर देना जरूरी था। इसके साथ ही ट्रंप की कठोर सोशल मीडिया पोस्ट ने मांग की कि जेलेन्स्की 'शांति के लिए तैयार होने पर वापस आएं।' इसने न केवल राजनीतिक मंच पर नाटकीय क्षण का काम किया, बल्कि इससे यूक्रेन के समर्थन में यूरोपीय एकजुटता मजबूत हुई। जेलेन्स्की ने झुकने से इनकार कर अपने देश के और अंतराष्ट्रीय समर्थकों को शक्तिशाली संदेश दिया। जेलेन्स्की की अमेरिका यात्रा से यूक्रेन की लेनदेन की स्थिति मजबूत होगी तथा रूसी आक्रमण के जवाब में ज्यादा समन्वित प्रयास सुनिश्चित होगा। ट्रंप की वापसी ने अनुमान से परे राजनय को जन्म दिया है जिससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय में गहरे विभाजन स्पष्ट होते हैं। उनकी चीजों को एकदम खारिज करने तथा टकराव वाली रणनीतियों से परंपरागत अमेरिकी राजनयिक चैनलों की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा है। इससे लंबे समय से स्थापित गठबंधन अस्थिर हुए हैं। इसके उलट यूरोप की प्रतिक्रिया एक ऐसा केन्द्र बनाती है जो ज्यादा सुनियोजित, सामूहिक प्रतिक्रिया पर आधारित तथा एकपक्षीय दबावों के बजाय बहुपक्षीय संबंधों को प्राथमिकता देता है। यह भिन्नता भविष्य में वैश्विक टकरावों से निपटने के तरीकों में परिवर्तन कर सकती है तथा 'लंबी चौड़ी बातों' के बजाय व्यावहारिक व गठबंधन-आधारित रणनीतियों को पैदा कर सकती है। ओवल आफिस में हुआ टकराव वर्तमान यूक्रेन युद्ध में एक विशिष्ट क्षण के रूप में याद किया जा सकता है। यह अमेरिकन विदेश नीति के विकास में भी महत्वपूर्ण क्षण हो सकता है।

निर्वनीकरण का कारक कानून

आदिवासियों की आजीविका को सुरक्षित करने के अपने नेक इरादे के बावजूद, वन अधिकार अधिनियम ने अनजाने में बड़े पैमाने पर वनों की कटाई और व्यापक अतिक्रमण का रास्ता खोल दिया है

बी के सिंह
(लेखक, भारतीय वन सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं)

यह कानून व्यक्तिगत आदिवासी या वनवासियों को निर्धारित कटऑफ तिथि पर उनके कब्जे के तहत वन भूमि के उपयोग पर अधिकार प्रदान करने के लिए बनाया गया है। व्यक्तिगत अधिकारों के अलावा, बीड़ी के पत्तों, लघु वनोपजों, चराई, मछली पकड़ने आदि जैसे उपभोग के लाभों के लिए कुछ जंगलों पर सामुदायिक अधिकारों का भी प्रावधान है और समुदायों को वन संसाधनों के सतत प्रबंधन के लिए अधिकार भी प्रदान किए जा सकते हैं। लेकिन अधिकार तभी दिए जा सकते हैं जब वे वास्तव में वन भूमि के कब्जे में हों या आदिवासियों के लिए 13-12-2005 को या उससे पहले और अन्य पारंपरिक वनवासियों (ओटीएफडी) के लिए इस तिथि से तीन पीढ़ियों (75 वर्ष) पहले से वन भूमि के उपभोग का आनंद ले रहे हों या वन संसाधनों का सतत प्रबंधन कर रहे हों। वन अधिकारियों, संरक्षणवादियों और पर्यावरणविदों के विरोध के बावजूद वामपंथी दलों के समर्थन वाली यूपीए सरकार ने 2005 में कानून बनाया।

इसके बाद नियमों को अधिसूचित किया गया और 1 जनवरी, 2008 से इसे लागू किया गया। दीपक सरमाह, जो मेरी सेवानिवृत्ति के बाद कर्नाटक वन विभाग के प्रमुख के रूप में मेरे उत्तराधिकारी बने, ने अपनी पुस्तक, फॉरेस्ट्स ऑफ कर्नाटक - व्हाई एंड हाउ ऑफ व्हेयर दे आर के पृष्ठ 154 पर लिखा है, वन (संरक्षण) अधिनियम के कार्यान्वयन के कारण वन समेकन के माध्यम से 1980 के दशक से जंगलों में जो लाभ अर्जित हुए थे, वे वन अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप समाप्त हो गए प्रतीत होते हैं। वनों के विखंडन और हानि के अशुभ संकेत कई राज्यों में पहले से ही देखे जा सकते हैं, जैसा कि भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून द्वारा प्रकाशित द्विवार्षिक भारत वन स्थिति रिपोर्ट से स्पष्ट है। लगभग एक दशक में एक स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी लेकिन तब तक नुकसान की भरपाई करने में बहुत देर हो चुकी होगी। वनपाल अकेले पेड़ों की अनधिकृत कटाई और वनों के विनाश को नहीं रोक सकते। ग्रामीण लकड़ी जलाने के लिए आग लगाते हैं और जमीन हड़प लेते हैं। स्थानीय नेताओं के समर्थन से जंगलों पर लगातार अतिक्रमण हो रहा है। यहां तक कि अगर पुलिस की मौजूदगी सुनिश्चित की जाती है और अतिक्रमण हटाते समय समुदाय के प्रतिरोध को बुलडोजर से कुचल दिया जाता है, तो भी समस्या फिर से उभर आती है और जमीनें फिर से हड़प ली जाती हैं। जब जमीन पर पेड़ नहीं उगते तो राजनीतिक नेता खेती हटाने पर सवाल उठाते हैं। नए लगाए गए पौधों को नुकसान पहुंचाया जाता है और वन क्षेत्र पर फिर से अतिक्रमण हो जाता है। 25 अक्टूबर 1980 तक, जब वन (संरक्षण) अधिनियम लागू हुआ, व्यावहारिक रूप से सभी अतिक्रमण पहले ही केंद्र सरकार द्वारा नियमित कर दिए गए थे।

यह अधिनियम 13-12-2005 की नई कटऑफ तारीख के साथ 2008 से लागू था। यह केवल वोट बैंक था, ओटीएफडी को कानून से लाभ पहुंचाने के लिए लाया गया था, हालांकि 25 अक्टूबर 1980 तक उनके अतिक्रमण को नियमित कर दिया गया था। यह समझा जा सकता है कि ओटीएफडी के पास नई कटऑफ तारीख पर एक पीढ़ी से अधिक पुराना अतिक्रमण नहीं हो सकता है, फिर भी उनके लिए वन विनाश का बाढ़ का द्वार खोल दिया गया। देश की पारिस्थितिक सुरक्षा के लिए कोई विचार किए बिना, ओटीएफडी ने उत्पात मचाया, ताजा पेड़ों की वृद्धि को साफ कर दिया, जमीनों पर कब्जा कर लिया और अधिकारों का दावा किया। जनजातीय मामलों के मंत्रालय, कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी ने राज्यों की प्रगति की निगरानी के लिए कई समीक्षाएं कीं, दावे के समर्थन में भरोसा किए जाने वाले साक्ष्य के बीच उपग्रह इमेजरी व्याख्या के एकमात्र वैज्ञानिक प्रमाण को नजरअंदाज करने के लिए 2012 में प्रावधानों को और कमजोर कर दिया वामपंथी ताकतों और गैर सरकारी संगठनों ने व्यक्तिगत वन अधिकार (आईएफआर), सामुदायिक वन अधिकार (सीएफआर) और वन संसाधनों को स्थायी रूप से प्रबंधित करने के अधिकारों के दावे के मामलों के लिए लड़ाई लड़ी। इसने वनों की कटाई में तेजी ला दी है।

2.2 मिलियन आदिवासियों और ओटीएफडी को आईएफआर पहले ही प्रदान किए जा चुके हैं, जो लगभग 5 मिलियन हेक्टेयर वन भूमि को कवर करते हैं। कई कार्यकर्ताओं ने समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में लेख लिखे हैं, जिनमें आईएफआर के अनुदान पर संतोषजनक प्रदर्शन दिखाया गया है और राज्यों को सुझाव दिया है कि वे अपना ध्यान सीएफआर और स्थायी प्रबंधन के लिए वन अधिकारों के अनुदान पर केंद्रित करें ताकि उन प्रावधानों का लाभ उठाया जा सके, जिन्हें राज्यों द्वारा अब तक नजरअंदाज किया गया है। कार्यकर्ताओं का अनुमान है कि 30 मिलियन हेक्टेयर वन भूमि, जो कुल वन क्षेत्र का 40 प्रतिशत से अधिक है, सीएफआर और स्थायी प्रबंधन के लिए दी जा सकती है। वे आगे तर्क देते हैं कि यदि ऐसा किया जाता है हैदराबाद में स्थानीय प्रेस ने हाल ही में बताया है कि 2022-23 में सात लाख एकड़ जंगल पर कब्ज़ा कर लिया गया है और 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले तेलंगाना में आदिवासियों के लिए चार लाख एकड़ से ज़्यादा के दावों को मंजूरी दी गई है। राज्य की मशीनरी ने संबंधित प्रभागीय वन अधिकारी की रिपोर्ट को नज़रअंदाज़ करते हुए दावों को स्वीकार कर लिया है। हैदराबाद में नेचर फ्रेंड्स एनवायरनमेंटल डेवलपमेंट सोसाइटी के जे रमेश ने राज्य पर आरोप लगाया कि वह अयोग्य व्यक्तियों के अधिकारों को मान्यता देने के लिए अधिकारियों पर दबाव डाल रहा है, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर वनों की कटाई हुई और इस तरह अभूतपूर्व पैमाने पर घोटाला हुआ।

राजमुंदरी (आंध्र प्रदेश) के रामपचोड़ावरम वन प्रभाग से ऐसी खबरें हैं कि जनजातीय विभाग के अधिकारी पैसे के लिए पापिकोंडा राष्ट्रीय उद्यान में अधिकार प्रदान कर रहे हैं। एक सेवानिवृत्त आईएफएस एम पद्मनाबा रेड्डी ने घोटाले के लिए एक जनहित याचिका दायर की है। फरवरी 2019 में, लोकसभा चुनावों से ठीक पहले, राज्यों ने खारिज किए गए आईएफआर दावों को बेदखल करने के अपने आदेश की समीक्षा करने और उन्हें फिर से सत्यापित करने की अनुमति देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। अदालत ने इसे स्वीकार कर लिया, लेकिन अभी तक राज्यों ने निष्कर्ष नहीं निकाला है और नए दावों को स्वीकार करना जारी रखा है। यह आगे क्या संकेत देता है? अधिनियम ने दावे दायर करने के लिए असीमित समय प्रदान किया है और वनों की कटाई और भूमि को जोतना जारी रह सकता है। देश की पारिस्थितिक सुरक्षा को लेकर किसी को कोई चिंता नहीं है। यह समझा जाना चाहिए कि सभी खारिज किए गए दावेदार वन भूमि पर कब्जे में हैं, जहां वे पहले से ही वनों की कटाई और क्षेत्र को साफ करने में सफल रहे हैं एकमात्र स्थान जहां सीएफआर और वनों के स्थायी प्रबंधन के अधिकार दिए गए हैं, वह महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला है। एफआरए 2006 की धारा 3-1 (द्व) यहां प्रासंगिक है, जहां ग्राम सभा के उन गांवों को अधिकार दिए जा सकते हैं जिनके पास क्षेत्र को स्थायी रूप से प्रबंधित करने का अनुभव है। इसके अलावा अधिकार देने के लिए अधिनियम की धारा 4 (3) की आवश्यकता भी आवश्यक है यानी आदिवासियों के लिए उनके पास 13-12-2005 तक और ओटीएफडी के लिए इस तारीख से 75 साल पहले का संसाधन होना चाहिए। गढ़चिरौली की कई ग्राम सभाओं में दोनों प्रावधानों की अनदेखी कर प्रबंधन के अधिकार दिए गए हैं। देश भर में कार्यकर्ता इस उदाहरण को ले रहे हैं और इसे दोहराने के लिए दबाव बना रहे हैं। लेखों और पत्रों में इसका बार-बार हवाला दिया गया है। ये लेखक जो छिपा रहे हैं वह है वनों का विनाश। ग्राम सभाओं के स्थायी प्रबंधन के लिए दिए गए वन क्षेत्र तबाह, खराब और खंडित हो गए हैं। मेधा लेखा ग्राम सभा में बांस के जंगलों के कुछ हिस्से हैं, जहां 2012 में एक ही झटके में सभी बांस के झुरमुट साफ कर दिए गए थे। वन अधिकारियों को क्षेत्र में प्रवेश करने से शारीरिक रूप से रोका गया था।

बांस ने साफ महसूस करने पर अच्छी प्रतिक्रिया नहीं दी है। ताजा पुनर्जनन झाड़ीदार है और कोई भी उपयोगी बांस का तना नहीं देता है। जब इसका प्रबंधन वन विभाग द्वारा किया जाता था, तब हर चार साल में कुछ तना मिलता था। मेधा लेखा ग्राम सभा का प्रबंधन टिकाऊ नहीं रहा है और इस क्षेत्र में 2016, 2020 और 2024 में कोई तना नहीं मिला है। माधा लेखा से संकेत लेते हुए, अन्य ग्राम सभाओं ने भी स्पष्ट कटाई और संसाधन का अति-दोहन शुरू कर दिया है।

इसके अलावा, बिक्री आय से प्राप्त राजस्व को नए पुनर्जनन गतिविधियों के लिए वापस नहीं लगाया गया है और प्रबंधन पूरी तरह से अस्थिर हो गया है।

ग्रामीण व समग्र विकास केंद्रित बजट

केशव प्रसाद मौर्य
(लेखक, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री हैं)

उत्तर प्रदेश में भाजपा की 'डबुल इंजन' सरकार द्वारा पेश बजट ढांचागत संरचना मजबूत करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास को और गति देगा। राज्य सरकार ने 8,08,736 करोड़ रुपये का विशाल बजट पेश किया है जो राज्य के सर्वांगीण विकास तथा सरकार के समावेशी व दूरगामी दृष्टिकोण को प्रकट करता है। इसमें गरीबों, वंचितों, युवाओं, महिला सशक्तीकरण और अन्नदाताओं पर जोर दिया गया है।

यह बजट पिछले साल की तुलना में 9.8 प्रतिशत अधिक है जिससे सरकार का विकास-समर्थक एजेंडा स्पष्ट होता है। प्रधानमंत्री के विकसित भारत दृष्टिकोण के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों पर खास जोर दिया गया है। राज्य में अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार ग्रामीण क्षेत्र है और सरकार लगातार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि योजनाओं का लाभ समाज के वंचित वर्गों तक पहुंचे। आत्मनिर्भरता के सिद्धान्त में विश्वास के चलते सरकार ने गांवों के विकास को इस प्रकार मजबूत किया है कि उससे आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिले क्योंकि वे मजबूत उत्तर प्रदेश बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। जहां राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन-यूपीएसआरएलएम के अंतर्गत 96 लाख से अधिक परिवारों को लाभ हुआ है, वहीं दूसरी ओर 39,556 बैंकिंग करेस्पांडेंट सखियों के माध्यम से 31,103 करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ है। अब तक दो लाख से अधिक महिलायें 'लखपति दीदी' बन गई हैं जिससे आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला है। उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने गरीबों को पक्के घर देने का वादा पूरा किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' दृष्टिकोण को पूरा करते हुए राज्य सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप 3.6 मिलियन से अधिक घर बनाए हैं। इस लक्ष्य को और गति देने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के बजट में 4,882 करोड़ रुपये का प्राविधान किया गया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत 1,200 करोड़ रुपये का प्रस्ताव किया गया है। प्रधानमंत्री के गतिशील नेतृत्व ने जहां गरीबों के सिर पर छत सुनिश्चित की है, वहीं राज्य की अर्थव्यवस्था भी इससे फल-फूल रही है। सरकार के प्रयासों ने सुनिश्चित किया है कि राज्य की आर्थिक वृद्धि दर 11.6 प्रतिशत दर्ज हो जो राष्ट्रीय जीडीपी वृद्धि दर 9.6 प्रतिशत से अधिक है।

एक समय 'बीमारू' राज्य माने जाने वाले प्रदेश में सकल घरेलू उत्पाद-जीएसडीपी के बढ़ कर 27.51 लाख करोड़ तक पहुंचने की आशा है जो 2017-18 की तुलना में दूना है। इस गतिशीलता से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के अगले वित्त वर्ष में 30 लाख करोड़ तक पहुंचने की आशा है जो राज्य को एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने में व्यापक सहयोग करेगी। ढांचागत संरचना मजबूत करने के साथ ही उत्तर प्रदेश अब परिवहन क्षेत्र में क्रांति भी देख रहा है। सड़क कनेक्टिविटी तथा राजमार्ग विस्तार को देखते हुए उत्तर-दक्षिण कॉरीडोर योजना का क्रियान्वयन हो रहा है। इसके अंतर्गत सड़कों के चौड़ीकरण तथा निर्माण के लिए 200 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है। सड़कें चौड़ी करने के लिए 2,900 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही पुलों और रेलवे ओवरब्रिजों के निर्माण के लिए 1,450 करोड़ का प्राविधान किया गया है। इस अविश्वसनीय प्रगति से युवाओं का सशक्तीकरण तथा रोजगार सृजन पर ध्यान दिया गया है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमिता विकास योजना के अंतर्गत 1,000 करोड़ रुपये का बजट आबंटित किया गया है। स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के अंतर्गत 49.86 लाख स्मार्टफोन-टेबलेट स्मार्ट शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए बांटे जा चुके हैं।

अभ्युदय योजना के अंतर्गत युवाओं को मुफ्त कोचिंग दी जा रही है। नवीकरणीय ऊर्जा और कृत्रिम बुद्धि-एआई पर यह सुनिश्चित करने के लिए खास जोर दिया जा रहा है कि युवा पीछे न छूट जांए। लखनऊ में 'आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस सिटी' बनाने के साथ ही 500 मेगावाट सोलर प्लांट बनाने की योजना है जिस पर शुरुआती खर्च 2,500 करोड़ रुपये आएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों की बेहतरी पर खास जोर दिया है और वे चाहते हैं कि इस बदलते हुए समय में वे पीछे न छूटने पाएं। इस दृष्टिकोण से अन्नदाताओं को 'विकसित भारत' के लक्ष्य में प्राथमिकता सूची में रखा गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों को 79,500 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं। राज्य की गन्ना उत्पादन क्षमता भी प्रति हेक्टर 72 टन से बढ़ कर 85 टन हो गई है जिससे किसानों की आमदनी बढ़ी है। हाल ही में पेश बजट न केवल राज्य के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा, बल्कि यह ग्रामीण भारत में परिवर्तन भी करेगा। सड़कों से डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, किसानों से उद्योग तथा महिला सशक्तीकरण से लेकर नौजवानों का उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करने वाला यह बजट समाज के हर वर्ग की आवश्यकतायें पूरी करेगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना तथा अन्य योजनाओं का उद्देश्य जहां ग्रामीण अर्थव्यवस्था व ढांचागत संरचना मजबूत करना है, वहीं उत्तर प्रदेश तेजी से आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा करने की ओर आगे बढ़ रहा है। मुझे विश्वास है कि यह बजट उत्तर प्रदेश के 'विकास और प्रगति' का दृष्टिकोण आगे बढ़ाएगा तथा राज्य को देश में सर्वाधिक विकसित राज्य के महत्वपूर्ण दर्जे तक आगे ले जाएगा।

आप की बात

दिल्ली पर कैग रिपोर्ट

भारत के महालेखाकार यानी कैग की रिपोर्टों का लंबा इतिहास रहा है। इसने कई बड़े घोटाले और आर्थिक हेरा फेरी का पर्दाफाश किया है। दिल्ली सरकार ने कैग की रिपोर्ट को दबा लिया था और सदन के पटल पर नहीं रखा, अब बीजेपी सरकार ने उसे सदन के पटल पर रखा तो कट्टर ईमानदार केजरीवाल के सारे काले कारनामे सामने आ गए। रिपोर्ट के अनुसार, 2017-18 से 2020-21 के बीच शराब नीति में बदलाव के कारण सरकार को करीब 2,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआण् यह पहली बार नहीं है जब कैग रिपोर्ट को लेकर कई सरकारों को सफाई देनी पड़ी या राजनीतिक संकट का सामना करना पड़ा। कैग की दूसरी रिपोर्ट में दिल्ली की पिछली आम आदमी पार्टी-आप सरकार के दौरान अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिक में गड़बड़ियों और धांधलियों का दावा किया गया है। इसके अनुसार 18 मोहल्ला क्लीनिकों में थर्मामीटर तक नहीं है, 45 मोहल्ला क्लीनिकों में एक्सरे व्यूअर नहीं है तथा 21 मोहल्ला क्लीनिकों में पल्स ऑक्सीमीटर नहीं हैं। शराब कांड से लेकर शीश महल तक जिस तरह शासकीय राजस्व का दुरुपयोग किया गया, यह सब कुछ दिल्ली की जनता जान चुकी है। अब कैग की इस रिपोर्ट पर नव-नियुक्त सरकार को सख्त कार्रवाई कर केजरीवाल समेत सभी दोषियों की जमानतें रद्द करवा कर उनको जेल भेजा जाना चाहिए।

सुभाष बुडावन वाला, रतलाम

ट्रंप-जेलेंस्की मुलाकात

ट्रंप और ज़ेलेंस्की की मुलाक़ात का कई लोगों को बेसब्री से इंतज़ार था विशेषकर पश्चिमी देश इस उच्चस्तरीय बैठक में विशेष रुचि रखते थे। परंतु यह मुलाक़ात न केवल अचानक समाप्त हो गयी बल्कि बेनतीजा भी रही। इस बैठक के बाद विश्व के नेता 2 धड़ों में बँटे नज़र आ रहे है व कूटनीतिक क्षेत्र में ट्रंप व उप-राष्ट्रपति जेडी बेंस की आलोचना भी हो रही है। जहाँ अमेरिका ने एक मेहमान देश के राष्ट्रपति की न केवल मीडिया के सामने आलोचना की अपितु उपराष्ट्रपति जेडी बेंस ने उन्हें बीच में टोका भी।, जिसपर यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि आप तेज बोलकर मुझे दबा नहीं सकते। ज़ेलेंस्की ने यूक्रेन में सुरक्षा गारंटी और स्थायी शांति की आवश्यकता पर बल देते हुए पीछे हटने से इनकार कर दिया है। ट्रंप ने चुनाव अभियान में वादा किया था कि वे राष्ट्रपति बनते ही यूक्रेन युद्ध रुकवा देंगे। वह इसे तीसरे विश्वयुद्ध के ख़तरे के रुप में भी देखते हैं । उनका मानना है कि किसी भी समझौते पर पहुँचने के लिए दोनों के साथ अमेरिका का होना आवश्यक है। लेकिन ट्रंप व जेलेंस्की के बीच टकराव की इस घटना ने अमेरिका-युक्रेन संबंधों के भविष्य और रूस के साथ चल रहे संघर्ष को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस संबंध में अब यूरोपीय देशों ने एक शांति प्रस्ताव तैयार किया है, ऐसे में उसके भविष्य पर नजर बनी रहेगी।

पुनीत अरोड़ा, मेरठ

परिवारवादी राजनीति का अंत

आजकल राजनीतिक दलों में आत्मचिंतन का दौर चल रहा है। लोकसभा और विधानसभा चुनावों में आशा के अनुरूप प्रदर्शन न होने के कारण राजनीतिक दलों के दिग्गजों का चिंतित होना स्वाभाविक है। इस कड़ी में उत्तर प्रदेश और देश की राजनीति में ख़ासा दखल रखने वाली बहुजन समाज पार्टी आजकल हाशिये पर है तथा इसे पुनर्जीवित करने की कवायद में बसपा सुप्रीमों संगठन में फेरबदल कर रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने घोषित उत्तराधिकारी आकाश आनंद को बसपा के सभी पदों से हटा दिया। वस्तुस्थिति यह है कि लोकतंत्र में व्यक्तिवादी राजनीतिक दलों के दिन लद चुके हैं। आम आदमी का परिवारवादी दलों से मोह भंग हो चुका है। जातीय और धार्मिक क्षत्रपों को मतदाता झुठलाने लगा है। यदि ऐसा न होता तो स्थान स्थान पर कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और बसपा की इतनी दुर्गति न होती। ऐसा प्रतीत होता है कि जातीय और धार्मिक गठबंधन का नाम लेकर जनता को गुमराह करने वाले राजनीतिक दलों को नए सिरे से कल्याणकारी नीतियों के संदर्भ में चिंतन करना अनिवार्य हो गया है। राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र के लिए व्यक्तिगत और पारिवारिक मोह से उबरने पर ही व्यक्तिवादी दल अपना अस्तित्व बचाने में समर्थ हो सकते हैं अन्यथा उनका पतन निश्चित है ही। यह परिवर्तन भारत की राजनीति व भावी प्रगति के लिए शुभ है।

सुधाकर आशावादी, मेरठ

काम के घंटे

पिछले कुछ महीनों से चर्चा हो रही है कि देश को विकसित बनाने के लिए हम सब को सप्ताह में 90 घंटा काम करना चाहिए। इनफ़ोसिस के नारायण मूर्ति के बाद लार्सन एंड टूब्रो के सुब्रह्मण्यन ने भी ऐसा ही सुझाव दे डाला। अब मैदान में भारतीय नौकरशाह और नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कान्त ने कह दिया कि भारत को 4 ट्रिलियन डॉलर से 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए कड़ी मेहनत की जरूरत है। उन्होंने कहा मैं कड़ी मेहनत पर भरोसा करता हूं। चाहे यह सप्ताह में 80 घंटे हो या 90 घंटे। उल्लेखनीय है कि 1916 में ही यूनाइटेड स्टेट्स एडम्सन एक्ट ने रेलकर्मियों के लिए ओवरटाइम हेतु अतिरिक्त वेतन के साथ आठ घंटे का कार्यदिवस तय किया था। यह पहला संघीय कानून था जिसने निजी कंपनियों में श्रमिकों के घंटों को विनियमित किया। विज्ञान और तकनीक ने श्रम उत्पादकता में असाधारण वृद्धि की है जिसके चलते कम समय में काम कर कामगार ज्यादा उत्पादन कर सकते हैं। इसे देखते हुए काम के 6 घंटे तय होने चाहिए तथा ऊपर बैठे लोगों पर लगाम लगनी चाहिए।

जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

लालगंज रायबरेली हाईवे बरस बाजार पर दुर्घटना में पांच की मौत, छह घायल

संवाददाता। लालगंज, रायबरेली

लालगंज रायबरेली नेशनल हाईवे पर बरस बाजार के सामने हुई भीषण दुर्घटना में 5लोगों की मौत हो गई और 6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। चार लोगों की मौके पर ही और एक युवक की दौरान इलाज एम्स अस्पताल में मौत हुई है। मृतकों में तीन की अभी तक शिनाख्त नहीं हुई है। 5 मृतकों में से महेश खेडा लालगंज निवासी ऑटो चालक रजनीश शर्मा और एकौनी निवासी निगम बेडिया की पहचान हो गई है।

घटनास्थल से मिली जानकारी के अनुसार लालगंज नगर के महेशखेडा निवासी ऑटो चालक रजनीश उर्फ मोनू शर्मा(28) पुत्र उमाशंकर अपने ऑटो में 10 सवारियां लेकर लालगंज से रायबरेली जा रहा था। अधिकांश सवारियां कचहरी तारीख पर जा रही थी। तभी बरस बाजार के सामने रायबरेली की तरफ से आ रहे डंपर ट्रक ने ऑटो में सामने से जोरदार टक्कर मार दिया जिसके कारण ऑटो के परखच्चे उड़ गए और उसमें बैठी सवारियां भी घायल होकर सड़क पर बिखर गईं।

गंभीर रूप से घायल लोगों के चीख पुकार मचने पर आसपास के लोगों ने उन्हें उठाकर सडक के किनारे किया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने जहां सभी घायलों को लालगंज सरकारी अस्पताल पहुंचाया ।वहीं मृतक आटो चालक रजनीश शर्मा और ग्राम एकौनी थाना खीरों निवासी निगम बेडिया पुत्र जैपाल सहित चारो मृतको के शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्यवाही शुरू किया। भीषण सडक दुर्घटना के चलते डलमऊ एसडीएम राजित राम गुप्ता और लालगंज क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार सिंह ने भी मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली और घायलों को इलाज के लिए समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

अशोक राठौर को कानपुर-बुंदेलखण्ड क्षेत्र से सह संयोजक का मिला दायित्व

उरई, जालौन। एसआर समूह उरई के प्रबन्धक प्रदेशीय शिक्षक नेता एवं तीन बार इलाहाबाद-झांसी खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी का चुनाव लड़ चुके वरिष्ठ शिक्षक नेता अशोक राठौर को भारतीय जनता पार्टी ने शिक्षक प्रकोष्ठ से कानपुर-बुन्देलखण्ड क्षेत्र के सह संयोजक का दायित्व सौंपा है। पत्रकारों से वार्ता करते हुये शिक्षक नेता अशोक कुमार राठौर ने बताया कि 2 मार्च 2025 को लखनऊ में आयोजित बैठक में मुझे यह दायित्व संगठन मंत्री धर्मपाल के मार्गदर्शन में प्रदेश संयोजक एवं मेरठ क्षेत्र से एमएलसी श्रीचन्द्र शर्मा द्वारा प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि नवम्बर 2026 में प्रदेश की 11 सीटों पर शिक्षक एवं स्नातक सीटों पर चुनाव प्रस्तावित हैं। यह चुनाव कानपुर-उन्नाव क्षेत्र के तीन जिलों को छोड़कर प्रदेश के 75 जिलों में से 72 जिलों में सम्पन्न होने हैं जो 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की दृष्टि से महत्वपूर्ण होंगे। श्री राठौर ने बताया कि 2026 में विधान परिषद एवं उसके लगभग तीन माह बाद 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत पार्टी ने यह महत्वपूर्ण दायित्व मुझे सौंपा है। इस जिम्मेदारी का पूरी लगन, निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन करुंगा। अवगत हों कि लम्बे समय से शिक्षकों की राजनीति करने वाले अशोक राठौर प्रदेश की शिक्षक राजनीति में एक कद्दावर नेता हैं तथा उनके प्रयास से आज शिक्षक चुनाव में सैल्फ फाइनेंस के माध्यमिक एवं उससे उच्च स्तर पर शिक्षण कार्य करने वाले शिक्षकों को वोट का अधिकार प्राप्त है।

पीएम श्री विद्यालयों में आयोजित कार्यशाला को सीडीओ ने किया सम्बोधित

संवाददाता। संतकबीरनगर

जनपद के 18 पीएम श्री विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं अध्यापकों के क्षमता संवर्धन के संदर्भ में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के अटल प्रेक्षागृह संत कबीर नगर पर किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी द्वारा मां सरस्वती को पुष्पा अर्जित करते हुए दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी के साथ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय महेंद्र नाथ तिवारी, खंड शिक्षा अधिकारी खलीलाबाद जनार्दन यादव के साथ जिला समन्वयक समेकित शिक्षा डॉ रजनीश बैद्यनाथ, जिला समन्वयक बालिका शिक्षा अभय प्रताप शाह, जिला समन्वयक सामुदायिक सहभागिता रंजीत वर्मा द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में 18 पीएम श्री विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं सहायक अध्यापकों सहित कुल 65 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि कहा कि जनपद के 18 पीएम श्री विद्यालयों को मॉडल विद्यालय के रूप में अपने आप को विकसित करना है। जिसके लिए शासन स्तर से तथा समग्र शिक्षा अंतर्गत की जा रही हैं समुचित वित्त उपलब्ध कराया जा रहा है। जिस का उपयोग करते हुए विद्यालय की भौतिक एवं शैक्षिक परिवेश को गुणवत्ता परक बनाते हुए अध्यनरत बच्चों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान की जाए। इसके लिए विद्यालय को एक टीम भावना के साथ कार्य करना होगा तथा जिला संम्वयक को तथा खंड शिक्षा अधिकारी को टीम का नेतृत्व करना होगा तथा आने वाली समस्याओं का तत्काल निराकरण करना होगा तभी हम प्रधानमंत्री के मानसा के अनुरूप उच्च कोर्ट के विद्यालय की कल्पना को साकार कर सकेंगे।

सभी सरकारी और गैर सरकारी भवनों में लगेंगे स्मार्ट मीटर

अमेठी। उत्तर प्रदेश में बिजली विभाग सबसे महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए अपने परम्परागत बिजली के सालों पुराने मीटर को बदल रहा है द्य इन पुराने मीटरों को प्रदेश के हर जिले में बदला जा रहा हैद्य पावर कारपोरेशन उपभोक्ताओं की समस्याओं का निराकरण करने की दिशा में बड़ा काम कर है जिससे बिजली बिल की शिकायतें , बिजली आपूर्ति की समस्या से निदान के साथ ही बिजली का सुचारू रूप से संचालन भी बढ़ेगा। यूपी में रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत के सभी प्रकार के पुराने मीटर बदलकर नए स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे हैं। पुराने मीटर निकलने और नये मीटर लगाने के साथ लग रहे स्मार्ट मीटर की जानकारी उपभोक्ताओं को दी जा रही है द्य जिले के सभी स्थानों पर घर-घर नए स्मार्ट मीटर लग रहे हैं। स्मार्ट मीटर सभी प्रकार के उपभोक्ताओं के यहाँ अनिवार्य रूप से लगाये जा रहे हैं। उपभोक्ताओं के यहाँ स्मार्ट मीटर लगाए जाएं इसके लिए बिजली विभाग के अधिकारी भी उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान को तत्पर हैं। यूपीपीसीएल की दिशानिर्देश के अनुसार यह स्मार्ट मीटर सभी सरकारी भवनों, आवासों, कार्यालयों में भी लग रहे हैं। मीटर सभी प्रकार के उपभोक्ताओं के परिसर के बाहर स्थापित किये जायेंगे। उपभक्ताओं के यहां नि:शुल्क मीटर लगाये जा रहे हैं। अर्थात किसी भी तरह का शुल्क उपभोक्ताओं से नहीं लिया जा रहा है। साथ ही, खराब सर्विस केबल के साथ-साथ नया सर्विस केबल भी लगाया जा रहा है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए उपयोगी है इसके उपयोग के साथ इसके लाभ का अनुभव उपभोक्ता करेंगे द्य उपभोक्ताओं को बिना किसी असुविधा के समय से बिल मिलेंगे। उपभाक्ताओं के द्वारा खपत की गई बिजली की सही और सटीक जानकारी उनके पास होगी।

संवेदना साहित्य समिति की गोष्ठी में हुआ नई साहित्यिक परंपरा का आगाज़

संवाददाता। उरई, जालौन

साहित्य सृजन सामाजिक चेतना तथा बदलाव की एक महत्वपूर्ण कड़ी है इस बात को साबित करती संवेदना सहित समिति द्वारा आयोजित काव्या काव्य गोष्ठी में समाज का मार्गदर्शन एवं उत्कृष्ट साहित्य की आज आवश्यकता है मंचों पर फूहड़ एवं भोड़ी प्रस्तुतियों का बहिष्कार होना चाहिए ताकि साहित्य एक स्वस्थ समाज की परिकल्पना को सार्थक कर सके कविता कैसी हो इस विषय पर अधिकांशत: सभी रचनाकारों ने रचनाएं पढ़ी और उन्होंने सच्ची कविता की परिभाषा प्रस्तुत की कविता कैसी हो जो जनकल्याणी हो एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सके यह विचार उपस्थित साहित्यकारों में काव्यात्मक शैली में प्रस्तुत किया गया और एक से एक बढ़कर रचनाएं जो समाज और राष्ट्र को दिशा देने वाली उन्हें प्रस्तुत किया। काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता साहित्य के भागीरथी वरिष्ठ साहित्यकार पंडित यज्ञदत्त त्रिपाठी ने की संचालन संस्था की संस्था संस्थापक अध्यक्ष डॉ माया सिंह माया द्वारा किया गया जिसमें मुख्य अतिथि विद्वान कवि सविता विवेकानंद श्रीवास्तव रहे विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार प्रेम नारायण दीक्षित रहे। मां वाणी का दीप प्रज्वलन अतिथियों द्वारा किया गया वाणी वंदना श्रीमती सीता खरे ने की तदुपरांत वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती शिखा गर्ग ने कविता को परिभाषित करते हुए शिव स्त्रोत पढ़ा इसी क्रम में शिरोमणि सोनी ने अपने गीतों से गोष्ठी को गुंजित कर पढ़ा बसंत आया प्रीत भी मनमीत बन गया, दिन बीते इंतजार में और गीत बन गया।

संस्कृत के प्रकांड विद्वान विवेकानंद ने अपनी साहित्य की सुरभि से वातावरण को महकाते हुए पढ़ा सत्य के अभाव और असत के प्रभाव में, जीवन नौका बहती कामना प्रवाह में। पढ़कर आध्यात्मिक चेतना का परिचय दिया प्रख्यात कवित्री प्रिया श्रीवास्तव दिव्यम ने अपने गीत और गजलों से समाज को नया पैगाम दिया ।वाणी पुत्री प्रियंका शर्मा ने अपने मधुर कंठ से साहित्य के स्वरों को झंकृत करते हुए गंभीर रचनाएं पढ़ी वरिष्ठ कवित्री सीता खरे ने समाज को ललकारते हुए पढ़ा देखने आए हो लड़की हूं नुमाइश तो नहीं।

दिव्यांशु दिव्य ने पढ़ा दलील देकर समझने आते हैं सभी दिव्य, दिक्कत यह है कि कोई संभालने नहीं आता। सामाजिक हालातो पर तंज कसा। कवियित्री रुचि वाजपेई ने महकता मां का आंचल है प्यार के फूल खिलते हैं, दुआ मिल जाए यदि मां की तो बिगड़े काम बनते है पढ़कर मां की महिमा बताई।

अभिषेक श्रीवास्तव सरल ने महाभारत के अभिमन्यु पर रचना पढ़ी तो वही सिद्धार्थ त्रिपाठी ने पढ़ा- उजाला जमी पर दिए ने किया था, भले आसमान पर सितारे बहुत हैं।

राजा बुंदेला ने की सीएम योगी से शिष्टाचार भेंट

लखनऊ। आज सोमवार को बुंदेलखंड विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं पूर्व फिल्म अभिनेता तथा बुंदेलखंड राज्य निर्माण के लिए संघर्षरत राजा बुंदेला ने राजधानी लखनऊ पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस भेंट के दौरान उन्होंने सीएम योगी को बुंदेलखंड के प्रसिद्ध ओरछा धाम में आयोजित होने वाले श्री राम महोत्सव में आने का निमंत्रण दिया। श्री राम महोत्सव बुंदेलखंड में बड़ी श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया जाने वाला परम्परागत आयोजन है। इस उत्सव में रामानंद सागर के रामायण सीरियल में काम कर चुके सभी पात्रों एवं बुंदेलखंड के रामलीला में काम करने वाले बड़ी संख्या में कलाकारों को आमंत्रित किया जाएगा।

क्विक न्यूज

वसंत महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने मनाया 'फागुन' कार्यक्रम

वाराणसी । वसंत महिला महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की छात्राओं द्वारा सोमवार को आयोजित कार्यक्रम 'फागुन' कार्यक्रम का अयोजन किया। प्रो. मीनू अवस्थी के नेतृत्व में हिन्दी विभाग की छात्राओं द्वारा 'हिंदी कविता में होली' विषय पर फागुन कार्यक्रम का आयोजन आदिकेशव घाट पर किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. अलका सिंह ने फागुन कार्यक्रम की सराहना की। प्रो. मीनू अवस्थी ने अपने वक्तव्य में होली के महत्व और उसकी विशेषता के विषय में बताया। इस कार्यक्रम में आमंत्रित कलाकार जाह्नवी मिश्र ने फागुन गीतों की प्रस्तुति दी । उनकी सांगीतिक प्रस्तुति से छात्राएं मंत्रमुग्ध हो गई।इस कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा कविता, गीत तथा नज्म प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन तृषा सिन्हा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन छवि ने किया।

एसपी ने थाना मुसाफिरखाना का किया निरीक्षण

अमेठी। आज पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक द्वारा थाना मुसाफिरखाना का वार्षिक निरीक्षण किया गया । सर्वप्रथम पुलिस अधीक्षक को सलामी गार्ड द्वारा सलामी दी गयी तदोपरान्त पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना परिसर, कार्यालय, शस्त्रागार,सीसीटीएनएस कार्यालय, मेस, बैरिक, महिला हेल्प डेस्क व अभिलेख एवं माल मुकदमाती के रख-रखाव आदि का निरीक्षण किया गया । थाना परिसर, कार्यालय आदि की साफ-सफाई व रजिस्टरों का रखरखाव संतोषजनक पाया गया । प्रभारी निरीक्षक मुसाफिरखाना एवं उपस्थित अधिकारी/कर्मचारीगण को अच्छी वर्दी धारण करनें, थाने पर आने वाले फरियादियों से मित्रवत व्यवहार करते हुये उनकी समस्याओं को सुनकर निस्तारित करने, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियत्रंण, महिला संबंधी अपराधों पर प्रभावी रोकथाम, लंबित विवेचना, लंबित माल निस्तारण एवं शिकायती प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु आवश्यक आदेश/निर्देश दिये गये ।

20 लाभार्थियों को जिलाधिकारी ने दिया स्वीकृति पत्र

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा लोन मेला का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी द्वारा 20 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। उन्होंने सीएम युवा उद्यमी ऋण प्राप्त करने वाले युवा उद्यमियों को पूरी निष्ठा, लगन एवं ईमानदारी के साथ उद्यम करने एवं ऋण धनराशि की अदायगी समय से करने हेतु प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने सम्बंधित बैंकर्स/बैंक अधिकारी को निर्देशित किया कि इस मेलें में सभी पेंडिग लोन दो दिन में स्वीकृति करते हुए ऋण वितरित कर दिया जाये। डीजीएम आनन्द कुमार द्वारा सीएम युवा लोन के बारे में विस्तृत जानकारी आवेदकों को दिया गया एवं आवेदकों की समस्याओं को भी सुना गया। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग राजकुमार शर्मा एजीएम बृजेश कुमार, एलडीएम पवन कुमार सिन्हा सहित सम्बंधित अधिकारी, बैंकर्स एवं युवा उद्यमी आदि उपस्थित रहे।

नवयुवक एकता मंच अध्यक्ष ने की अग्नि पीड़ित परिवार की मदद

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के मथुरा नगर मजरे बैंती स्थित अग्नि पीडित परिवार के यहां पहुंचे नवयुवक एकता मंच के अध्यक्ष एवं युवा समाजसेवी प्रांजुल अवस्थी ने अग्नि पीडित परिवार को राशन, कंबल तथा नगद सहायता राशि देकर अग्नि पीडित परिवार की मदद की। मुसीबत की घडी में मदद पाकर अग्नि पीडित वृद्धा दुल्ला पत्नी स्वर्गीय राम आधार ने समाजसेवी प्रांजुल अवस्थी को खूब दुवाएं दी। गौरतलब हो कि मथुरा नगर की रहने वाली दुल्ला पत्नी स्वर्गीय रामआधार जिनके खपरूस के बने आशियाने में अज्ञात कारणों से आग लगने से झोपडी में रखी पूरी गृहस्थी, कपडे, आनाज इत्यादि सामान जलकर खाक हो गया था। मीडिया के माध्यम से जानकारी होते ही सोमवार को पीडित के घर पहुंचे समाजसेवी प्राजुल अवस्थी ने पीड़ित परिवार को राशन,कंबल तथा नगर सहायता राशि देकर मदद की एवं आगे भी हर सम्भव मदद का भरोसा दिया। इस मौके पर प्रांजुल अवस्थी अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि हर किसी को अपनी समर्थ्य के अनुसार जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए।

गर्मी में पेयजल संकट से निपटने की तैयारी, जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

- बिजली आपूर्ति बाधित होने पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश
- सभी अधिकारी रहें सतर्क, संवेदनशीलता के साथ करें कार्य

संवाददाता। उरई, जालौन

आगामी गर्मी के मौसम में जनपद में पेयजल संकट न उत्पन्न हो, इसके लिए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्राम क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों में कहीं भी पेयजल की समस्या नहीं होनी चाहिए। इसके लिए अभी से जलापूर्ति की पूरी योजना तैयार करने को कहा गया। उन्होंने जल संस्थान को बिजली विभाग के साथ समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया, ताकि जलापूर्ति के लिए बिजली आपूर्ति सुचारू बनी रहे और किसी भी तकनीकी बाधा के कारण जल संकट न उत्पन्न हो। नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण यदि जल संकट उत्पन्न हो रहा है, तो संबंधित टीमों को तत्काल स्थल निरीक्षण कर रिपोर्ट देने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि स्वीकृत पेयजल योजनाओं को रखें दुरुस्त, पेयजल संकट वाले क्षेत्रों को संवेदनशील मानते हुए प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि कहीं भी जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए सतर्क और संवेदनशील रहते हुए आवश्यक कदम उठाए जाएं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संजय कुमार, सभी अधिशासी अधिकारी, अधिशासी अभियंता (बिजली विभाग) सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर झूमे श्रोता, हुई पुष्प वर्षा

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के ग्राम पंचायत बैंती में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पांचवे दिन श्रीकृष्ण की कथा सुनाई गयी एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया जिसमें श्रद्धालु जमकर थिरके। कथाव्यास पंडित अनूप तिवारी जी महाराज ने कथा के पांचवे दिन वामन अवतार, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की कथा का विस्तार पूर्वक बडा ही सुन्दर वर्णन किया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अहंकार नहीं करना चाहिए, अहंकार बुद्धि और ज्ञान का हरण कर लेता है। अहंकार ही मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। श्रीकृष्ण जन्म की कथा का वर्णन करते हुए कथाव्यास ने बताया कि कंस के कारागार में भादो मास की अष्टमी को रोहिणी नक्षत्र में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। उनका लालन-पालन नंदबाबा के घर में हुआ था। श्रीकृष्ण ने अत्याचारी कंस का वध करके पृथ्वी को अत्याचार से मुक्त किया और अपने माता-पिता देवकी वासुदेव को कारागार से छुड़वाया।

बगैर प्रपत्र ओवरलोड मौरम, गिट्टी ले जाते 16 ट्रक किए गए सीज

उरई, जालौन। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देश के क्रम में ओवरलोड़ वाहनों के खिलाफ निरंतर कार्यावाही जारी बीती रात्रि में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, उप जिलाधिकारी के साथ राजेश कुमार सहायक सम्भागीय परिहवन अधिकारी (प्रवर्तन) प्रथम दल जालौन, खनिज इंस्पेक्टर कुलदीप कुमार राम एवं डकोर पुलिस के साथ 12 ट्रक जिसमें 1 ट्रक गिट्टी 11 ट्रक मौरंग के ओवरलोड के साथ बिना प्रपत्र के पाये जाने पर थाना-डकोर में निरुद्ध किया गया तथा 2 ट्रैक्टर औद्योगिक क्षेत्र उरई चौकी में निरुद्ध किये गये।

इसी प्रकार सुशील कुमार उपजिलाधिकारी कालपी के साथ सुरेश कुमार सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन द्वितीय दल जालौन, अवधेश कुमार सिंह क्षेत्राधिकारी कालपी, यात्रीकर अधिकारी विनय पाण्डेय एवं उमेश कुमार खनिज विभाग के साथ 1 मौरंग भरा ट्रक बिना प्रपत्र के मण्डी समिति कालपी में निरुद्ध किया गया एवं 3 ट्रक मौरंग ओवरलोड़ में कदौरा मण्डी में निरुद्ध किये गये।

सरकार 62 वर्ष में सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों को भी ग्रेच्युटी भुगतान करे

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव में शिक्षक विधायल डॉ. बाबूलाल तिवारी ने उठाया मुद्दा

- केवल 60 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों को ही होता है ग्रेच्युटी भुगतान

संवाददाता। उरई, जालौन

प्रयागराज झांसी खण्ड शिक्षक क्षेत्र के विधायक डॉ. बाबूलाल तिवारी ने नियम 151 के अंतर्गत प्रदेश के सभी सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 62 वर्ष में सेवानिवृत्त होने वाले सभी शिक्षकों को ग्रेच्युटी भुगतान करने की मांग की है।

ज्ञातव्य हो कि अभी तक केवल 60 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों को ही ग्रेच्युटी भुगतान की जाती है। 62 वर्ष तक सेवा करने वाले शिक्षक ग्रेच्युटी के लाभ से वंचित रह जाते हैं। क्योंकि सरकार शिक्षकों को कर्मचारी नहीं मानती है जबकि कर्मचारी अधिनियम में संसद द्वारा संशोधन करके शिक्षकों को भी कर्मचारी की श्रेणी में मान लिया गया है। जहां तक कर्मचारियों का प्रश्न है तो वे चाहे 58 साल में सेवानिवृत्त हो अथवा चाहे 60 साल में सेवानिवृत्त हों, उन्हें दोनों स्थितियों में ग्रेच्युटी भुगतान की जाती है। यह सरासर शिक्षकों के साथ अन्याय है। जबकि ग्रेच्युटी अधिनियम 47/2009 में संशोधन द्वारा शिक्षकों को भी ग्रेच्युटी का हकदार माना गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने अनेक मामलों में अपनी राय प्रकट करते हुए कहा है कि शिक्षक का पेशा राष्ट्र की युवा पीढ़ी के निर्माण से जुड़ा एक सम्मान जनक पेशा है और इसलिए शिक्षक ग्रेच्युटी के हकदार हैं। इन्हीं तथ्यों के आलोक में गत वर्ष सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के अनेक शिक्षकों ने उच्च न्यायालय प्रयागराज में ग्रेच्युटी प्रदान करने के लिए आठ याचिकाएं प्रस्तुत की थी जिस पर 1 अक्टूबर 2024 को उच्च न्यायालय ने सुनवाई के पश्चात प्रदेश सरकार को सभी याचिकाकर्ता शिक्षकों को छह माह के अंदर 6 प्रतिशत ब्याज सहित सेवानिवृत्त तिथि से ग्रेच्युटी भुगतान का आदेश प्रदान किया है।

डॉ बाबूलाल तिवारी ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव में सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालय के आदेशों का हवाला देते हुए शासन सभी सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के ऐसे शिक्षकों को जो 62 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं या भविष्य में सेवानिवृत्त होने वाले हैं सभी को ग्रेच्युटी का अनिवार्य रूप से भुगतान करने की मांग की है।

फर्जी वकीलों की तहसील में दिखती मौजूदगी की एसडीएम से शिकायत

कालपी, जालौन। अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में फर्जी वकीलों की मौजूदगी की शिकायत की है। नायब तहसीलदार ने नामित लोगों से तहसील में बैठने के दस्तावेज मांगे है। सोमवार को अधिवक्ता राजेश यादव, अखिलेश अहिरवार आदि ने एसडीएम सुशील कुमार सिंह को शिकायती पत्र सौंपकर कहा था कि तहसील में सात लोग मेज कुर्सी लगाकर बैठते है जो अधिवक्ता न होने के बाद भी अपने को वकील बताते है और तहसील आने वाली जनता से काम कराने के एवज में भारी धनराशि ले लेते और अधिवक्ताओं के फर्जी दस्तखत कर अधिकारियों को भी गुमराह कर रहे हैं जबकि वह अधिवक्ता तो छोड़िए किसी वकील के मुंशी भी नहीं है। उन्होंने अधिकारियों से जांच कर यहां से हटाए जाने की भी मांग की है। उप जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेकर नायब तहसीलदार चन्द्रमोहन शुक्ला को जांच करने के निर्देश दिए है।

नायब तहसीलदार के अनुसार अधिवक्ताओं द्वारा नामित लोगों से बात की गई तो उन्होंने अधिवक्ताओं का मुंशी बताया है जिसपर उनसे दस्तावेज मांगे गए हैं इसके लिए उन्हें इस बाबत दो दिन का समय दिया गया है।

मानसिक विक्षिप्त महिला ने ज्वलनशील पदार्थ डाल लगायी आग, हुई मौत

संवाददाता। जालौन, उरई

मानसिक रूप से बीमार महिला ने रात में ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। परिजन जब तक आग बुझाने का प्रयास करते तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला भवानीराम निवासी कुसुमलता (56) पत्नी महेंद्र रविवार की शाम घर से बाहर निकल गई थी। रात में पति उसे घर लाए। जिसके बाद परिवार के सदस्य रात में सो गए। रात करीब साढ़े तीन बजे कुसुमलता ने स्वयं पर ज्वलनशील पदार्थ डाल लिया और आग लगा ली। आग लगते ही वह जोर जोर से चिल्लाने लगी।

उसके चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजनों की नींद खुल गई आसपास के लोग भी रात में जोर की चीखें सुनकर बाहर निकल आए। वहां मौजूद लोगों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया। लेकिन जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। वहां मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जब घटना को लेकर जानकारी ली तो पति महेंद्र प्रताप सिंह ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि उसकी पत्नी की मानसिक स्थिति खराब चल रही थी। उसका ग्वालियर में इलाज चल रहा था। कई बार वह घर से बाहर निकल जाती थी। खोजने के बाद उसे वापस लाया जाता था। रात में भी सब ठीक ही था। अचानक उसने स्वयं को आग लगा ली। जिससे उसकी मौत हो गई।

बता दें, महिला के दो पुत्र आशीष व सत्यम महिला के साथ ही रहते थे। जबकि दोनों बेटियों प्रीति और आरती की शादी हो चुकी है। इस बाबत कोतवाल अजीत सिंह ने बताया कि पति ने महिला के मानसिक रूप से बीमार होने और उसका इलाज चलने की लिखित जानकारी दी है। मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने हटवाया अवैध अतिक्रमण

जालौन, उरई। वार्ड में अवैध कब्जा कर चबूतरा बना लिया है। अब सीसी सड़क और नाली निर्माण के दौरान कब्जा नहीं हटा रहे हैं। सभासद की शिकायत पर ईओ ने कोतवाली पुलिस को निर्माण में व्यवधान करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पत्र लिखा। जिस पर पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेकर मौके पर पहुंचकर अवैध चबूतरे को जमींजोद करवाकर सड़क व नाली निर्माण का रास्ता साफ कर दिया। नगर के वार्ड नंबर तीन मोहल्ला ज्रोशियाना के सभासद रविशंकर कुशवाहा ने ईओ को बताया कि उनके मोहल्ले में सीसी सडक और नाली निर्माण का कार्य चल रहा है।

अतंरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाया जाएगा 2025

कानपुर देहात। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2025 को अतंर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाये जाने की घोषणा की गयी हैए जिसके क्रम में सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जनपद स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में डिस्टिक्ट को.आपरेटिव डेवलपमेन्ट कमेटी गठित करने की अपेक्षा की गयी है।जनपद स्तर पर जिलाधिकारी द्वारा कमेटी का गठन किया गया हैए जिसकी बैठक जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता तथा अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमारए अपर जिलाधिकारी ;वि0ध्रा0द्ध दुष्यंत कुमार मौर्य एवं प्रवीण कुमारए सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता उ0प्र0ए कानपुर देहात सदस्य संयोजक व अन्य सदस्यों के साथ मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कलेक्ट्रेट में सम्पन्न की गयीए सदस्य संयोजक द्वारा सहकारिता विभाग की योजनाओं के सम्बन्ध में चर्चा की गयी तथा जिलाधिकारी द्वारा 04 प्रस्तावित बी.पैक्स का गठन करानेए जिला सहकारी बैंक लि0 कानपुर को दुग्धए मत्स्यए समितियों को सदस्य बनाकर समिति सदस्यों के मध्य ऋण वितरण बढाने पर बल दिया गया तथा नयी दुग्ध समितियो के गठन के लक्ष्य 07 के सापेक्ष 02 गठित की गयी हैए जिसे 15 मार्च तक शत.प्रतिशत गठन करानेए 155 दुग्ध समितियों के परिसमापन कार्यवाही पूर्ण करने तथा 288 निष्क्रिय दुग्ध समितियों को सक्रिय करने के निर्देश दुग्ध विभाग को दिये गये है। सहकारिता विभाग की अवशेष 22 निष्क्रिय समितियों को अग्रिम खरीफ अभियान तक सक्रिय कर उर्वरक व्यवसाय कराये जाने के निर्देश के साथ बैंठक सम्पन्न की गयी।

दिव्यांगजनों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

कानपुर देहात। जलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन में बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान में जिले भर के दिव्यांगजनों के लिए विशेष उद्यमिता विकास कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। इसके उदघाटन समारोह में उपायुक्त स्वतः रोजगार गंगारामए अग्रणी जिला प्रबंधक राकेश कुमार ए जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी अखिलेश अग्निहोत्री एवं निदेशक बड़ौदा आरसेटी मयंक कटियार जी उपस्थित रहे।प्रशिक्षण कार्यक्रम में 35 प्रशिक्षार्थी शामिल हुए प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षिका रीतू अवस्थी द्वारा प्रशिक्षार्थिओं को दोना पत्तलए मिठाई का डिब्बा बनाने का प्रशिक्षण दिया जायेगा एइसके साथ ही प्रशिक्षार्थिओं को अगरबत्तीए धूपबत्ती एवं मोमबत्ती बनाने का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जायेगा । प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षार्थिओं को को उद्यमिता विकास के बारे बैकिंगएमार्केटिंगए वित्तीय जागरूकताए प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाना भी बताया जायेगा इस कार्यक्रम के दौरान संस्थान के संकाय सदस्य पंकज कुमारए निखिल मिश्रा कार्यालय सहायक योगेंद्र सिंहए अटेंडर रोहित वॉचमैन शिवम शुक्ला उपस्थित रहे।

श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर उमडे श्रोता

भागवताचार्य ने श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन कर भावविभोर किया

गुरसहायगंज, कन्नौज। क्षेत्र के ग्राम पकरा में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर भागवताचार्य पं. प्रेमसागर पाण्डेय ने भगवान श्री कृष्ण की अद्भुत बाल रूप लीलाओं का अत्यंत मनोहक वर्णन कर मौजूद श्रोतागणों को भाव विभोर कर दिया। इस दौरान उन्होनें कहा कि भगवान श्री कृष्ण की कथा सुनने से पुण्य की प्राप्ति होती है।सोमवार को क्षेत्र के ग्राम पकरा में चल रही श्रीमद्ध भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर भागवताचार्य पं. प्रेमसागर पाण्डेय ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म से जुड़ी कथाओं से अवगत कराते हुये उनके बचपन की माखन चोरी, गोकुलवास में निवास और भगवान कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने के प्रसंग को विस्तार से बताया, जिसमें भगवान ने इंद्रदेव की नाराजगी को शांत करने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी अंगुली पर उठा लिया था। ताकि गोकुलवासियों को मूसलाधार बारिश से बचाया जा सके। कथा के दौरान उन्होनें भगवान श्री कृष्ण के बाल रूप की भव्यता, उनके खेलने की अद्भुत लीलाएं और उनके प्रेम में डूबे हुए गोपियों के साथ उनके संवादों का वर्णन किया। इस दौरान परीक्षित चन्द्रपाल सिंह व उनकी धर्मपत्नी सहित अमरजीत चौहान, अनुराग सिंह, राजेश चौहान, अमित सिंह, सूरज सिंह फौजी, बलवीर सिंह, कल्लू सिंह उर्फ कल्याण सिंह, गोविंद सिंह चौहान, राम चौहान, अभिषेक बघेल, अभिषेक कुमार, छत्रपाल सिंह चौहान, सुरेश सिंह, कृष्णा सिंह, विनोद फौजी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष से 50 लाख की ठगी

फतेहपुर। जिले में धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला प्रकाश में आया है। यहां किसी और के साथ नहीं बल्कि भाजपा के काद्यावर नेता व जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ प्लाट के फर्जी दस्तावेज दिखाकर 50 लाख रुपए हड़प लिए गए। इस मामले में पीड़ित भाजपा नेता की तहरीर पर पुलिस ने धोखाधड़ी के साथ अन्य सुसंगत धाराओं में 5 लोगों के खिलाफकेस दर्ज किया है। साथ ही सत्ता पक्ष से मामला जुड़ा होने के चलते पुलिस ने तत्काल मामले में जांच शुरू कर दी है। महेश सिंह नामक व्यक्ति ने कराई थी मुलाकातः जानकारी के अनुसार, खागा कोतवाली क्षेत्र के कस्बा स्थित नई बाजार मोहल्ला निवासी अभय प्रताप सिंह उर्फपप्पू सिंह भाजपा के कद्दावर नेता हैं। वर्तमान में वह 4/70 विशाल खंड गोमती नगर लखनऊ में रहते हैं, जिनका दोनों जगह आना-जाना लगा रहता है।भाजपा नेता मौजूदा समय में जिला पंचायत अध्यक्ष भी हैं। भाजपा नेता ने पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि बीते 10 अक्टूबर को सदर कोतवाली क्षेत्र के शान्ति नगर स्थित ठा. युगराज सिंह कॉलेज कैंपस में महेश सिंह अपने साथ लखनऊ के विपुल खंड गोमती नगर निवासी अब्दुल साउद, सुनील कुमार, तेज नारायण मिश्रा व योगेश्वर मिश्रा निवासी सुशांत गोल्फ सिटी लखनऊ को लेकर आए और परिचय कराया। 4 हज़ार रुपये प्रति वर्ग मीटर में हुई थी बारगेनिंगः इसके बाद साउद खान ने भाजपा नेता से बताया कि गोमती नगर विस्तार योजना के सेक्टर-4 लखनऊ में भूखंड 4/13 व 4/14 क्रमशः 2600 स्क्वायर मीटर व 2684.5 वर्ग फिट भूलेख में स्कूल के नाम से दर्ज है। जिसके अध्यक्ष मेलेसेमऊ गोमती नगर लखनऊ के रहने वाले अतीक अहमद हैं। साउद खान ने बताया कि उक्त भूमि को अध्यक्ष ने बेचने के लिए मुझे पावर ऑफअटॉर्नी बनाया है। साथ ही कहा कि इससे उपयुक्त जमीन लखनऊ में आपको नहीं मिलेगी। इस दौरान भाजपा नेता को अभिलेख दिखाते हुए विश्वास में ले लिया। इसके बाद उपरोक्त लोग भाजपा नेता को मौके पर ले जाकर प्लाट दिखाया। 04 हज़ार रुपये प्रति वर्ग मीटर पर बारगेनिंग फाइनल हुई। छानबीन में पता चला कि उक्त जमीन लखनऊ प्राधिकरण में शिक्षण संस्थान के नाम अलॉट है। साथ ही डेवलपमेंट टैक्स भी बकाया है। इस बात की जानकारी बीजेपी नेता ने साउद को दी। टैक्स जमा करने के कागजात दिखाकर जाल में फंसायाः इस पर उसने जमीन से संबंधित रिट का आदेश और बकाए टैक्स को जमा करने के कागजात दिखाकर विश्वास में लेते हुए साउद ने भाजपा नेता से कहा कि 3 महीने के अंदर उक्त भूखंड को व्यवसायिका होटल में दर्ज करवा कर उन्हें देगा। 14 अक्टूबर को उक्त भूखंड का एग्रीमेंट दिया जिसमें अब्दुल खान और योगेश्वर मिश्रा गवाह हैं।कैश और खाते से दिए थे रुपयेः इसके बाद 13 अक्टूबर को जिला पंचायत अध्यक्ष ने अपने बैंक आफबडौदा के खाते यशराज इंफ्रासिटी से 11 लाख व 20 लाख रुपए साउद के लखनऊ एक्सिस बैंक के खाते में आरटीजीएस के जरिए ट्रांसफर करवाए। इसके बाद 11 जनवरी को लखनऊ स्थित अपने आवास में दो गवाहों के सामने साउद को 19 लाख रुपए कैश दिए। इसके बाद भाजपा नेता ने रजिस्ट्री करवाने की बात कही तो साउद ने कहा कि नवैयत बदलवा कर जल्द ही जमीन बैनामा करवा देगा। वादे के मुताबिक भाजपा नेता ने साउद को कई बार फोन कर जमीन रजिस्ट्री करने को कहा तो जल्द ही काम हो जाने का जवाब देते हुए टालमटोल करता रहा।पांच पर केस दर्ज, जांच में जुटी पुलिसः तब जाकर भाजपा नेता को एहसास हुआ कि उसके साथ उपरोक्त लोगों ने जमीन के कूटरचित दस्तावेज दिखाकर धोखाधड़ी की और लाखों रुपए भाजपा नेता को चपत लगा दी। शहर कोतवाल तारकेश्वर राय ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर 05 लोगों के खिलाफधोखाधड़ी, जालसाजी आदि की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

पहले चरण में बनाए जाएंगे 10 हजार सदस्य

फतेहपुर। उद्योग व्यापार मण्डल उत्तर प्रदेश की कार्यकारणी की बैठक नीलकंठ पैलेस पटेल नगर में संस्थापक अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा की अध्यक्षता में आहूत की गई। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि एक अप्रैल से सदस्यता अभियान चलाकर प्रथम चरण में 10 हजार व्यापारियों को संगठन का बनाया जाएगा। साथ ही 31 मार्च के पूर्व प्रदेश इकाई का गठन किया जाएगा। इसके उपरान्त मण्डल कमेटी व जिला कमेटी का गठन किया जाएगा। बैठक में कार्यकारणी सदस्य हंसराज सोनी, अनिल वर्मा, चन्द्र प्रकाश, बब्लू गुप्ता, अभिषेक रायजादा, वकील अहमद, विनोद साहू, नरेश गुप्ता, मनोज मिश्रा, मो0 इमरान, सेराज अहमद खान, माधवेंद्र प्रताप सिंह, प्रभाकर सिंह चौहान, मो अंजुम उपस्थित रहे।

चेयरमैन ने बैंक लोडर को दिखाई हरी झण्डी

फतेहपुर। नगर पालिका परिषद के दो एस्कॉर्ट बैको लोडर को नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष राजकुमार मौर्य ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। चेयरमैन ने कहा कि नगर को साफसुथरा रखने के लिए पालिका वचनबद्ध है। शहर को साफसुथरा रखने में हम सबको भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना होगा। बताते चलें कि बैको लोडर से शहर के कचरे को गाड़ियों में भरने का काम लिया जाएगा। यह बैको लोडर अब सड़कों पर नजर आएंगे। चेयरमैन ने कहा कि नगर पालिका परिषद द्वारा लगातार शहर में सफाई अभियान चलाया जा रहा है। जिससे प्रत्येक दिन सड़कों की साफसफाई कराकर कूड़े का उठान होता है। उन्होने कहा कि इस कार्य में जहां सफाई कर्मी जी-जान से लगे हैं वहीं अब हम सबको भी अपनी-अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। कचरे को सड़कों पर न फैलाएं। कूड़ा गाड़ी मुहल्ले पहुंचने पर कूड़े को उसी गाड़ी में डालने का काम करें। स्वच्छता से ही हम बीमारियों से बच सकते हैं। ईओ रविन्द्र कुमार सिंह ने भी आमजन का आह्वान किया कि सफाई अभियान में पालिका का सहयोग करें। इस मौके पर सभासद विनय तिवारी, शादाब अहमद, आफताब अहमद, शहजाद अनवर, अतीश पासवान, अखिलेश कुमार, विवेक यादव, गुड्डू यादव, पवन द्विवेदी, अरुण यादव, वसीम खान, नफीस अहमद, साबिर, आशु सिंह, विवेक नागर, राम सिंह पटेल, नरेंद्र सिंह के अलावा पालिका के अधिकारी, कर्मचारी, अवर अभियंता जल विजय कुमार, मो. हबीब, दिलीप कुमार, अनूप सिंह, मो. फरहान, नफीस अहमद आदि उपस्थित रहे।

रंग महोत्सवको लेकर युवा समाज सेवा समिति की बैठक

मोहमदी खीरी। होली पर्व पर एक आवश्यक बैठक श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में डॉ0 रमा शंकर गुप्ता की अध्यक्षता में तथा समिति के अध्यक्ष अतुल रस्तोगी के संचालन में सम्पन्न हुईए जिसमें रंग महोत्सव ;होलीद्ध के सम्बंध में विस्तार से चर्चा हुई।बैठक को संबोधित करते हुए अतुल रस्तोगी ने बताया कि इस बार रंग महोत्सव 12 मार्च से 16 मार्च 2025 तक चलेगा जिसमें. 12 मार्च बुधवार को रात्रि 8बजे से कवि सम्मेलन श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, 13 मार्च गुरुवार को प्रातः 8बजे से आर्यसमाज द्वारा यज्ञ व होलिकोत्सव कार्यक्रम श्री शिव मंदिर कहरौला बाजार खुर्द, 13 मार्च गुरुवार की रात्रि में होलिकादहन,14 मार्च शुक्रवार प्रातः 9 बजे से रंग महोत्सव की भव्य शोभायात्रा श्री नर्मदेश्वर मंदिर निकट स्टेट बैंक सेए नगर में भ्रमण करेगीए द्वारा युवा समाज सेवा समिति, 15 मार्च शनिवार प्रातः 9 बजे से होलिकोत्सव की भव्य शोभायात्रा गल्ला मंडी बाजार गंज से नगर में भ्रमण करेगीए द्वारा फ्रेंड्स क्लब मोहमदी,16 मार्च रविवार प्रातः 10 बजे से होली मिलन का मेला श्री देविस्थान मंदिर परिसर मोहमदी में,अतुल रस्तोगी ने बताया कि पूर्व की भाँति इस बर्ष भी शोभायात्रा में डी जेए ब्रास बैण्डए लिल्ली घोड़ीए रंग की ट्रालियांए प्रेशर मशीनए भव्य झाँकियाँ आदि निकाली जाएगी।विनीत रस्तोगी ने कहा कि जल शक्ति मिशन के अंतर्गत नगर की अधिकांश सड़के खुदी पड़ी हैंए अतः सक्षम अधिकारियों से बात करके उन्हें अबिलम्ब ठीक कराया जाए

बोरवेल सुरक्षा के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय ने जारी किए दिशा-निर्देश

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व दुष्यंत कुमार मौर्य ने अधिशाषी अभियन्ताए ;ग्रामीण अभियंत्रण विभागद्धए समस्त उप जिलाधिकारीए जिला पंचायत राज अधिकारीए समस्त अधिशासी अधिकारीए नगर पालिका परिषदध्नगर पंचायत कानपुर देहात को सूचित करते हुए कहा है कि बोरवेल सुरक्षा के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा.निर्देश के अंतर्गत बोरवेल एवं ड्रिल किए गए कुओं के पास सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक दिशा.निर्देश जारी किए गए हैं। 1. भूमिध्परिसर के मालिक को बोरवेल ध् ट्यूबवेल के निर्माण के लिए कोई भी कदम उठाने से पहलेए क्षेत्र के संबंधित अधिकारियों को कम से कम 15 दिन पहले लिखित रूप में सूचित करना होगा। 2. सभी ड्रिलिंग एजेंसियोंए अर्थात् सरकारीध्अर्ध.सरकारी ध् निजी आदि का पंजीकरणए जहां भी लागू होए जिला प्रशासन ध् वैधानिक प्राधिकरण के साथ अनिवार्य होना चाहिए। 3. कुएं के पास निर्माण के समय निम्नलिखित विवरण के साथ साइनबोर्ड लगाना रू. ;कद्ध कुएं के निर्माणध्पुनर्वास के समय ड्रिलिंग एजेंसी का पूरा पता। ;खद्ध कुएं के उपयोगकर्ता एजेंसी ध् मालिक का पूरा पता। 4. निर्माण के दौरान कुएं के चारों ओर कांटेदार तार की बाड़ या कोई अन्य उपयुक्त अवरोध खड़ा करना।

;5द्ध कुएं के आवरण के चारों ओर सीमेंट ध् कंक्रीट प्लेटफॉर्म का निर्माण करना जिसका माप 0ण्50ग0ण्50ग0ण् 60ण् मीटर ;जमीन के स्तर से 0ण्30 मीटर ऊपर और जमीन के स्तर से 0ण्30 मीटर नीचेद्ध हो।;6द्ध स्टील प्लेट को वेल्डिंग करके या बोल्ट और नट के साथ आवरण पाइप में तय करने के लिए एक मजबूत टोपी प्रदान करके अच्छी असेंबली को कैप करना। ;7द्ध पंप की मरम्मत के मामले मेंए ट्यूबवेल को खुला नहीं छोड़ा जाना चाहिए। ;8द्ध कार्यों के पूरा होने के बाद मिट्टी के गड्ढों और चैनलों को भरना। ;9द्ध परित्यक्त बोरवेल को नीचे से जमीन के स्तर तक मिट्टीए रेतए चट्टानोंए कंकड़ ए ड्रिल कटिंग आदि से भरना। ;10द्ध किसी विशेष स्थान पर ड्रिलिंग कार्य पूरा होने परए जमीन की स्थिति को ड्रिलिंग शुरू होने से पहले की तरह बहाल किया जाना है। ;11द्ध जिलाध्ब्लॉक ध्ग्राम वार ड्रिल किए गए बोरवेल ध् ट्यूबवेल की स्थितिए अर्थात उपयोग में आने वाले कुओं की संख्याए खुले पाए गए परित्यक्त बोरवेल ध् ट्यूबवेल की संख्याए जमीन के स्तर तक ठीक से भरे गए परित्यक्त बोरवेल ध् ट्यूबवेल की संख्या और जमीन के स्तर तक भरे जाने वाले परित्यक्त बोरवेल ध् ट्यूबवेल की शेष संख्या को जिला स्तर पर बनाए रखा जाना है। ग्रामीण क्षेत्रों मेंए उपरोक्त की निगरानी ग्राम सरपंच और कृषि विभाग के कार्यकारी के माध्यम से की जानी है। शहरी क्षेत्रों के मामले मेंए उपरोक्त की निगरानी कनिष्ठ अभियंता और संबंधित जलध्जन स्वास्थ्यध्नगर निगम विभाग के कार्यकारी के माध्यम से की जानी है। ;12द्ध यदि किसी भी स्तर पर कोई बोरवेल ध् ट्यूबवेल परित्यक्त हैए तो भूजल ध् जन स्वास्थ्यध्नगर निगम ध् निजी ठेकेदार आदि के संबंधित विभाग से एक प्रमाण पत्र उपरोक्त एजेंसियों द्वारा प्राप्त किया जाना चाहिए कि परित्यक्त बोरवेल ध् ट्यूबवेल जमीन के स्तर तक ठीक से भरा हुआ है। परित्यक्त कुओं का यादृच्छिक निरीक्षण भी संबंधित एजेंसी ध् विभाग के कार्यकारी द्वारा किया जाना है। उपरोक्त सभी डेटा की जानकारी राज्य के जिला कलेक्टर ध् खंड विकास कार्यालय में रखी जाये। उन्होंने कहा कि मा0 सर्वोच्च न्यायालय के दिशा.निर्देशों को प्रभावी रूप से प्रसारित व क्रियान्वित कराने का कडाई अनुपालन कराना सुनिश्चित कराया जाए।

प्रदेश की घटनाओं को लेकर आसपा ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

फतेहपुर। एससी, एसटी, ओबीसी व धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ हुई घटनाओं व आज़ाद समाज पार्टी चीफ चद्रशेखर आज़ाद के काफ्लि पर हमले को लेकर कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपकर दोषियों पर कार्रवाई व प्रदेश सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की मांग किया। सोमवार को आज़ाद समाज पार्टी जिलाध्यक्ष संजय कुमार वर्मा के नेतृत्व में एएसपी कार्यकर्ताओ ने एससी, एसटी, ओबीसी व धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में हुई घटनाओं पर आक्रोश ज़ाहिर किया। एएसपी चीफचद्रशेखर आज़ाद के काफ्लि पर हमले समेत सभी घटनाओं को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर जमकर नारेबाजी व प्रदर्शन कर यूपी सरकार को नाकाम बताते हुए यूपी सरकार बर्खास्त कर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की मांग किया। ज्ञापन में बताया कि भाजपा सरकार में प्रतिदिन एससी एसटी ओबोसी व धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ आपराधिक घटनाएं हो रही हैं। सरकार घटनाओं को रोकने में नाकाम है। मथुरा जनपद में सिरेला यान माट में ओबीसी समुदाय के युवक की हत्या, करनावल थाना रिफायनरी में एससी समाज की बेटियों की बरात में दूल्हा व दुल्हन पक्ष के साथ अराजकतत्वों द्वारा मारपीट कर बारात वापस करवा दी गई।

विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

पात्रों को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाए-राजीव सिंह

गुरसहायगंज, कन्नौज। तेराजाकेट स्थित ब्लाक में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राजीव सिंह उर्फ पुच्ची ठाकुर ने ब्लाक कार्यालय में विकास कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक ली। जिसमें खण्ड विकास अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं की स्थिति, उनकी कार्यवाही और पात्रों को योजनाओं से लाभान्वित करने पर चर्चा की गई।सोमवार को क्षेत्र के ग्राम तेराजाकेट स्थित ब्लाक कार्यालय में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुमन सिंह के प्रतिनिधि राजीव सिंह उर्फपुच्ची ठाकुर ने ग्राम प्रधानों व सचिवों को निर्देश दिया कि वे जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद और पात्र नागरिकों तक पहुँचाने के लिए तत्पर रहें। उन्होंने विशेष रूप से वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, आवास योजना, सडक निर्माण, शौचालय निर्माण योजनाओं पर जोर दिया। खण्ड विकास अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने सभी विभागों के कर्मचारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि पात्र लोग योजनाओं के लाभ से वंचित न रहें। बैठक में उन्होंने अधिकारियों से पिछले महीने की प्रगति रिपोर्ट ली और पाया कि कई योजनाओं के लाभार्थी अभी तक नहीं जुड़े हैं। उन्होंने सभी सचिवों से इन योजनाओं को त्वरित गति से लागू करने के लिए कार्रवाई करने की अपील की। इस दौरान ग्राम प्रधानों व सचिवों सहित मोनू ठाकुर मौजूद रहे।

नगर के मुख्य रेलवे क्रॉसिंग पर लग रहा भीषण जाम

संडीला;हरदोई। नगर के रेलवे क्रॉसिंग पर रोज़ाना लगने वाले भीषण जाम से नगरवासी बुरी तरह परेशान हैं। इस समस्या का कोई निराकरण न होने से लोगों में काफ़ी नाराज़ग है। नगर के मुख्य रेलवे क्रॉसिंग पर रोज़ाना जाम की गंभीर समस्या उत्पन्न होती है। स्थिति यह है कि जितना समय यह क्रॉसिंग खुलता हैए उससे अधिक समय तक यह क्रॉसिंग बंद रहता है। कई कई बार तो ऐसा भी होता है कि लगातार 5.5ए 6.6 ट्रेनें इस क्रॉसिंग से होकर गुजरती हैंए जिससे घण्टों जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। यह जाम कितना लंबा होता हैए इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि क्रॉसिंग से लेकर सब्जी मंडी तक सारी सड़क बंद हो जाती हैए जबकि दूसरी ओर बस अड्डे से क्रॉसिंग तक सिवाय वाहन और कुछ दिखाई नहीं देता। जब यह क्रॉसिंग खुलता भी है तो यहां किसी पुलिसकर्मी की तैनाती न होने के कारण इन वाहनों को निकलने में ही काफ़ी समय लगता है और कई बार ऐसा होता है कि थोड़े ही वाहन निकल पाते हैं और यह क्रॉसिंग फिर से बंद हो जाता है। अब तक ऐसी कई दुखद दुर्घटनाएं हो चुकी हैं जब क्रॉसिंग के जाम में फंसकर गंभीर रोगियों की मौत तक हो गयी है। नगर के इस रेलवे क्रॉसिंग के स्थान पर ओवर ब्रिज या अंडर पास बनाने की मांग नगरवासियों द्वारा लंबे समय से की जाती रही है और अधिकांश चुनावों में प्रत्याशियों ने इसके वादे भी किएए लेकिन चुनाव जीतने के बाद बनने वाले जन प्रतिनिधि चिर परिचित ढंग से अपने वादों को भूलते रहे हैं। वर्तमान सांसद अशोक रावत ने भी चुनाव से पूर्व वादा किया थाए लेकिन अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई होती हुए नहीं दिख रही हैए लोगों ने क्षेत्रीय विधायक अलका अर्कवंशी से भी इस संबंध मे कई बार अनुरोध किया है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है और नगरवासी इस भीषण जाम से लगातार जूझने के लिए विवश हैं।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

संडीला;हरदोईद्ध। ट्रेन की चपेट में आकर ससुराल के लिए निकले एक युवक की दुखद मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कछौना के अंतर्गत ग्राम नेवाजीपुर निवासी मुन्नीलाल का 30 वर्षीय विवाहित पुत्र किशनलाल ग्राम नैरा अपने ससुराल जाने के लिए निकला थाए लेकिन न तो वह ससुराल पहुंचा और न ही घर वापस लौटा। इसके बाद उसके परिजन ने उसकी तलाश शुरू कराई तो सोशल मीडिया के माध्यम से ज्ञात हुआ कि किसी युवक की ट्रेन से कटकर मौत हुई है। मृतक के भतीजे दीपक ने जीआरपी से संपर्क किया तो शव देखकर उन्होंनें शव की पहचान की। मृतक के दो पुत्र तथा एक पुत्री है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम कराकर उसे परिजन को सौंप दिया है।

वीडियो बनाने से नाराज़ महिला कॉन्स्टेबल ने महिला को जड़ा थप्पड़

संडीला;हरदोई। लगता है कि खाकी वर्दी में एक अजीब सा नशा है और इसे पहनने वाला कई बार स्वंय को सारे नियम कानूनों से परे और सर्वशक्ति संपन्न समेझने लगता है। चाहे वर्दी पहनने वाले पुरुष हो या महिला और पुलिस विभाग में शायद महिलाओं की भर्ती इस लिए की गयी थी कि कम से कम यह महिलाओं के प्रति संवेदनशील रहेंगी तथा उन्हें उनकी समस्याओं के निस्तारण में सहायक होगीए लेकिन हुआ इसका ठीक उल्टा।

कोतवाली संडीला के अंतर्गत ग्राम कुर्मिनखेड़ा मजरे अटवा में अनुमा की बकरी मधुदेवी के खेत में चली गयी। इस पर विवाद होने लगा। जब विवाद ज़्यादा बढ़ा तो गांव वालों ने 112 पर पुलिस को सूचना दे दी। इसके बाद पीआरवी 2710 से दो महिला पुलिसकर्मी मौके पर पहुंची। बताते हैं कि महिल पुलिसकर्मी ने शिकायतकर्ता को ही धमकाना शुरू कर दिया। यह देखकर गांव की कालिंदी नामक महिला ने घटना का वीडियो बनाना शुरू कर दिया लेकिन जब तक उक्त पुलिसकर्मी की नज़र पड़ती तब तक कालिंदी ने अपना मोबाइल किसी व्यक्ति को देकर वहां से भगा दिया। पुलिसकर्मी ने पहले तो उसपर दबाव बनाया कि वह वीडिया डिलीट करे लेकिन जब उसने वीडियो डिलीट करने से इनकार किया तो उक्त पुलिसकर्मी ने उसे थप्पड़ जड़ दिए। लोगों ने इसका भी वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होन के बाद एसपी ने इस मामले की जांच के आदेश दे दिए। फ़िलहाल इस मामले की जांच सीओं संडीला द्वारा की जा रही है।

वॉछित को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रूरा, कानपुर देहात। थाना रूरा केके वांछित अभियुक्त राजा राम उर्फसत्यम पुत्र अजब सिंह निवासी हसनापुर थाना रूरा जनपद कानपुर देहात को मुखबिर की सूचना पर ओवर ब्रिज रूरा के नीचे डेरापुर रोड तिराहा से उप निरीक्षक धर्मेंद्र मलिक द्वारा हमराही आरक्षी अजय कुमार के साथ गिरफ्तार किया गया जिसको आज न्यायालय में हाजिर करते हुए न्यायिक रिमांड प्राप्त कर जिला कारागार भेज दिया गया है ।

मोटरसाइकिल की आमने सामने भिड़ंत, एक की मौत

रूरा, कानपुर देहात। थाना क्षेत्र के वीरपुर नकसिया गॉव में दो बाइक सवार आमने सामने भिड गये, जिससे दोनों को गम्भीर चोटें आयी है। उपचार के दौरान एक बाइक सवार की मौत हो गयी वीरपुर नकसिया रूरा शिवली रोड पर सड़क दुर्घटना में आमने सामने मोटरसाइकिल की टक्कर होने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए दोनों को सीएचसी रूरा एम्बुलेंस से पहुंचाया गया सीएचसी रूरा से दोनों को अकबरपुर जिला अस्पताल रिफर किया गया ।घायलों के नाम कृमश 1 विजय प्रताप पुत्र कृष्ण प्रताप सिंह निवासी काशी पुर थाना रूरा 2ण् तौसीफपुत्र छेदी शाह निवासी शिवली कानपुर देहात है । जिला अस्पताल सिवली में तौसीफकी मृत्यु हो गई है ।

शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप, केस दर्ज

मोहम्मदी खीरीरू कोतवाली क्षेत्र के एक ग्राम की 26 वर्षीय विधवा ने अपने देवर पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया है। क्षेत्र के एक ग्राम की महिला ने पुलिस को दी गई तहरीर मे बताया कि उसके पति की मृत्यु करीब तीन वर्ष पूर्व हो चुकी है। उसकी मृत्यु होने के बाद से ही उसका सगा देवर मनोज उस पर गलत नियत रखने लगा और पांच जुलाई 2024 से ही मनोज उसके साथ शादी का झांसा देकर शारीरिक सम्बन्ध बनाता रहा है। पीडिता द्वारा शादी की बात करने पर विपक्षी मनोज उसको अपने साथ नही रख रहा है व दूसरी शादी करने की बात कर रहा है। पुलिस ने उक्त आरोपित के विरुद्ध दुष्कर्म का केस दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पुलिस को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को समझना होगा

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि संविधान लागू होने के 75 साल बाद तो कम से कम पुलिस को वाक और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को समझना चाहिए। इस टिप्पणी के साथ ही न्यायालय ने सोमवार को कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की उस याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया जिसमें कथित तौर पर भड़काऊ गीत साझा करने के लिए उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया गया है।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) के तहत वाक और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को संरक्षित करने के महत्व को रेखांकित किया। न्यायमूर्ति ओका ने कहा, जब वाक और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात आती है, तो इसे संरक्षित करना होगा। न्यायाधीश ने आगे कहा, प्राथमिकी दर्ज करने से पहले पुलिस को कुछ संवेदनशीलता दिखानी होगी। उन्हें (संविधान के अनुच्छेद को) पढ़ना और समझना चाहिए। संविधान लागू होने के 75 साल बाद, अब तो कम से कम पुलिस को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को समझना होगा।

न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि आखिरकार तो यह एक कविता थी और वास्तव में यह अहिंसा को बढ़ावा देने वाली थी। न्यायमूर्ति ओका ने कहा, इसके अनुवाद में कुछ समस्या प्रतीत होती है। यह किसी धर्म के विरुद्ध नहीं है। यह कविता अप्रत्यक्ष रूप से कहती है कि भले ही कोई हिंसा में लिप्त हो लेकिन हम हिंसा में लिप्त नहीं होंगे। कविता यही संदेश देती है। यह किसी विशेष समुदाय के विरुद्ध नहीं है। गुजरात के जामनगर में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह के दौरान कथित भड़काऊगीत के लिए प्रतापगढ़ी के खिलाफ तीन जनवरी को प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

गुजरात पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सड़क छाप किस्म की कविता थी और इसे फैज अहमद फैज जैसे प्रसिद्ध शायर और लेखक से नहीं जोड़ा जा सकता। उन्होंने कहा, (सांसद के) वीडियो संदेश ने परेशानी पैदा की। सांसद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि वीडियो संदेश प्रतापगढ़ी ने नहीं बल्कि उनकी टीम ने साझा किया था। मेहता ने कहा कि सांसद को उनकी टीम द्वारा उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो संदेश अपलोड किए जाने पर भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। दलीलें सुनने के बाद पीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया। सिब्बल ने पूर्व में कहा था कि उच्च न्यायालय का आदेश कानून की दृष्टि से गलत है क्योंकि न्यायाधीश ने कानून को नजरअंदाज किया। शीर्ष अदालत ने 21 जनवरी को कथित रूप से संबंधित गीत का संपादित वीडियो पोस्ट करने के लिए प्रतापगढ़ी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगा दी थी और गुजरात सरकार तथा शिकायतकर्ता किशनभाई दीपकभाई नंदा को उनकी अपील पर नोटिस जारी किया था। कांग्रेस नेता ने गुजरात उच्च न्यायालय के 17 जनवरी के आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की उनकी याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया गया था कि जांच अभी प्रारंभिक चरण में है।

कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतापगढ़ी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 (धर्म, जाति आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 197 (राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंचाने वाले आरोप, दावे) के तहत मामला दर्ज किया गया था। प्रतापगढ़ी द्वारा एक्स पर अपलोड की गई 46 सेकंड की वीडियो क्लिप में, जब वह चल रहे थे, तो उन पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाई जा रही थीं। इस दौरान पृष्ठभूमि में एक गाना बज रहा था। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि इस गाने के बोल भड़काऊ राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले हैं। प्राथमिकी को रद्द करने और दरकिनार करने की अपनी याचिका में उन्होंने दावा किया कि कविता में प्रेम और अहिंसा का संदेश है। प्रतापगढ़ी ने कहा कि उन्हें परेशान करने के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई। प्रतापगढ़ी ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस का सदस्य होने के कारण उन्हें फंसाया गया।

बुलेट ट्रेन परियोजना: 386 किमी तक खंभों का आधार तैयार, पटरी बिछाना अभी बाकी

भाषा। नई दिल्ली

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना से जुड़े काम में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और इसके तहत 27 फरवरी, 2025 तक 386 किलोमीटर तक खंभों का आधार (पियर फाउंडेशन) तैयार करने समेत 272 किमी लंबे वायडक्ट का काम पूरा कर लिया गया है जबकि इसकी कुल लंबाई 508 किलोमीटर है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पटरी बिछाने का काम अभी शुरू किया जाना बाकी है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गत शनिवार को इसकी प्रगति की समीक्षा करने के लिए अहमदाबाद का दौरा किया और निर्माण कार्य की गति पर संतोष व्यक्त किया। एनएचएसआरसीएल के अनुसार, 386 किलोमीटर तक पियर फाउंडेशन का काम पूरा होने के अलावा, 372 किलोमीटर की दूरी तक खंभे तैयार करने का काम पूरा हो गया है और 305 किलोमीटर पर गर्डर कास्टिंग भी की गई है। सिविल इंजीनियरिंग कार्य में लगे विशेषज्ञों ने बताया कि पियर फाउंडेशन पहला चरण है जिसके तहत जमीन के नीचे एक बड़े व्यास वाले बेलनाकार स्तंभ के लिए आधार खोदा जाता है। जब इस स्तंभ को कंक्रीट और धातु का उपयोग करके जमीन के ऊपर बनाया जाता है तो इसे पियर कार्य कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, दो खंभों (पियर) को जोड़ने के लिए उनके ऊपर रखे गए कंक्रीट के सुपरस्ट्रक्चर को गर्डर कास्टिंग के रूप में जाना जाता है और जब ऐसी संरचनाओं की एक श्रृंखला तैयार हो जाती है, तो इसे वायडक्ट कहा जाता है। एनएचएसआरसीएल ने कहा कि 305 किलोमीटर तक गर्डर कास्टिंग का काम पूरा हो चुका है और ट्रैक बेड (जिस पर अंततः पटरी बिछाई जाएगी) गुजरात में 112 किलोमीटर तक तैयार किया जा चुका है। एनएचएसआरसीएल की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है, गुजरात में ओवरहेड विद्युतीकरण का काम शुरू हो गया है।

अधिकारियों ने कहा कि हालांकि अभी पटरी बिछाने का काम शुरू नहीं हुआ है, लेकिन जल्द ही यह काम शुरू हो जाएगा क्योंकि इससे जुड़े सभी अन्य बुनियादी ढांचे का काम पूरा हो चुका है। परियोजना की कुल लंबाई 508 किलोमीटर है, जिसमें से 352 किलोमीटर गुजरात और दादर एवं नगर हवेली में है और शेष 156 किलोमीटर महाराष्ट्र में है। इसमें कहा गया है, जिन 12 स्टेशनों की योजना बनाई गई है उनमें मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद और साबरमती शामिल हैं। विज्ञप्ति में बताया गया है कि, गुजरात के आठ में से छह स्टेशनों पर ढांचागत काम पूरा हो चुका है और महाराष्ट्र में तीन एलिवेटेड स्टेशनों पर काम शुरू हो चुका है। जहां तक 12वें स्टेशन यानी मुंबई का सवाल है, उसका बेस स्लैब डाला जा रहा है। एनएचएसआरसीएल के अनुसार, 508 किलोमीटर लंबे मार्ग पर 13 नदी पुल हैं और ए सभी तैयार हो चुके हैं। एनएचएसआरसीएल के अधिकारियों ने कहा, वलसाड जिले में पार, औरंगा और कोलक जैसी तीन नदियों और नवसारी जिले में पूर्णा, मिंधोला, अंबिका, वेंगानिया, कावेरी और खरेरा जैसी छह नदियों पर पुल बनकर तैयार हैं। खेड़ा जिले में मोहर, वत्रक, मेशवा जैसी अन्य तीन नदियों और वडोदरा जिले में धाधर नदी पर भी पुल रिकॉर्ड समय में बनकर तैयार हो गए हैं। उन्होंने कहा, जहां बुलेट ट्रेन सड़कों और राजमार्गों को पार करेगी वहां छह स्टील पुल और पांच प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट पुल भी बनकर तैयार हैं। इसके अलावा मार्ग के दोनों ओर 130 किलोमीटर से अधिक की दूरी तक शोर पर नियंत्रण के लिए अवरोधक लगाए गए हैं। अधिकारियों ने यह भी बताया कि महाराष्ट्र के पालघर जिले में मार्ग पर सात पर्वतीय सुरंगें हैं और उन सभी का निर्माण न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीएम) के माध्यम से किया जा रहा है।

मनमोहन सिंह के कार्यकाल में कश्मीर मुद्दा सुलझाने के करीब पहुंच गए थे भारत-पाक : उमर

जम्मू। (भाषा)जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार के दौरान भारत और पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को सुलझाने के करीब पहुंच गए थे और उन्हें अपने जीवनकाल में पूर्व स्थिति की वापसी की उम्मीद नहीं है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन सिंह और चार अन्य पूर्व विधायकों को श्रद्धांजलि देते हुए अब्दुल्ला ने मनमोहन सिंह की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने विस्थापित कश्मीरी पंडितों की वापसी के लिए व्यावहारिक कदम उठाए और उनके कार्य समूह अब भी प्रासंगिक हैं। विधानसभा में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, पूर्व मंत्री सैयद गुलाम हुसैन गिलानी, पूर्व राज्यसभा सदस्य शमशेर सिंह मन्हास और पूर्व विधायक गुलाम हसन पें और चौधरी प्यारा सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया, जिनका नवंबर में अंतिम विधानसभा सत्र के बाद निधन हो गया था। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के अभिभाषण के बाद विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर ने शोक प्रस्ताव रखा। शाम लाल शर्मा (भारतीय जनता पार्टी), जी ए मीर (कांग्रेस) और एम वाई तारिगामी (मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी) समेत कई सदस्यों ने भी सदन में अपनी बात रखी।मुख्यमंत्री ने कहा, पिछले विधानसभा सत्र (श्रीनगर में) में हमारे पास पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की अध्यक्षता वाली एक लंबी सूची थी और अब चार महीने बाद हमारे पास एक अन्य पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अध्यक्षता वाली एक छोटी सूची है, जिन्होंने देश के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया है। उमर अब्दुल्ला ने सिंह के एक गांव (जो अब पाकिस्तान में है) से भारत के प्रधानमंत्री बनने तक की यात्रा तथा विशेष रूप से निजी क्षेत्र और सामाजिक कल्याण उपायों से संबंधित सुधारों को लागू करके भारत को एक आर्थिक शक्ति बनाने में उनके योगदान को याद किया। जम्मू-कश्मीर के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा, उन्होंने बाहरी देश (पाकिस्तान) के साथ समस्या का समाधान करने की कोशिश की। उन्होंने यह पहल नहीं की, बल्कि यह उन्हें विरासत में मिली, क्योंकि इसकी शुरुआत वाजपेई और (तत्कालीन पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल परवेज) मुशर्फ ने की थी। उन्होंने प्रधानमंत्री (2004 में) बनने के बाद इस पहल को रोक दिया होता, लेकिन वह अच्छी तरह जानते थे कि वाजपेई द्वारा की गई पहल को आगे बढ़ाना एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने आतंकवादी घटनाओं का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि सिंह ने बिगड़ते हालात के बावजूद ईमानदारी से प्रयास किए।उमर ने कहा, मैं यह कहना चाहूंगा कि दोनों देश उस अवधि के दौरान इस (कश्मीर) समस्या को हल करने के करीब पहुंचे गए थे और मैं अपने जीवनकाल में उस स्थिति की वापसी नहीं देखता हूं। उन्होंने कहा कि जब 2010 में स्थिति बिगड़ गई थी, तब सिंह ने कार्यसमूहों, चाहे वे राजनीति से संबंधित हों या शासन में सुधार के लिए हों, का गठन करके जख्मों पर मरहम लगाने का प्रयास किया और वे आज भी प्रासंगिक हैं।सिंह ने जम्मू-कश्मीर पर पांच कार्य समूहों का गठन किया था, ताकि राज्य में स्थाई शांति की स्थिति पैदा करके विकास के एक चरण की शुरुआत की जा सके। उमर ने विस्थापित कश्मीरी पंडितों का जिक्र करते हुए कहा कि हर कोई समुदाय के बारे में बात कर रहा है लेकिन उनके कल्याण के लिए व्यावहारिक कदम सिंह के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा उठाए गए।

शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा-उच्च न्यायालय जाइए

नई दिल्ली। (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने विभिन्न ढांचों को ध्वस्त करने के उसके निर्देशों का कथित रूप से उल्लंघन करने के लिए गुजरात के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्वाई की याचिका पर सुनवाई करने से सोमवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने हालांकि याचिकाकर्ता को शिकायत के साथ संबंधित उच्च न्यायालय में जाने की अनुमति दी। पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील से पूछा, आप उच्च न्यायालय क्यों नहीं जाते? हर मामले में, हमारे लिए यहां से निगरानी करना मुश्किल होगा।

वकील ने कहा कि अधिकारियों द्वारा ध्वस्त किए गए मकान निजी भूमि पर स्थित थे। पीठ ने कहा, हम मौजूदा याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। शीर्ष अदालत 13 नवंबर 2024 के शीर्ष अदालत के फैसले के निर्देशों की कथित रूप से अवहेलना करने के लिए राज्य के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्वाई के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। फैसले में देश स्तर पर दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए तथा पूर्व कारण बताओ नोटिस बिना दिए तथा पीड़ति पक्ष को जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिए बिना विभिन्न ढाचों को ध्वस्त करने पर रोक लगा दी गई। अधिवक्ता पारसनाथ सिंह के माध्यम से दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि अहमदाबाद नगर निगम के अधिकारियों ने उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना और शीर्ष अदालत द्वारा जारी दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए एक आरोपी के तीन मकानों और एक झोपड़ी को गिरा दिया। याचिका में कहा गया, सक्षम प्राधिकारी ने मकानों को ध्वस्त करने के संबंध में कोई भी पूर्व सूचना जारी नहीं की।

गुजरात में अल्पसंख्यक समन्वय समिति के संयोजक याचिकाकर्ता ने दावा किया कि अधिकारियों ने पिछले साल दिसंबर में अहमदाबाद में तीन मकानों को ध्वस्त कर उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का स्पष्ट रूप से उल्लंघन किया।उच्चतम न्यायालय ने नवंबर 2024 के फैसले में कहा, स्थानीय नगरपालिका कानूनों द्वारा निर्धारित समय के उच्चतम न्यायालय ने नवंबर 2024 के फैसले में कहा, स्थानीय नगरपालिका कानूनों द्वारा निर्धारित समय के भीतर या नोटिस की तामील की तारीख से 15 दिनों के भीतर, जो भी बाद में हो, पूर्व कारण बताओ नोटिस दिए बिना कोई भी तोड़फोड़ नहीं की जानी चाहिए। यह फैसला विभिन्न ढांचों के ध्वस्तीकरण पर दिशानिर्देश के अनुरोध वाली याचिकाओं पर आया।

इस समय दुनिया सामान्य से कहीं अधिक दिलचस्प है: जयशंकर

नई दिल्ली। (भाषा) विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे क्षेत्रों में सहयोग के जरिए भारत और बेल्जियम के बीच स्थिर संबंधों के अधिक समकालीन स्वरूप में विकसित होने की संभावना है। जयशंकर ने बेल्जियम के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मैक्सिम प्रीवोट के साथ बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। प्रीवोट बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय आर्थिक प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में भारत का दौरा कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य कई प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देना है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने यूक्रेन की स्थिति सहित विभिन्न वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा की। जयशंकर ने बैठक में अपने शुरुआती संबोधन में कहा, इस समय दुनिया सामान्य से कहीं अधिक दिलचस्प है।

उनकी यह टिप्पणी पिछले हफ्ते व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके यूक्रेनी समकक्ष वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच जुबानी जंग के बाद यूक्रेन संघर्ष पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किए जाने के बीच आई है।

शिवकुमार ने मोइली के मुख्यमंत्री संबंधी बयान पर टिप्पणी करने से इनकार किया

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली के उस बयान पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया जिसमें दावा किया गया है कि कुछ दिनों में उनका(शिवकुमार) राज्य का मुख्यमंत्री बनना पक्का है। शिवकुमार ने इसे मोइली की व्यक्तिगत राय करार दिया। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से न बोलने के निर्देश का भी हवाला दिया। मोइली ने रविवार को कहा था कि शिवकुमार को राज्य का मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता, क्योंकि इस मामले में पहले ही तय कर लिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा था कि शिवकुमार का मुख्यमंत्री पद संभालना केवल समय की बात है, क्योंकि ऐसा होना तय है। मोइली के बयान को लेकर संवाददाताओं के सवाल पर शिवकुमार ने कहा, मैं इस बारे में कुछ नहीं कहूंगा, इसकी कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने (मोइली) अपनी राय साझा की है। खरगे (मल्लिकार्जुन खरगे) ने कहा है कि किसी को बोलना नहीं चाहिए, मैं इसका पालन करूंगा। राज्य के सियासी हलकों खासकर कांग्रेस पार्टी के भीतर यह अटकलें लगाई जा रही है कि इस साल के अंत तक सत्ता साझा करने के फॉर्मूले या क्रमिक मुख्यमंत्री प्रणाली के तहत राज्य के मुख्यमंत्री बदल सकते है। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार है और उन्होंने मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को किसी से छिपाया नहीं है। कांग्रेस विधायक बसवराजू वी शिवगंगा ने भी रविवार को कहा कि शिवकुमार दिसंबर तक मुख्यमंत्री बन जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि शिवकुमार दिसंबर से अगले साढ़े सात साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे, क्योंकि पार्टी अगला विधानसभा चुनाव भी जीतेगी। दूसरी ओर सिद्धरमैया के करीबी माने जाने वाले कई मंत्रियों और नेताओं ने किसी भी नेतृत्व परिवर्तन की संभावना को खारिज करते हुए दावा किया है कि मौजूदा मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे और पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे।

भारत में अवैध रूप से दाखिल होने के आरोप में बांग्लादेश के चार नागरिक त्रिपुरा में गिरफ्तार

अगरतला। त्रिपुरा में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बांग्लादेश के चार नागरिकों को भारत में अवैध रूप से दाखिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पूर्वोत्तर राज्य में दो अलग-अलग घटनाओं में भारत के पांच नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया है। उन पर बांग्लादेशियों को भारत में दाखिल होने में मदद करने का आरोप है।उन्होंने बताया कि गश्ती दल ने गुप्त सूचना के आधार पर गोमती जिले के नूतनबाजार क्षेत्र में चटगांव हिल ट्रैक्ट (सीएचटी) के पास एक सुदूर आदिवासी बस्ती धनियाबाड़ी में रविवार शाम को छापेमारी की। इस दौरान उन्होंने चार लोगों को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने का प्रयास करते हुए पाया। अधिकारियों ने बताया कि जब वे सीमा पार कर रहे थे तो बीएसएफ के जवानों ने चारों को पकड़ लिया। बीएसएफ के एक अधिकारी ने बताया कि इनमें से दो गोमती जिले के नूतन बाजार के निवासी है, जबकि अन्य दो बांग्लादेश के खगराचेरी जिले के रहने वाले है।

पेज 1 का शेष

इलाहाबादिया...

गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया था और उनकी टिप्पणी को अश्लील करार देते हुए कहा था कि उनकी विकृत मानसिकता से समाज को शर्मिंदा होना पड़ा।

क्रिकेट कप्तान...

नहीं हूं, फिर भी खेल में मेरी सीमित रुचि के बावजूद, मैं कह सकती हूं कि रोहित शर्मा ने - अतिरिक्त वजन के साथ या उसके बिना, भारतीय टीम को महान ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। यह उनका काम और इसके प्रति प्रतिबद्धता है जो मायने रखती है।' कांग्रेस ने शमा मोहम्मद को शर्मा के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए फटकार लगाई और उनसे अपने सोशल मीडिया पोस्ट को हटाने के लिए कहा, जिसमें उन्होंने टिप्पणियां की थीं और भविष्य में अधिक सावधानी बरतने को कहा। अपने अब हटाए गए पोस्ट में, मोहम्मद ने कहा कि शर्मा 'एक खिलाड़ी के लिए मोटे हैं। वजन कम करने की जरूरत है! और निश्चित रूप से भारत का अब तक का सबसे अप्रभावी कप्तान!' शर्मा की प्रशंसा करने वाले एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, कांग्रेस प्रवक्ता ने पूछा कि सौरव गांगुली, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, एम एस धोनी, विराट कोहली, कपिल देव, रवि शास्त्री और बाकी जैसे अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में वर्तमान कप्तान के बारे में इतना विश्व स्तरीय क्या है। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने एक क्रिकेट दिग्गज के बारे में कुछ टिप्पणियां कीं जो पार्टी की स्थिति को प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।' खेड़ा ने कहा, 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस खेल आइकनों के योगदान को सर्वोच्च सम्मान देती है और उनकी विरासत को कमजोर करने वाले किसी भी बयान का समर्थन नहीं करती है।' भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने मोहम्मद की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। जो लोग राहुल गांधी की कप्तानी में 90 चुनाव हार चुके हैं, वे रोहित शर्मा की कप्तानी को अप्रभावी बता रहे हैं! मुझे लगता है कि दिल्ली में 6 बार शून्य पर आउट होना और 90 बार चुनावी हार प्रभावशाली है, लेकिन टी20 विश्व कप जीतना नहीं! वैसे, कप्तान के रूप में रोहित का ट्रैक रिकॉर्ड शानदार है!

मायावती...

प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। आनंद ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं आदरणीय बहन कुमारी मायावती जी का कैडर हूं। उनके नेतृत्व में मैंने त्याग, निष्ठा और समर्पण में अविस्मरणीय सबक सीखा है। मेरे लिए ये सिर्फ विचारधाराएं नहीं हैं; वे मेरे जीवन का उद्देश्य हैं। बहन जी का हर निर्णय मेरे लिए अंतिम है और मैं पूरे सम्मान के साथ उस पर कायम हूं। उन्होंने अपने निष्कासन को भावनात्मक क्षण मानते हुए इसे एक बड़ी चुनौती बताया. परीक्षा कठिन है, और लड़ाई लंबी है। ऐसे कठिन समय में धैर्य और संकल्प ही मेरे सच्चे साथी हैं। बहुजन मिशन के एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में, मैं पूरी ईमानदारी के साथ पार्टी और आंदोलन की सेवा करती रहूंगा और अपनी आखिरी सांस तक अपने लोगों के अधिकारों के लिए लड़ती रहूंगा। यह निर्णय बसपा के भीतर एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है, क्योंकि आकाश आनंद को पहले पार्टी में एक प्रमुख युवा चेहरे और संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता था। उनका निष्कासन पार्टी पर मायावती के दृढ़ नियंत्रण और इसके मूल वैचारिक ढांचे के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का संकेत देता है। इससे पहले सभी आरोपों से मुक्त होने के बाद आकाश आनंद ने कहा कि उनके लिए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सिर्फ राजनीति नहीं बल्कि एक मिशन है। उन्होंने पार्टी प्रमुख मायावती के फैसले को एक भावनात्मक झटका बताया लेकिन एक वफादार सैनिक के रूप में बहुजन आंदोलन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। आनंद ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं आदरणीय बहन कुमारी मायावती जी का कैडर हूं। उनके नेतृत्व में, मैंने त्याग, निष्ठा और समर्पण में अविस्मरणीय सबक सीखा है। मेरे लिए ये सिर्फ विचारधाराएं नहीं हैं; वे मेरे जीवन का उद्देश्य हैं। बहन जी का हर निर्णय मेरे लिए अंतिम है और मैं पूरे सम्मान के साथ उस पर कायम हूं। उन्होंने अपने निष्कासन को भावनात्मक क्षण मानते हुए इसे एक बड़ी चुनौती बताया। परीक्षा कठिन है, और लड़ाई लंबी है। ऐसे कठिन समय में धैर्य और संकल्प ही मेरे सच्चे साथी हैं। बहुजन मिशन के एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में, मैं पूरी ईमानदारी के साथ पार्टी और आंदोलन की सेवा करती रहूंगा और अपनी आखिरी सांस तक अपने लोगों के अधिकारों के लिए लड़ती रहूंगा।

भाजपा के...

विधेयक लाए हैं और उम्मीद करते हैं कि जम्मू-कश्मीर के सामने आने वाले इन महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान के लिए राजनीतिक दलों के बीच एकता होगी। महबूबा मुफ्ती ने बजट सत्र के शुरुआती दिन उपराज्यपाल के अभिभाषण की भी आलोचना की और निराशा व्यक्त की कि इसमें जम्मू-कश्मीर के लोगों के सामने आने वाले अशक्तीकरण के मुद्दों का समाधान नहीं किया गया। मुफ्ती ने उमर अब्दुल्ला पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि कोई भी उन्हें दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बनने के लिए नहीं कह रहा है, लेकिन उन्हें कम से कम अपने लोगों के अधिकारों के लिए खड़ा होना चाहिए। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने भी उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के भाषण को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस पर निशाना साधते हुए कहा कि यह संभावित भाषण से अप्रभेद्य है। एक्स पर एक पोस्ट में लोन ने कहा कि अगर वे सत्ता में होते तो एलजी का संबोधन संभावित भाजपा भाषण से अप्रभेद्य होता। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि पूरी तरह से वैचारिक ओवरलैप है। उन्होंने कहा कि भाषण में अनुच्छेद 370, अनुच्छेद 35 ए के बारे में दूर-दूर तक बात नहीं की गई है। उन्होंने कहा, 5 अगस्त 2019 का कोई जिक्र नहीं। पुनर्गठन अधिनियम का कोई जिक्र नहीं। एलजी का भाषण निर्वाचित सरकार द्वारा अपनी नीति और उपलब्धियों को रेखांकित करने के लिए तैयार किया जाता है। अकेले नेकां सरकार ने अंततः अलंकरणवाद को ख़त्म कर दिया है। उन्होंने कहा, वे यह दिखावा भी नहीं करना चाहते कि उनका अनुच्छेद 370 से कोई लेना-देना है। मुझे याद है कि कैसे चुनाव प्रचार के दौरान यह सब अनुच्छेद 370 के बारे में था, और बाकी सभी लोग कैसे भाजपाई हैं। और अब वैचारिक ओवरलैप। इससे पहले, सात वर्षों में जम्मू-कश्मीर विधानसभा के पहले बजट सत्र को संबोधित करते हुए, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि सत्र केवल एक विधायी औपचारिकता नहीं है, बल्कि सुशासन, पारदर्शिता और समावेशी विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के लोगों की सबसे महत्वपूर्ण आकांक्षाओं में से एक पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करना है। मेरी सरकार इस आकांक्षा को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है। उपराज्यपाल ने सभी स्तरों पर समय पर चुनाव सुनिश्चित करके पंचायती राज संस्थानों और शहरी स्थानीय निकायों को मजबूत करने की दिशा में केंद्र शासित प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) प्रतिनिधित्व पर अनुभवजन्य अध्ययन करने के लिए जून 2023 में स्थापित जम्मू और कश्मीर स्थानीय निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग ने पिछले सप्ताह सरकार को अपनी अंतिम सिफारिशें सौंपी, जिससे स्थानीय निकायों के चुनावों के लिए संभावनाएं उज्ज्वल हो गईं।

गंगा में...

लिए रवाना हुए जिसका समापन केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव और बोर्ड के अन्य सदस्यों ने किया। बैठक में मोदी ने घड़ियाल पर एक नई संरक्षण परियोजना और गंभीर रूप से लुप्तप्राय पक्षी प्रजातियों के संरक्षण प्रयासों को बढ़ाने की आवश्यकता पर विचार करने के बाद एक राष्ट्रीय ग्रेट इंडियन बस्टर्ड संरक्षण कार्य योजना शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने अभयारण्यों के बाहर बाघों के संरक्षण पर केंद्रित एक योजना का खाका पेश किया, जिसका उद्देश्य स्थानीय समुदायों के साथ सह-अस्तित्व सुनिश्चित करके मानव-बाघ संघर्षों का समाधान करना है। बोर्ड ने डॉल्फ़िन और एशियाई शेरों के संरक्षण के प्रयासों और एक अंतरराष्ट्रीय बिग कैट्स एलायंस की स्थापना पर चर्चा की। एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री ने जंगली जानवरों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (सीएमएस) के तहत सहयोग बढ़ाने का सुझाव दिया। इसमें कहा गया कि प्रस्तावित वन्यजीव रेफ़रल केंद्र वन्यजीव स्वास्थ्य और रोग प्रबंधन से संबंधित विभिन्न पहलुओं के समन्वय और शासन के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करेगा।एशियाई शेरों की आबादी का आकलन हर पांच साल में एक बार किया जाता है और इस तरह का आखिरी अभ्यास 2020 में आयोजित किया गया था। बयान के अनुसार बैठक में मोदी ने शेर आकलन अभ्यास के 16वें चक्र की इस साल मई में शुरुआत की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने यह भी घोषणा की कि मानव-वन्यजीव संघर्षों के प्रभावी प्रबंधन के लिए तमिलनाडु के कोयंबटूर में सैकॉन (सालिम अली सेंटर फॉर ऑर्निथोलॉजी एंड न

झारखंड में एनआरसी लागू करने का समय आ गया है : निशिकांत दुबे

नई दिल्ली(भाषा)। झारखंड में कथित जनसांख्यिकीय बदलाव का मुद्दा उठाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने सोमवार को कहा कि समय आ गया है कि केंद्र सरकार राज्य में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने पर विचार करे और अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हथकड़ी लगाकर बाहर निकाले। गोड्डा से सांसद ने दावा किया कि 2011 की जनगणना के अनुसार झारखंड में आदिवासियों की आबादी 45 प्रतिशत से घटकर 28 प्रतिशत पर आ गई है और साथ ही आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस राजनीतिक लाभ के लिए राज्य का इस्लामीकरण कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वे वोट के लिए केवल भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा, झारखंड आज ज्वालामुखी पर बैठा है। वह बांग्लादेश के साथ विलय के लिए तैयार है क्योंकि बांग्लादेशी घुसपैठियों (अवैध प्रवासियों) ने इसकी जनसांख्यिकी को पूरी तरह बदल दिया है। उन्होंने पीटीआई-वीडियो से बातचीत में कहा, अब समय आ गया है जब भारत सरकार को झारखंड के बारे में अलग तरीके से सोचना होगा। एनआरसी ही एकमात्र विकल्प बचा है। एनआरसी लागू करें। बांग्लादेशियों को पकड़ें और उन्हें भगाएं। उन्हें हथकड़ी लगाकर बाहर निकाला जाना चाहिए क्योंकि ट्रंप (प्रशासन) ने हथकड़ी लगाकर अवैध प्रवासियों को निर्वासित (अमेरिका से) किया है।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह इस

मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलेंगे, भाजपा सांसद ने कहा कि इसकी कोई जरूरत नहीं है क्योंकि शाह को मामले की जानकारी है। उन्होंने कहा, गृह मंत्री यह जानते हैं। वह इसे करना चाहते हैं। इसलिए आपने देखा कि दिल्ली में सरकार बनने के तुरंत बाद गृह मंत्री (शाह) ने यहां एक बैठक की। वह झारखंड के बारे में भी चिंतित हैं। प्रधानमंत्री भी समान रूप से चिंतित हैं। भाजपा सांसद ने कहा, किसी से बात करने की जरूरत नहीं है। अब इसे लागू करने का समय आ गया है। शाह ने शुक्रवार को दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया था कि वह भारत में अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को घुसने में मदद करने वाले नेटवर्कों के खिलाफ कड़ी कार्वाई करे। उन्होंने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा करार देते हुए इससे सख्ती से निपटने का आह्वान किया था। राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि लगातार खराब प्रदर्शन करने वाले पुलिस थानों और उप-डिवीजनों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

अदालत ने पूर्व सेबी प्रमुख बुच और पांच अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश पर चार मार्च तक रोक लगाई

मुंबई (भाषा)। बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को एसीबी से कहा कि सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश पर चार मार्च तक कोई कार्रवाई न की जाए। बुच, बीएसई के प्रबंध निदेशक सुंदररमन राममूर्ति और चार अन्य अधिकारियों ने उन पर दर्ज प्राथमिकी के आदेश के खिलाफ सोमवार को बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया था। मुंबई स्थित भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की विशेष अदालत ने शनिवार को शेयर बाजार में कथित धोखाधड़ी और विनियामकीय उल्लंघन के संबंध में बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया था।

बुच और अन्य की याचिका पर न्यायमूर्ति एस जी डिगे की एकल पीठ ने कहा कि याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई होगी और तब तक एसीबी की विशेष अदालत के आदेश पर कार्वाई नहीं होगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता बुच और सेबी के तीन मौजूदा पूर्णकालिक निदेशकों - अश्विनी भाटिया, अनंत नारायण जी और कमलेश चंद्र वार्ष्णेय की ओर से पेश हुए। वरिष्ठ अधिवक्ता अमित देसाई बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदररमन राममूर्ति और इसके पूर्व चेयरमैन और जनहित निदेशक प्रमोद अग्रवाल की ओर से पेश हुए।

याचिकाओं में विशेष अदालत के आदेश को अवैध और मनमाना बताते हुए इसे रद्द करने की मांग की गई। याचिकाओं में कहा गया कि यह आदेश कानूनी रूप से टिकने योग्य नहीं है, क्योंकि याचिकाकर्ताओं को नोटिस भी जारी नहीं किया गया और निर्णय लेने से पहले उनकी बात भी नहीं सुनी गई। एसीबी अदालत के न्यायाधीश शशिकांत एकनाथराव बांगर ने शनिवार को पारित आदेश में कहा था, प्रथम दृष्टया विनियामकीय चूक और मिलीभगत के सबूत हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है। अदालत ने कहा कि वह जांच की निगरानी करेगी और 30 दिनों के भीतर (मामले की) स्थिति रिपोर्ट मांगी गई है।

अदालत ने आदेश में यह भी कहा है कि आरोपों से संज्ञेय अपराध का पता चलता है, जिसके लिए जांच जरूरी है। इसमें कहा गया है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की निष्क्रियता के कारण सीआरपीसी (आपराधिक प्रक्रिया संहिता) के प्रावधानों के तहत न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत है।

शिकायतकर्ता सपन श्रीवास्तव, जो एक मीडिया रिपोर्टर हैं, ने कथित अपराधों की जांच की मांग की थी, जिसमें बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी, विनियामक उल्लंघन और भ्रष्टाचार शामिल है। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि सेबी के अधिकारी अपने वैधानिक कर्तव्य में विफल रहे, बाजार में हेरफेर को बढ़ावा दिया, तथा निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करने वाली कंपनी को सूचीबद्ध करने की अनुमति देकर कॉरपोरेट धोखाधड़ी के लिए रास्ता खोला। शिकायतकर्ता ने कहा कि कई बार पुलिस स्टेशन और संबंधित नियामक निकायों से संपर्क करने के बावजूद कोई कार्वाई नहीं की गई। भारत की पहली महिला सेबी प्रमुख बुच पर अमेरिका स्थित शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने हितों के टकराव के आरोप लगाए थे। उसके बाद राजनीतिक तनाव के बीच बुच ने शुक्रवार को अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा किया। सेबी ने कहा कि वह इस आदेश को चुनौती देने के लिए उचित कानूनी कदम उठाएगा और सभी मामलों में उचित विनियामक अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ईडी ने दो रियल्टी फर्म के खिलाफ छापेमारी में हजारों करोड़ रुकी संपत्ति की पहचान की

नई दिल्ली (भाषा)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में रियल्टी फर्म डब्ल्यूटीसी समूह और भूटानी ग्रुप के खिलाफ छापेमारी के दौरान हजारों करोड़ रुपए की संपत्ति की पहचान की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने एक बयान में बताया कि 27 फरवरी को दिल्ली, नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम में डब्ल्यूटीसी समूह और उसके प्रवर्तक आशीष भल्ला तथा भूटानी समूह और उसके प्रवर्तक आशीष भूटानी से जुड़े एक दर्जन ठिकानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापे मारे गए। बयान के मुताबिक, यह मामला दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) और फरीदाबाद पुलिस की ओर से डब्ल्यूटीसी समूह और उसके प्रवर्तकों आशीष भल्ला, सुपर्णा भल्ला, अभिजीत भल्ला तथा भूटानी इंफ्रा व अन्य के खिलाफ सैकड़ों घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और जालसाजी के आरोप में दर्ज दर्जनों प्राथमिकी से उपजा है। ए प्राथमिकी सैकड़ों घर खरीदारों और निवेशकों की शिकायतों के आधार पर दर्ज की गई थीं। भूटानी इंफ्रा ने पिछले हफ्ते एक बयान में कहा था कि उसने डब्ल्यूटीसी समूह के साथ सभी संबंध तोड़ लिए हैं और अब वह ईडी की जांच में पूरा सहयोग कर रहा है। डब्ल्यूटीसी समूह की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। ईडी ने कहा कि दिल्ली पुलिस की ईओडब्ल्यू और फरीदाबाद पुलिस की ओर से दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि डब्ल्यूटीसी फरीदाबाद इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड और उसके प्रवर्तकों ने आम जनता को शहर के सेक्टर 111-114 में अपनी आवासीय भूखंड परियोजना में निवेश करने के लिए प्रलोभन दिया। जांच एजेंसी के अनुसार, प्रवर्तकोंनिदेशकों ने एक आपराधिक साजिश रची और निर्धारित समय सीमा में परियोजना को पूरा नहीं करके तथा 10 साल से अधिक समय तक भूखंड न सौंपकर भूखंड खरीदारों की मेहनत की कमाई को हड़प लिया। ईडी के अनुसार, प्राथमिकी में यह भी आरोप लगाया गया है कि भूटानी इंफ्रा समूह ने डब्ल्यूटीसी समूह का अधिग्रहण कर लिया है और फरीदाबाद सेक्टर 111-114 में परियोजना को फिर से शुरू किया है, जिससे भूखंड खरीदारों को असमंजस में रखा गया है, निवेशकों के साथ धोखाधड़ी की गई है। जांच एजेंसी ने कहा कि छापेमारी के दौरान दिल्ली-एनसीआर में 15 परियोजनाओं के लिए विभिन्न निवेशकों से 3,500 करोड़ रुपए से अधिक राशि वसूले जाने से संबंधित दस्तावेज मिले हैं। हालांकि, ईडी ने यह नहीं बताया कि ए दस्तावेज कहां से बरामद किए गए हैं। उसने कहा कि समूह (डब्ल्यूटीसी) की 15 प्रमुख परियोजनाओं में से बहुत कम में आवंटन किया गया है, जिससे एक सुनियोजित पोंजी योजना , अन्य संस्थाओं के नाम पर परिसंपत्तियों का निर्माण और विदेश में धन की हेराफेरी का संकेत मिलता है। ईडी के मुताबिक, छापेमारी के दौरान यह भी पता चला कि 200 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि सिंगापुर और अमेरिका भेजी गई, जो विदेशी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए विदेश में निवेश का संकेत है।

वरिष्ठ सहकर्मी पर फाइल रखने का आरोप लगाने वाली आईपीएस अधिकारी वर्तिका कटियार का तबादला

बेंगलुरु (भाषा)। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी वर्तिका कटियार का सोमवार को तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया गया। उन्होंने कुछ दिन पहले अपनी वरिष्ठ सहकर्मी पर उनके कार्यालय में फाइल रखने का आरोप लगाया था। भारतीय पुलिस सेवा की 2010 बैच की अधिकारी बेंगलुरु के आंतरिक सुरक्षा प्रभाग में पुलिस उप महानिरीक्षक के पद पर कार्यरत थीं। तीन मार्च को जारी एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया, बेंगलुरु में आंतरिक सुरक्षा प्रभाग की पुलिस उप महानिरीक्षक आईपीएस (2010) वर्तिका कटियार का तत्काल प्रभाव से तबादला किया जाता है और अगले आदेश तक उन्हें पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं अतिरिक्त कमांडेंट जनरल, होम गार्ड्स और बेंगलुरु में नागरिक सुरक्षा के पदेन अतिरिक्त निदेशक के पद पर पदावनत रिक्त पद पर तैनात किया जाता है। हालांकि, कर्नाटक सरकार द्वारा जारी आदेश में तत्काल तबादले का कोई कारण नहीं बताया गया है। कटियार ने पिछले माह 2000 बैच की आईपीएस अधिकारी रूपा डी मौदगिल के खिलाफ मुख्य सचिव शालिनी रजनीश के समक्ष लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया था कि दो कनिष्ठ पुलिस अधिकारी उनकी अनुपस्थिति में नियंत्रण कक्ष से चाबियां लेकर उनके कार्यालय में घुस गए। कटियार ने आरोप लगाया कि कनिष्ठ अधिकारियों ने अपनी वरिष्ठ सहकर्मी के कहने पर यह काम किया और उनके कार्यालय में फाइल रख दीं।

आईआरसीटीसी, आईआरएफसी को नवरत्न का मिला दर्जा

नई दिल्ली (भाषा)। सरकार ने सोमवार को आईआरसीटीसी और आईआरएफसी को नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम (सीपीएसई) का दर्जा देने को मंजूरी दी। इसके साथ रेलवे के सूचीबद्ध सातों उपक्रम को नवरत्न का दर्जा मिल गया है। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) रेल मंत्रालय का एक उपक्रम है और भारत में एकमात्र इकाई है जो ऑनलाइन टिकट बुकिंग और खानपान सेवाएं देती है। बयान के अनुसार, रेलवे के उपक्रम आईआरसीटी का सालाना कारोबार वित्त वर्ष 2023-24 में 4,270.18 करोड़ रुपए और शुद्ध लाभ 1,111.26 करोड़ रुपए था। भारतीय रेलवे वित्त निगम (आईआरएफसी) सबसे प्रतिस्पर्धी दरों और शर्तों पर बाजार उधार के माध्यम से भारतीय रेलवे की अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (ईबीआर) की आवश्यकता को पूरा करने में मदद करता है। आईआरएफसी का वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना कारोबार 26,644 करोड़ रुपए और शुद्ध लाभ 6,412 करोड़ रुपए था।

दोनों सीपीएसई को बधाई देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडया मंच एक्स पर लिखा, नवरत्न का दर्जा मिलने पर आईआरसीटीसी और आईआरएफसी को बधाई। भारतीय रेलवे के 12 उपक्रम हैं जिनमें से सात सूचीबद्ध हैं। मंत्रालय ने कहा, रेलवे के सभी उपक्रम लाभ कमाने वाली इकाइयां हैं। उनका एकीकृत लाभ वित्त वर्ष बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 11,780 करोड़ रुपए हो गया है, जो 2020-21 में 7,015 करोड़ रुपए था। यह तीन वित्त वर्षों में 68 प्रतिशत की वृद्धि है।

इसमें कहा गया, पिछले तीन साल में सभी सूचीबद्ध रेलवे उपक्रमों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा है। मार्च, 2021 में यह 1.15 लाख करोड़ रुपए था जो दिसंबर, 2024 में बढ़कर 4.4 लाख करोड़ रुपए हो गया। सभी सूचीबद्ध इकाइयां लाभांश का भुगतान कर रही हैं। बयान के अनुसार, नवरत्न का दर्जा पाने वाला पहला केंद्रीय उपक्रम जुलाई, 2014 में कानकॉर (भारतीय कंटेनर निगम लि.) था। अधिकारियों के अनुसार रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के कार्यकाल में आरवीएनएल (रेल विकास निगम लि.), इरकॉन (इरकॉन इंटरनेशनल लि.), राइट्स लि., रेलटेल कॉरपोरेशन, आईआरसीटीसी और आईआरएफसी को नवरत्न का दर्जा दिया गया है।

हाइड्रोजन ईंधन वाले वाहनों के लिए पांच पायलट परियोजनाएं शुरू

नई दिल्ली(भाषा)। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत परीक्षण के लिए हाइड्रोजन ईंधन आधारित वाहनों का उपयोग करने को लेकर पांच पायलट परियोजनाएं शुरू की हैं। देशभर में पायलट परियोजनाओं के तहत परीक्षण के लिए बसों और ट्रकों सहित 37 हाइड्रोजन-ईंधन वाले वाहनों का उपयोग किया जाएगा। मंत्रालय ने बयान में कहा कि ए वाहन देशभर में 10 अलग-अलग मार्गों पर चलेंगे। बयान के अनुसार, उपरोक्त परियोजनाएं टाटा मोटर्स लि., रिलायंस इंडस्ट्रीज लि., एनटीपीसी, एएनईआरटी, अशोक लेलैंड, एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसीएल जैसी प्रमुख कंपनियों को दी गई हैं। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के हिस्से के रूप में, सरकार ने बसों और ट्रकों में हाइड्रोजन का उपयोग करने के लिए पांच पायलट परियोजनाएं शुरू की हैं। इससे पहले, मंत्रालय ने इस मिशन के तहत परिवहन क्षेत्र में पायलट परियोजनाओं को लागू करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे। मंत्रालय ने कहा कि उसके अनुसार विभिन्न प्रकार के हाइड्रोजन-आधारित वाहनों, मार्गों और हाइड्रोजन ईंधन भरने वाले स्टेशनों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे। विस्तृत जांच के बाद, कुल 37 वाहनों (बसों और ट्रकों) और नौ हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन से जुड़ी पांच पायलट परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। उपलब्ध कराई गई चयनित परियोजनाओं के लिए केंद्र से कुल वित्तीय सहायता लगभग 208 करोड़ रुपए होगी। इन पायलट परियोजनाओं के अगले 18 से 24 महीनों में चालू होने की संभावना है। इससे देश में ऐसी प्रौद्योगिकियों को बड़े स्तर पर पर बढ़ावा देने का रास्ता साफ होगा। मिशन का एक उद्देश्य पायलट आधार पर चरणबद्ध तरीके से बसों और ट्रकों में ईंधन के रूप में हरित हाइड्रोजन उपयोग को बढ़ावा देना है।

दक्षिण कोरिया का ईसीडीएस समूह मप्र में निवेश का इच्छुक : मोहन यादव

भोपाल (भाषा)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को कहा कि दक्षिण कोरियाई ईसीडीएस समूह राज्य में बनाए गए बेहतर औद्योगिक वातावरण को देखते हुए चिकित्सा उपकरण और नवीकरणीय ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करने में रुचि रखता है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को दक्षिण कोरिया के ईसीडीएस समूह के निवेशकों और शोधकर्ताओं के साथ बातचीत की। मुख्यमंत्री के साथ चर्चा में प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि समूह उज्जैन के मेडिकल डिवाइस पार्क में अनुसंधान और विनिर्माण पर केंद्रित एक इकाई स्थापित करने की दिशा में पहल कर रहा है।

देहरादून के परेड मैदान में जनजातीय उत्सव के दौरान प्रस्तुति देते कलाकार

फडणवीस का शिंदे के साथ शीत युद्ध से इनकार

● कहा, सलीम-जावेद से मुकाबला करना चाहते हैं संजय राउत

मुंबई (भाषा)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को उनके और उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच शीत युद्ध की अटकलों को खारिज कर दिया और शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत का मजाक उड़ाते हुए कहा कि वह(राउत) महान पटकथा लेखक सलीम-जावेद के साथ प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं। फडणवीस सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा के चार सप्ताह के बजट सत्र से पहले कैबिनेट बैठक और पारंपरिक चाय पार्टी के बाद उपमुख्यमंत्रियों शिंदे और अजीत पवार के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, कोई युद्ध नहीं है। जो लोग हम दोनों को जानते हैं, वे जानते होंगे कि जब हम साथ होते हैं तो हम क्या करते हैं।

फडणवीस ने कहा कि सत्तारूढ़ महायुति के सभी सहयोगी - भाजपा, शिवसेना और राकांपा - एकजुट होकर काम कर रहे हैं। शिवसेना के प्रमुख शिंदे ने कहा कि पिछले साल राज्य चुनावों में महायुति की शानदार जीत के बाद नई सरकार की बजट सत्र के लिए सदन की पहली कार्यवाही होगी। शिंदे ने कहा, बस इतना हुआ है कि फडणवीस और मैंने अपनी कुर्सियां बदल ली हैं। केवल अजित पवार की कुर्सी वही है।

चुनाव से पहले शिंदे मुख्यमंत्री थे और फडणवीस उप मुख्यमंत्री के पद पर तैनात थे। पवार ने पलटवार करते हुए कहा, अगर आप अपनी कुर्सी नहीं बचा पाए तो मैं क्या कर सकता हूं, इस पर तीनों जोर से हंसने लगे। फडणवीस ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया जिसमें दावा किया गया था कि उन्होंने अपने पूर्ववर्ती द्वारा लिए गए निर्णयों पर रोक लगाई है। उन्होंने कहा, मैंने शिंदे द्वारा लिए गए किसी भी निर्णय पर रोक नहीं लगाई है। मुख्यमंत्री एवं उनके सहयोगियों ने शिवसेना नेता संजय राउत के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि शिंदे ने सुबह चार बजे पुणे में केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर फडणवीस के खिलाफ शिकायत की थी। शिंदे ने कहा कि शाह भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के नेता हैं। पवार ने कहा कि यह सुबह 10 बजे की शिष्टाचार मुलाकात थी। फडणवीस ने कहा कि वह भी बैठक में मौजूद थे।

राउत ने रविवार को शिवसेना के मुखपत्र सामना में अपने साप्ताहिक

मुंबई महाराष्ट्र विधानसभा सत्र के आरंभ होने के अवसर पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का स्वागत करते मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

स्तंभ रोखठोक में दावा किया कि यह बैठक 22 फरवरी को पुणे के कोरेगांव पार्क स्थित एक होटल में हुई थी। उन्होंने दावा किया कि 57 विधायकों के नेता शिंदे को शाह से मिलने के लिए सुबह चार बजे तक जागना पड़ा।

फडणवीस ने कहा कि राउत सलीम खान और जावेद अख्तर की प्रतिष्ठित पटकथा लेखन जोड़ी सलीम-जावेद के साथ प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं, जबकि शिंदे ने दावा किया कि शिवसेना (उबाठा) नेता के दिमाग में केमिकल लोचा है। संरक्षक मंत्रियों के पदों से लेकर अलग-अलग समीक्षा बैठकें करने, परियोजनाओं की निगरानी के लिए अलग-अलग चिकित्सा प्रकोष्ठ और वॉर रूम बनाने तक के बीच मतभेदों के कारण, फडणवीस और शिंदे के बीच असहजता की खबरें थीं।

जब शिंदे से उनके मुझे हल्के में न लें वाले बयान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि यह उन लोगों के लिए था जो उन्हें हल्के में लेते थे और उन्होंने उन्हें सबक सिखाया। शिंदे ने उद्धव ठाकरे का परोक्ष संदर्भ दिया। फडणवीस ने कहा, मैं शिंदे को हल्के में नहीं लेता, इसलिए यह टिप्पणी उन लोगों के लिए थी जो उन्हें कम आंकते थे। उन्होंने विधानसभा सत्र की पूर्व संध्या पर पारंपरिक चाय पार्टी का बहिष्कार करने के लिए विपक्ष पर भी निशाना साधा। विपक्ष के एक पत्र का हवाला देते हुए फडणवीस ने कहा, यह नौ पन्नों का है। इसमें नौ विपक्षी नेताओं के नाम हैं, जिनमें से सात ने हस्ताक्षर किए हैं। उल्लेखित सभी मुद्दे समाचार पत्रों की रिपोर्टों पर आधारित हैं और अगर उन्होंने इन लेखों पर सरकार की प्रतिक्रिया पढ़ी होती, तो विपक्ष आधे पन्ने का पत्र भी नहीं लिख पाता। उन्होंने कहा कि सरकार को विपक्ष से बातचीत करनी चाहिए, जब हम उन्हें बातचीत के लिए बुलाते हैं, तो वे बहिष्कार कर देते हैं। बैठक में विपक्ष का कोई भी वरिष्ठ नेता मौजूद नहीं था। विपक्षी खेमे में हम साथ-साथ हैं की जगह हम आपके हैं कौन की नीति चल रही है।

पेटीएम की मूल कंपनी ने आरबीआई को नहीं दी जरूरी जानकारी, ईडी ने दिया 611 करोड़ का नोटिस

नई दिल्ली(भाषा)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने विभिन्न मामलों में फेमा के नियमों के उल्लंघन के लिए पेटीएम की मूल कंपनी और उससे जुड़ी इकाइयों को 611 करोड़ रुपए का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह नोटिस न्यायिक कार्यवाही शुरू होने से पहले जांच एजेंसी के एक विशेष निदेशक ने जारी किया है। प्रवर्तन निदेशालय ने बयान में कहा कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के लगभग 611 करोड़ रुपए के उल्लंघन के लिए पेटीएम की प्रमुख कंपनी वन 97 कम्युनिकेशन लि. (ओसीएल), इसके प्रबंध निदेशक और लिटिल इंटरनेट प्राइवेट लि. और नियरबाय इंडिया प्राइवेट लि. जैसी पेटीएम की अन्य अनुषंगी कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जांच में पाया गया कि वन 97 कम्युनिकेशन लि. ने सिंगापुर में विदेशी निवेश किया और अनुषंगी की वैश्विक अनुषंगी के गठन के बारे में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को आवश्यक सूचना नहीं दी। इसमें आरोप लगाया गया कि वन 97 कम्युनिकेशन ने आरबीआई के निर्धारित उचित मूल्य निर्धारण दिशानिर्देशों का पालन किए बिना विदेशी निवेशकों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) भी प्राप्त किया था। अन्य अनुषंगी कंपनी... नियरबाय इंडिया प्राइवेट लि. ने आरबीआई की समयसीमा के भीतर कंपनी द्वारा प्राप्त एफडीआई के बारे में जानकारी नहीं दी। पेटीएम ने पिछले शनिवार शेयर बाजार को दी सूचना में कहा था कि उसे कंपनी और उसकी दो अनुषंगी कंपनियों... लिटिल इंटरनेट और नियरबाय... के कुछ निवेश लेनदेन के संबंध में फेमा नियमों के कथित उल्लंघन के लिए ईडी से नोटिस मिला है। बाद में, पेटीएम ने स्पष्ट किया कि कथित उल्लंघन उस अवधि से संबंधित है जब दोनों कंपनियां उसकी अनुषंगी कंपनियां नहीं थीं। इसने 2017 में दोनों कंपनियों का अधिग्रहण किया था।

पीडीपी ने अनुच्छेद-370 को निरस्त करने के कदम को वैध ठहराने के लिए नेकां की आलोचना की

श्रीनगर(भाषा)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) पर जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद-370 को निरस्त करने के कदम को वैध ठहराने का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से केंद्र-शासित प्रदेश के लोगों के अधिकारों और स्वाभिमान के लिए खड़े होने का आह्वान किया। महबूबा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जम्मू-कश्मीर की समस्याएं राज्य का दर्जा बहाल किए जाने तक सीमित नहीं हैं। बजट सत्र के पहले दिन जम्मू-कश्मीर विधानसभा में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के अभिभाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए महबूबा ने कहा कि इसमें पिछले साल नवंबर में सदन में अनुच्छेद-370 की बहाली के लिए पारित प्रस्ताव का कोई जिक्र नहीं था। उन्होंने कहा, इस सरकार ने उस प्रस्ताव का जिक्र करने की हिम्मत नहीं की, जिसके बारे में उसने दावा किया था कि वह अनुच्छेद-370 की बहाली के लिए है। पीडीपी प्रमुख ने सवाल किया, हमारे मुख्यमंत्री कहते हैं कि वह (अरविंद) केजरीवाल नहीं बनना चाहते। कोई उनसे केजरीवाल बनने को नहीं कह रहा, लेकिन खुदा के लिए अपने लोगों के अधिकारों और स्वाभिमान के लिए खड़े हो जाइए। आखिर लोगों ने आपको वोट क्यों दिया? महबूबा आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का जिक्र कर रही थीं, जिन्हें कथित आबकारी घोटाले के सिलसिले में कई महीने जेल में गुजारने पड़े थे। पीडीपी प्रमुख ने कहा, जम्मू-कश्मीर की समस्याएं राज्य का दर्जा बहाल किए जाने तक सीमित नहीं हैं। हम बेदखली की समस्या से जूझ रहे हैं। हमें अपनी संपत्ति, खनिज, नौकरी आदि से बेदखल किया जा रहा है। लोगों ने आपको इन चीजों को दुरुस्त करने के लिए चुना है। महबूबा ने कहा कि उनकी पार्टी ने 2015 से 2018 तक जम्मू-कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन में सरकार चलाई, लेकिन पार्टी को अपना एजेंडा लागू नहीं करने दिया। उन्होंने कहा, हमारा एजेंडा ही गठबंधन का एजेंडा बन गया था, चाहे वह पत्थरबाजों के लिए माफी हो या अलगाववादियों को बातचीत के लिए पत्र लिखना हो। दुर्भाग्य से, ऐसा लगता है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (भाजपा के दबाव के आगे) झुक गई है।

कर्ज लेने वाली महिलाओं की संख्या पांच साल में सालाना 22 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली(भाषा)। भारत में कर्ज लेने वाली महिलाओं की संख्या पिछले पांच वर्षों में 22 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ी है, जिनमें से अधिकांश कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों से हैं। सोमवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं के ऋण का बड़ा हिस्सा उपभोग की मांग को पूरा करने के लिए था और तुलनात्मक रूप से व्यवसायों के लिए कम कर्ज लिया गया। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी वी आर सुब्रमण्यम ने भारत में वित्तीय वृद्धि की कहानी में महिलाओं की भूमिका शीर्षक वाली यह रिपोर्ट जारी की। यह रिपोर्ट ट्रांसयूनियन सिबिल, नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी) और माइक्रोसेव कंसल्टिंग (एमएससी) ने प्रकाशित की है। एक बयान के मुताबिक, भारत में ऋण लेने वाली महिलाओं की संख्या वर्ष 2019 और 2024 के बीच 22 प्रतिशत की चक्रवृद्धि दर से बढ़ी है। जहां उपभोग ऋण महिला उधारकर्ताओं द्वारा लिया जाने वाला पसंदीदा उत्पाद बना हुआ है वहीं अब अधिक महिलाएं कारोबारी कर्ज भी ले रही हैं। रिपोर्ट कहती है कि 2024 में व्यवसायों के वित्तपोषण के लिए महिलाओं ने सिर्फ तीन प्रतिशत कर्ज लिया जबकि व्यक्तिगत ऋण, उपभोक्ता टिकाऊ ऋण, गृह स्वामित्व जैसे व्यक्तिगत वित्त उत्पादों के लिए 42 प्रतिशत और सोने के बदले 38 प्रतिशत कर्ज लिए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 से कारोबार के इरादे से खोले गए ऋण खातों की संख्या में 4.6 गुना वृद्धि हुई है लेकिन ये ऋण 2024 में महिलाओं द्वारा लिए गए कुल ऋणों का सिर्फ तीन प्रतिशत हैं। सरकारी शोध संस्थान नीति आयोग ने बयान में कहा कि भारत में अधिक महिलाएं ऋण लेना चाह रही हैं और सक्रिय रूप से अपने क्रेडिट स्कोर की निगरानी भी कर रही हैं। दिसंबर, 2024 तक करीब 2.7 करोड़ महिलाएं अपने कर्ज पर नजर रखे हुए थीं जो उनकी बढ़ती वित्तीय जागरूकता को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला उधारकर्ताओं में से 60 प्रतिशत कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों से थीं। एमएससी के प्रबंध निदेशक मनोज कुमार शर्मा ने कहा, यह महानगरों से परे एक गहरी वित्तीय छाप को रेखांकित करता है।

ट्रंप के सहयोगियों ने जेलेंस्की की आलोचना की

भाषा। फीनिक्स (अमेरिका)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वरिष्ठ सहयोगियों ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की आलोचना की है।यूक्रेनी नेता के रूसी हमले के खिलाफ लड़ाई के वास्ते अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने के लिए लंदन में एक यूरोपीय शिखर सम्मेलन में शिरकत के बीच अमेरिकी अधिकारियों ने उन्हें आड़े हाथों लिया है।शुक्रवार को ओवल ऑफिस में बैठक में दौरान जेलेंस्की और ट्रंप तथा उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की बीच तीखी बहस हुई थी। नेताओं के बीच हुई बहस के बाद वाशिंगटन और कीव के बीच एक आर्थिक समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हो सके। इस विवाद के कारण यूक्रेन के साथ रिश्ते का भविष्य सवालों के घेरे में आ गया है। साथ ही संघर्ष के समाप्त होने की संभावना भी खतरे में पड़ गई है जो फरवरी 2022 में रूस के आक्रमण के बाद शुरू हुआ था।व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज ने कहा कि व्हाइट हाउस में ज़ेलेंस्की का व्यवहार "अपमानजनक" था।उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि शुक्रवार को जो हुआ उसके बाद राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की इस युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से बातचीत करने और समझौता करने के लिए तैयार हैं या नहीं।वाल्ट्ज ने कहा कि युद्ध को बातचीत के माध्यम से समाप्त करने के लिए यूक्रेन से क्षेत्रीय रियायतें और साथ ही सुरक्षा गारंटी पर रूसी रियायतें शामिल होंगी, लेकिन उन्होंने इस बारे में कोई और विवरण नहीं दिया कि मॉस्को को क्या करना होगा।प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने भी इस सुझाव को दोहराया कि ज़ेलेंस्की को पद से हटना पड़ सकता है।जॉनसन ने कहा,या तो उन्हें होश में आना चाहिए और कृतज्ञता के साथ बातचीत की मेज पर वापस लौटना चाहिए, या किसी और को देश का नेतृत्व करके ऐसा करना चाहिए। मेरा मतलब है, यह यूक्रेनियों पर निर्भर है कि वे इसका हल निकालें। लेकिन मैं आपको बता सकता हूं कि हम मजबूती के साथ शांति की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कहा कि इस विवादास्पद बैठक से "रिश्तों में बड़ी दरारें पैदा हो गई है। गबार्ड ने ज़ेलेंस्की की उस टिप्पणी पर भी आपत्ति जताई जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें नहीं लगता कि उन्होंने कुछ गलत किया है।ओवल ऑफिस में हुई बैठक के बाद कांग्रेस के रिपब्लिकनों के बीच ज़ेलेंस्की के लिए समर्थन बहुत कम रहा है। लेकिन अलास्का की सीनेटर लीज़ा मुर्कोव्स्की ने यूक्रेन के लोगों के प्रति रिपब्लिकन राष्ट्रपति के रुख की आलोचना की। लीज़ा सार्वजनिक रूप से ट्रम्प से नाता तोड़ने के लिए तैयार कुछ जीओपी सांसदों में से एक हैं।उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा मुझे पता है कि विदेश नीति दिल के कमज़ोर लोगों के लिए नहीं है, लेकिन अभी, मैं बहुत परेशान हूँ क्योंकि प्रशासन हमारे सहयोगियों से दूर जा रहा है और पुतिन को गले लगा रहा है।

रूस के साथ युद्ध समाप्त होने के दूर, दूर तक आसार नहीं : जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेस्की ने कहा कि उनके देश और रूस के बीच जारी युद्ध समाप्त होने के अभी दूर, दूर तक आसार नही है। उन्होने उम्मीद जताई कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनके हाल के तनावपूर्ण संबंधो के बावजूद अमेरिका की तरफ से उन्हे समर्थन मिलता रहेगा। जेलेस्की ने पिछले तीन वर्षो से जारी युद्ध मे अमेरिका की ओर से मिले समर्थन का जिक्र करते हुए रविवार देर रात कहा, मेरा मानना है कि हमारा संबंध (अमेरिका के साथ) ऐसे ही मजबूत रहेगा। उन्होने लंदन से रवाना होने से पहले एक प्रेस वार्ता मे कहा, मेरा मानना है कि यूक्रेन की अमेरिका के साथ इतनी मजबूत साझेदारी है कि सहायता जारी रह सके। जेलेस्की लंदन के दौरे पर थे जहां ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने यूक्रेन को समर्थन देने के लिए यूरोप के नेताओ की बैठक बुलाई थी।

चीन के वार्षिक संसद सत्र में आर्थिक सुस्ती, ट्रंप की शुल्क धमकियों जैसे मुद्दे छाए रहेंगे

भाषा। बीजिंग

बीजिंग में मंगलवार से शुरू हो रहे चीनी संसद के वार्षिक सत्र में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीनी सामान पर शुल्क लगाने की धमकी, वाशिंगटन की बीजिंग विरोधी नीतियों और आर्थिक सुस्ती का मुद्दा छाया रहने की संभावना है। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) और चायनीज पीपुल्स पॉलिटिकल कंसल्टेटिव कॉन्फ्रेंस (सीपीपीसीसी) के 5,000 से अधिक प्रतिनिधि लगभग दो हफ्ते तक चलने वाले सत्र के लिए मंगलवार को बीजिंग में जुटेंगे। सत्र में वर्ष 2025 में चीन को आगे ले जाने के लिए सत्तारूढ़ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के एजेंडे और विभिन्न कानूनों पर चर्चा की जाएगी।

सीपीसी की नीतियों के नियमित समर्थन के कारण रबर स्टांप विधायिका के रूप में पहचानी जाने वाली एनपीसी चीन की मुख्य नीति निर्माता निकाय है। वहीं, सीपीपीसीसी देश का सलाहकार निकाय है, जिसमें चीनी समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल हैं। यह निकाय शासन में सुधार के लिए विचार-विमर्श करता है और सिफारिशें आगे बढ़ाता है। एनपीसी का सत्र बुधवार को प्रधानमंत्री ली क्वींग के कार्य रिपोर्ट और बजट पेश करने के साथ शुरू होगा। कार्य रिपोर्ट में चीन द्वारा पिछले साल हासिल उपलब्धियों का जिक्र होगा, जिसमें संपत्ति बाजार में सुस्ती के कारण अरबों डॉलर के नुकसान और घरेलू मांग में भारी कमी के बावजूद सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के पांच प्रतिशत के आधिकारिक लक्ष्य की प्राप्ति भी शामिल है। विशाल तियानमेन चौक के सामने ग्रेट हॉल ऑफ पीपल में आयोजित होने वाले सत्र में चीन द्वारा अमेरिका भेजे जाने वाले 436 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात पर 10 फीसदी शुल्क लगाने की ट्रंप की धमकी का मुद्दा उठेगा। ट्रंप ने कहा है कि चीन से आने वाले सामान पर 10 फीसदी का नया शुल्क मंगलवार से लागू होगा, जिस दिन एनपीसी सत्र शुरू होगा।

चीन ने गलवान में घायल सैन्य अधिकारी को सलाहकार निकाय का विशिष्ट सदस्य बनाया

बीजिंग। चीन ने 2020 में भारतीय सैनिकों के साथ गलवान घाटी में सीमा पर हुई झड़प में घायल हुए सेना के एक रेजिमेंट कमांडर को राष्ट्रीय सलाहकार निकाय चाइनीज पीपुल्स पॉलिटिकल कंसल्टेटिव कॉन्फ्रेंस का विशिष्ट सदस्य बनाकर सम्मानित किया है। ग्लोबल टाइम्स के हवाले से बताया है कि रविवार को बीजिंग में आयोजित एक समारोह में सीपीपीसीसी सदस्यों के लिए 2024 के उत्कृष्ट प्रदर्शन पुरस्कार से सम्मानित 33 लोगों में क्यूई फबाओ भी शामिल थे। वर्ष 2022 में, क्यूई को शीतकालीन ओलंपिक के लिए मशालवाहक बनाया गया, जिसके कारण भारतीय राजनयिकों ने इस आयोजन के उद्घाटन और समापन समारोहों का बहिष्कार किया था। इससे पहले क्यूई को केंद्रीय सैन्य आयोग द्वारा सीमा की रक्षा के लिए हीरो रेजिमेंटल कमांडर की उपाधि से सम्मानित किया गया था।

ईरानी मंत्री ने कट्टरपंथियों के दबाव में इस्तीफा दिया

तेहरान। अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के साथ 2015 में परमाणु समझौता कराने में अहम भूमिका निभाने वाले ईरान के पूर्व विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ ने कथित तौर पर कट्टरपंथियों के दबाव के आगे झुकते हुए सुधारवादी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की सरकार से सोमवार को इस्तीफा दे दिया। जरीफ के इस्तीफे से यह संकेत मिलता है कि ईरान पश्चिम के साथ अपने संबंधो से तेजी से पीछे हट रहा है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप देश पर लगाए गए प्रतिबंधों को और कड़ा कर रहे है।पेजेशकियन के कार्यकाल में उपराष्ट्रपति रह चुके है और लंबे समय से देश के कट्टरपंथियो के निशाने पर रहे है। उन्होने इससे पहले भी एक बार इस्तीफा देने की कोशिश की थी और फिलहाल यह स्पष्ट नही हो पाया है कि इस बार पेजेशकियन ने उनका इस्तीफा स्वीकार किया है या नही।

शॉप्सी मेला से जुड़ेंगे आमजन

बेंगलुरु। भारत के सबसे तेजी से बढ़ते हाइपर-वैल्यू ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों में से एक, शॉप्सी बाय फ्लिपकार्ट, वर्ष के सबसे प्रतीक्षित कार्यक्रम, ग्रैंड शॉप्सी मेला को लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है।1 से 9 मार्च तक आयोजित होने वाले इस वर्ष के मेले में भारत के प्रिय पारंपरिक मेलों के आनंद और उत्साह को डिजिटल दुनिया में लाने का वादा किया गया है, जिससे देश भर के परिवारों के लिए एक अविस्मरणीय खरीदारी का अनुभव तैयार होगा। शॉपिंग मेला सबसे बड़ा, प्राइसेस सबसे छोटे थीम के साथ, ग्रैंड शॉप्सी मेला वैल्यू शॉपिंग के शॉप्सी की बिजनेस हेड प्रत्यूषा अग्रवाल ने कहा भारत में हमारे खरीदारों के लिए, बिक्री एक इवेंट है, लेकिन मेला एक वाइब है, एक ऐसा अनुभव जो उत्साह, खोज और परिवार के साथ साझा किए गए पलों से भरा है। ग्रैंड शॉप्सी मेला भारत के जेन जेड और मिलेनियल शॉपर्स के लिए पसंदीदा जगह बन गया है, जो अपनी डिजिटल समझदारी और मूल्य-सचेत विकल्पों के साथ ऑनलाइन शॉपिंग को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। चूंकि हमारे 90 प्रतिशत नए उपभोक्ता मिलेनियल्स और जेन जेड हैं, और हमारे लगभग 70 प्रतिशत मौजूदा ग्राहक टियर-2 और टियर-3 क्षेत्रों से हैं, इसलिए हम एक रोमांचक, उच्च-ऊर्जा खरीदारी अनुभव विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो क्षेत्रीय प्रासंगिकता और गुणवत्ता के साथ सामर्थ्य को जोड़ता है।

केएल को ग्रीन ऊर्जा व ऊर्जा दक्षता पुरस्कार

बंगलुरू। केएल डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी को स्थिरता और ऊर्जा दक्षता में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय को प्रतिष्ठित एनर्जी ट्रांजिशन एक्सीलेंस अवार्ड् एकेडेमिया 5वें ग्रीन उर्जा और ऊर्जा दक्षता अवाइर्स 2024 में प्राप्त हुआ। इस पुरस्कार का आयोजन इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स कोलकाता द्वारा किया गयाए जिसमें डेलॉइट ज्ञान भागीदार के रूप में शामिल था। यह सम्मान नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।ग्रीन उर्जा और ऊर्जा दक्षता पुरस्कार उन संस्थानों और व्यक्तियों को सम्मानित करता है जो स्थायी ऊर्जा भविष्य की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। यह आयोजन ले मेरिडियन नई दिल्ली में हुआ जहां केएल डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी को नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों के एकीकरणए स्थिरता पहल को बढ़ावा देने और शैक्षणिक क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण में प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। केएल डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के डीनए पी एंड डीए डॉ. बुल्लांकी राजेश ने इस सम्मान पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार हमारी स्थिरता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम लगातार उन्नत ऊर्जा समाधान लागू कर रहे हैंए जो हरित भविष्य में योगदान देते हैं और ऊर्जा संरक्षण के प्रयास जारी रखेंगे।

हसीना शासन के रिकॉर्ड को संरक्षित करना महत्वपूर्ण : यूनुस

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रशासन के दौरान किए गए कथित अत्याचारों के दस्तावेजों को सावधानीपूर्वक संरक्षित करने का आह्वान किया है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों के साथ रविवार को हुई बैठक के दौरान यूनुस ने इस बात पर जोर दिया कि उचित अभिलेखीय प्रणाली के बिना सच्चाई जानना और न्याय सुनिश्चित करना मुश्किल है। मुख्य सलाहकार की प्रेस शाखा द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र की रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर ग्वेन लुईस और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञ हुमा खान के साथ बातचीत के दौरान मुख्य सलाहकार ने शापला चत्तर में प्रदर्शनकारियों पर की गई कार्वाई, डेलवर हुसैन सईदी के फैसले के बाद प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की बर्बरता और वर्षों की कथित न्याएतर हत्याओं का हवाला दिया।

गाजा में राहत सामग्री रोकने पर इजराइल की आलोचना

भाषा। तेल अवीव

गाजा में सभी खाद्य वस्तुओं और रसद का प्रवेश रोके जाने के कारण इजराइल को तीखी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इजराइल ने रविवार को गाजा पट्टी में सभी वस्तुओं और रसद का प्रवेश रोकते हुए चेतावनी दी थी कि यदि हमास संघर्षविराम की अवधि को बढ़ाने संबंधी नए प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करता है तो उसे अतिरिक्त परिणाम भुगतने होंगे। मध्यस्थों मिस्र और कतर ने इजराइल पर भुखमरी को हथियार के रूप में इस्तेमाल करके मानवीय कानून का उल्लंघन करने का रविवार को आरोप लगाया। हमास ने इजराइल पर संघर्षविराम समझौते को पटरी से उतारने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सहायता पर रोक संबंधी उसका फैसला युद्ध अपराध है और समझौते (संघर्षविराम) पर हमला है। यह समझौता जनवरी में हुआ था। इजराइल-हमास के बीच संघर्षविराम का पहला चरण शनिवार को समाप्त हो गया। इसमें मानवीय सहायता में वृद्धि देखी गई। दोनों पक्षों के बीच अभी दूसरे चरण पर बातचीत होनी बाकी है, जिसमें इजराइल अपनी सेना वापस बुलाएगा और स्थाई संघर्षविराम करेगा। इसके बदले में हमास शेष बंधकों को रिहा करेगा। इजराइल ने रविवार को कहा कि अमेरिका के नए प्रस्ताव में संघर्ष विराम को रमजान और यहूदी पासओवर अवकाश (जो 20 अप्रैल को समाप्त होगा) तक बढ़ाने का आह्वान किया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इस प्रस्ताव के तहत हमास पहले दिन आधे बंधकों को रिहा कर देगा और बाकी को तब रिहा करेगा जब स्थाई युद्ध विराम पर समझौता हो जाएगा। हमास ने वर्तमान में 59 लोगों को बंधक बना रखा है, जिनमें से 35 के मारे जाने की आशंका है। अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता ब्रायन ह्यूग्स ने नए प्रस्ताव पर कोई टिप्पणी किए बिना कहा कि इजराइल जो भी निर्णय लेगा, अमेरिका उसका समर्थन करेगा।इजराइली प्रधानमंत्री ने कहा कि इजराइल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ पूर्ण समन्वय बिठाकर काम कर रहा है। गाजा पट्टी की पूर्ण घेराबंदी करने के इजराइल के फैसले की मिस्र ने निंदा की है और उस पर भुखमरी को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती ने इजराइल-हमास युद्धविराम के अगले चरण के तत्काल कार्यान्वयन का आह्वान किया।

हाइफा में चाकू से हमले में एक व्यक्ति की मौत और चार घायल:अधिकारी

भाषा। यरुशलम

इजराइल के उत्तरी शहर हाइफा में सोमवार को चाकू से किए गए हमले में करीब 60 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। इजराइली अधिकारियों ने बताया कि हमलावर मारा गया है।पुलिस ने बताया कि एक पारगमन केंद्र में यह घटना हुई। पुलिस ने कहा कि वह इस हमले को एक आतंकवादी हमला मानकर चल रही है। एक सुरक्षा गार्ड और एक नागरिक ने हमलावर को मार गिराया। पुलिस ने बताया कि हमलावर अरबी मूल का इजराइली नागरिक था। वह कुछ समय विदेश में रहने के बाद हाल ही में इजराइल लौटा था। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब गाजा में युद्ध विराम को लेकर तनाव चरम पर है। फलस्तीन के इस्लामी चरमपंथी संगठन हमास ने इस हमले का समर्थन किया, लेकिन उसने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

पश्चिमी जर्मनी में कार ने भीड़ को रौंदा : एक की मौत

बर्लिन। पश्चिमी जर्मनी मे सोमवार को एक कार चालक ने अपने वाहन से भीड़ को रौंद दिया जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए है। पुलिस ने यह जानकारी दी। मैनहेम शहर की पुलिस ने लोगो से शहर के मुख्य इलाके से दूर रहने और अपने घरो के अंदर रहने को कहा है। उसने बताया कि संदिग्ध को हिरासत मे ले लिया गया है। पुलिस प्रवक्ता स्टीफन विल्हेम ने बताया कि मैनहेम मे पैदल चलने वालो के लिए बनी सड़क परेडप्लाट्ज मे एक वाहन चालक ने अपने वाहन से लोगो के एक समूह को रौंद दिया, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होने बताया कि कई लोग घायल हुए है। पुलिस हालांकि, घायलो की संख्या की जानकारी नही दी है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, हम पुष्टि कर सकते है कि एक अपराधी को गिरफ्तार किया गया है।हम अभी यह जानकारी नही दे सकते कि क्या और भी अपराधी थे। घटनास्थल से प्राप्त तस्वीरो मे दिख रहा है कि इलाके को घेर लिया गया है और वहां पर पुलिस बल की भारी मौजूदगी है, हेलीकॉप्टर ऊपर मंडरा रहे है। पुलिस एक बुरी तरह क्षतिग्रस्त काली कार के चारो ओर है, जबकि एंबुलेस घेरे के बाहर खड़ी है।इससे पहले विल्हेम ने इस घटना को जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाली स्थिति बताया।परेडप्लाट्ज शहर के बीचोबीच स्थित एक मुख्य चौराहा है। फ्रैंकफर्ट से करीब 85 किलोमीटर दक्षिण मे स्थित मैनहेम की आबादी करीब 3.26 लाख है।

दुनिया में दिखेगी कन्नेडा का की पहचान

मुंबई। संगीत, पैसा और तबाही यही वह घातक मेल है, जो निम्मा को अपराध की दुनिया में धकेल देता है। जियोहॉटस्टार ने अपनी बहुप्रतीक्षित सीरीज 'कन्नेडा' के ट्रेलर की घोषणा कर दी है, जो 21 मार्च 2025 को रिलीज होने वाली है। जार पिक्चर्स के बैनर तले बनी और चंदन अरोड़ा द्वारा निर्देशित यह सीरीज़ एक ऐसी दुनिया को उजागर करती है, जहां हर कोई अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। यहां कोई आपका खुले दिल से स्वागत नहीं करता, बल्कि हर कदम पर आपको अपनी पहचान और ताकत साबित करनी पड़ती है। कन्नेडा जबरदस्त एक्शन, ड्रामा और अनदेखे ट्विस्ट्स से भरपूर है, जिसमें परमिश वर्मा निम्मा की दमदार भूमिका निभा रहे हैं। शो में मोहम्मद ज़ीशान अयूब, रणवीर शौरी, अरुणोदय सिंह, आदर मलिक और जैस्मीन बाजवा जैसे शानदार कलाकार भी नजर आएंगे।परमिश वर्मा कहते हैं, 'कन्नेडा' सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि यह उन भारतीयों के संघर्ष, सपनों और महत्वाकांक्षाओं का आईना है, जो विदेश में अपना मुकाम बनाना चाहते हैं। निम्मा की जर्नी मेरे लिए बेहद खास रही, क्योंकि मैंने भी कई बार खुद को एक बाहरी इंसान की तरह महसूस किया है। लेकिन निम्मा की दुनिया कहीं ज्यादा बेरहम है, जहाँ अस्तित्व और ताकत की बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ती है। इस किरदार को निभाना मेरे लिए सिर्फ एक एक्टिंग प्रोजेक्ट नहीं था, बल्कि एक ऐसा अनुभव था, जिसमें मैं पूरी तरह डूब गया। मैंने निम्मा को सिर्फ निभाया नहीं, बल्कि जिया है इतना कि 'कन्नेडा' के बाद मैंने कोई और प्रोजेक्ट नहीं लिया।

दोसांझ को बनाया ग्लोबल ब्रांड अम्बेसडर

मुंबई। लिवाइस ब्राण्ड ने विश्वस्तरीय आइकन दिलजीत दोसांझ को अपना नया अम्बेसडर बनाने की घोषणा की है। म्युज़िकए सिनेमा और स्टाइल के नियमों को नया आयाम देने के लिए विख्यात दिलजीत लिवाइस के साथ जुड़ने वाले पहले पंजाबी कलाकार हैं जो ब्राण्ड की रचनात्मक प्रतिभा की बढ़ती कम्युनिटी में शामिल हो गए हैं।अपने रिकॉर्ड तोड दिल.लुमिनाटी टूर और इतिहास रचने वाले कोचेला डेब्यु के बाद यह साझेदारी लिवाइस के सदाबहार आकर्षण को दिलजीत की अग्रणी यात्रा के साथ जोड़ती है। से लेकर लवर तक और अब सही मायनों में रुलिवइनलिवाइस के आइकन के रूप मेंए यह दो आइकन्स का जश्न हैए दोनों के साथ संस्कृति को नया आयाम देता है। अमीशा जैनए मैनेजिंग डायरेक्टर एवं एसवीपी साउथ एशिया मिडल ईस्टअफ्रीका और नॉन .ईयू. लिवाई स्ट्रॉस एण्ड कंपनी ने कहा कि दिलजीत दोसांझ का व्यक्तित्व लिवाइस की प्रगतिशील भावना से मेल खाता है। उनकी यात्रा हमारे ब्राण्ड के दृष्टिकोण की तरह ह जो संगीतए फैशन एवं संस्कृति के माध्यम से स्व.अभिव्यक्ति को सक्षम बनाते हैं।

हमें भरोसा कि ट्रंप विवादित क्षेत्र में चीन को रोकने के लिए सैन्य गश्त जारी रखेंगे : फिलीपीन

मनीला। अमेरिका मे फिलीपीन के राजदूत जोस रोमुअलडेज ने सोमवार को भरोसा जाताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नया प्रशासन विवादित दक्षिण चीन सागर मे सैन्य गश्त जारी रखेगा और पूर्वी एशियाई देश मे अमेरिकी सैन्य मौजूदगी को मजबूत करने पर बनी सहमति की दिशा मे आगे बढ़ेगा, क्योकि क्षेत्र मे चीन की बढ़ती आक्रामक कार्वाइयो पर चिताएं बढ़ रही है। रोमुअलडेज ने नए ट्रंप प्रशासन के राजनयिक, रक्षा और कांग्रेस के सदस्यो के साथ बैठकें की है। उन्होने कहा कि अमेरिका संभवतः फिलीपीन की सेना के आधुनिकीकरण मे अपना सहयोग जारी रखेगा, जो विवादित जल क्षेत्र मे चीन की बढ़ती आक्रामकता को रोकने मे अग्रणी है। रोमुअलडेज ने मनीला मे आयोजित संवाददाता सम्मेलन मे विदेशी संवाददाताओ से कहा, यह सब बना रहेगा। मुझे इसका पूरा भरोसा है। रोमुअलडेज ने कहा कि ट्रंप और फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के बीच वाशिंगटन मे बैठक की रूपरेखा तय की जा रही है और यह बैठक जल्द हो सकती है। रोमुअलडेज के बयान पर चीन की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नही आई है।

रविशंकर ने आनंदम में दो पुस्तकों का किया विमोचन

नई दिल्ली। आर्ट ऑफलिविंग के संस्थापक गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर ने राजधानी में आयोजित कार्यक्रम में पहली बार ओरिजनल सोमनाथ के दुर्लभ ज्योतिर्लिंगम का अनावरण किया। महा सत्संग आनंदम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता विधान सभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ताभाजपा की वरिष्ठ नेता रीता बहुगुणा जोशी समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद थे। गुरुदेव श्री श्री रविशंकर ने यमुना को साफकरने की मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए स्मरण किया कि आर्ट ऑफलिविंग के मेरी दिल्ली, मेरी यमुना अभियान के अंतर्गत यह काम 2010 में ही शुरू कर दिया गया था। इस कार्यक्रम के दौरानए उन्होंने दो महत्वपूर्ण पुस्तकों मोदी की विदेश नीति और महिला सशक्तीकरणका विमोचन भी किया। जिनके लेखक आईसीपीआरडी के अध्यक्ष कुमार राजीव रंजन सिंह हैं। महिला सशक्तिकरण पुस्तक का संपादन अमित कुमार ने किया है । इन दोनों पुस्तकों का प्रकाशन डायमंड बुक ने किया है । इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पर्यावरण के संरक्षण की ओर गुरुदेव के नेतृत्व के बारे में कहा कि मुझे अभी भी याद है गुरुदेव कि आपके मार्गदर्शन में आर्ट ऑफलिविंग के हजारों कार्यकर्ताओं ने यमुना के घाटों को साफकरने का भीमकाय कार्य संभाला था।

बाजार की अनिश्चितता में देगा वित्तीय सुरक्षा

मुंबई। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफइंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई प्रू गिफ्ट सिलेक्ट पेश किया है। यह प्रोडक्ट ग्राहकों को लंबी अवधि की बचत प्रदान करने के साथ ही तुरंत आय की गारंटी भी देता है जिससे उन्हें आर्थिक लिक्विडिटी मिलती है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफइंश्योरेंस के चीफ प्रोडक्ट एंड डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर अमित पालटा ने कहा हम अपने ग्राहकों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नवाचार की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। आईसीआईसीआई प्रू गिफ्ट सिलेक्ट हमारे प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में एक नया और महत्वपूर्ण जोड़ है। यह अनोखा प्रोडक्ट ग्राहकों को गारंटीड इनकम का लाभ देता है, जिसे वे अपनी जीवन योजनाओं और नकदी जरूरतों के अनुसार कस्टमाइज़ कर सकते हैं। इस प्रोडक्ट में कई विकल्प ह, जैसे ग्राहक तय कर सकते हैं कि गारंटीड इनकम कब शुरू होगी कितने समय तक मिलेगी और मैच्योरिटी पर कितना पैसा मिलेगा। इसके साथ हीए इसमें लाइफकवर भी शामिल हैख्जो परिवार की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करता है।बढ़ती हुई आय का विकल्प इस प्रोडक्ट की खासियत है।

इमरान को जेल में काल कोठरी में रखा गया है: तहरीक-ए-इंसाफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में काल कोठरी में अलग-थलग रखा गया है। खान की पार्टी ने सोमवार को यह दावा किया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के केंद्रीय सूचना सचिव शेख वकास अकरम ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान यह दावा किया। उन्होंने दावा किया, इमरान खान को काल कोठरी में रखा गया हैअ उन्हें एकांत कारावास में रखा गया है। खान को दोषी ठहराए जाने से पहले ही विचाराधीन कैदी के रूप में काल कोठरी में रखा गया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि जिस कोठरी में खान को रखा गया, वह आतंकवादियों के लिए है। अकरम ने कहा कि यह शर्मनाक है कि पूर्व प्रधानमंत्री के साथ इस तरह का व्यवहार केवल उनके मनोबल को तोड़ने की नीयत से किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि तमाम मुश्किलों के बावजूद खान का मनोबल मजबूत है। अकरम ने कहा कि खान को राजनीतिक सहयोगियों और परिवार के सदस्यों सहित आगंतुकों से मिलने की अनुमति नहीं दी गई जो कानून के विपरीत है। कानूनन उन्हें वकीलों और करीबी रिश्तेदारों से मिलने का अधिकार है। उन्होंने यह भी दावा किया कि छह लोगों को खान से मिलने की अनुमति देने वाले अदालत के फैसले के बावजूद, अधिकारियों ने मुलाकात की अनुमति नहीं दी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेताओं ने इस बात पर निराशा व्यक्त की है कि जेल अधिकारी किताबें और समाचार पत्र भी इमरान खान तक नहीं पहुंचने दे रहे हैं। अकरम के दावों की पुष्टि नहीं हो सकी।

पोप के श्वसन संबंधी समस्या से उबरने के संकेत

रोम। पोप फ्रांसिस निमोनिया से उबर रहे हैं और रविवार-सोमवार की दरमियानी रात उन्होंने अच्छी नींद ली। वेटिकन ने यह जानकारी दी। वेटिकन के मुताबिक, कैथोलिक ईसाई धर्म के सर्वोच्च नेता पोप की हालत स्थिर है और उन्हें नॉन-इनवेसिव मैकेनिकल वेंटिलेशन से हटा लिया गया है। पिछले सप्ताहांत में श्वसन संबंधी समस्या के बाद उनमें किसी नए संक्रमण का कोई लक्षण नहीं दिखाई दे रहा है। वेटिकन ने गेमेली अस्पताल ने बताया, पोप ने पूरी रात अच्छी तरह से आराम किया। फ्रांसिस 14 फरवरी से इसी अस्पताल में भर्ती हैं।चिकित्सकों ने बताया कि 88 वर्षीय पोप ने रविवार को पूरा दिन बिना श्वसन मास्क के बिताया, जो उनके फेफड़ों में ऑक्सीजन पंप करता है।

जापान परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध लगाने वाली संधि पर संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेगा

तोक्यो। जापान परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध लगाने वाली संधि पर संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेगा। देश के एक शीर्ष अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि अमेरिका का परमाणु क्षमता से लैस होना जापान की सुरक्षा के लिए अहम है और सम्मेलन में तोक्यो की भागीदारी से गलत संदेश जाएगा। मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने तोक्यो में संवाददाताओं से कहा कि जापान अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण न्यूयॉर्क में सोमवार से शुरू हो रहे इस सम्मेलन में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल नहीं होगा। हयाशी ने कहा, गंभीर सुरक्षा माहौल में लोगों के जीवन और संपत्तियों के साथ-साथ जापान की शांति एवं संप्रभुता की रक्षा के लिए परमाणु क्षमता अपरिहार्य है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में पर्यवेक्षक के रूप में जापान की भागीदारी परमाणु क्षमता (के प्रति समर्थन) को लेकर जापान की नीति के बारे में गलत संदेश भेजेगी और शांति एवं सुरक्षा कायम रखने की तोक्यो की कोशिशों में बाधा पैदा करेगी। परमाणु हथियारों के अप्रसार पर संयुक्त राष्ट्र संधि को 2017 में मंजूरी दी गई थी। द्वितीय विश्व युद्ध के अंत में हिरोशिमा और नागासाकी पर अमेरिका के परमाणु हमले की पुनरावृत्ति को रोकने के मकसद से दशकों तक चलाए गए अभियान के बाद 2021 में इसे लागू कर दिया गया था। परमाणु हमलों का सामना करने वाला एकमात्र देश होने के बावजूद जापान ने संधि पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया है।

ऑस्कर 2025 : अनोरा को मिला सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार

**

आस्ट्रेलिया से हिसाब चुकता करने उतरेगा भारत

- चौदह बरस की नाकामियों से पार पाने का मौका
- चैंपियंस ट्राफी कस सेमीफाइनल आज

भाषा। दुबई

अतीत में ऐसा करने में भले ही वे नाकाम रहे हों लेकिन इस बार स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन और हालात से वाकफियत के दम पर भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में मंगलवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरेगी तो आईसीसी टूर्नामेंटों के नॉकआउट मुकाबलों में मिले हर जख्म पर मरहम लगाने का इरादा होगा। इसके साथ ही 2023 में अपनी धरती पर विश्व कप फाइनल में मिली हार का बदला चुकता करने का भी यह सुनहरा मौका है जब भारत के दस मैचों के अश्वमेध अभियान पर फाइनल में आस्ट्रेलिया ने नकेल कसी थी। यह उतना आसान भी नहीं होगा क्योंकि पैट कमिंस , जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क के बगैर भी आस्ट्रेलियाई टीम काफी मजबूत है। कुछ दिन पहले लाहौर में इंग्लैंड के खिलाफ 352 रन के लक्ष्य को हासिल करके उसने एक बार फिर यह साबित कर दिया है। भारत को आखिरी बार आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में आस्ट्रेलिया पर जीत 2011 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में मिली थी। भारत को आस्ट्रेलिया ने 2015 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल और 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में हराया। इसके अलावा विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल 2023 में भी भारत को हराकर खिताब जीता। इस बार भारतीय टीम चौदह बरस की नाकामियों का हिसाब चुकता करने उतरेगी और उसके आतमविश्वास का कारण टीम में आला दर्जे के स्पिनरों की मौजूदगी है। टूर्नामेंट से पहले टीम में पांच स्पिनरों को शामिल करने के फैसले की काफी आलोचना हुई थी लेकिन दुबई की धीमी पिचों पर अब यह मास्टरस्ट्रोक साबित हो रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि भारत को सारे मैच दुबई में खेलने का फायदा मिल रहा है लेकिन असलियत यह है कि भारतीय टीम ने अपने प्रदर्शन में लगातार सुधार के प्रयास किए हैं। ऐसा नहीं है कि पिच से इतनी टर्न मिल रही है कि भारतीय गेंदबाजों कामयाब रहे है बल्कि इन पिचों पर उनका संयम कारगर साबित हुआ है। न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी लीग मैच में पांच विकेट लेने वाले स्पिनर वरूण चक्रवर्ती ने कहा , यहां पिच रैंक टर्नर नहीं है जैसा कि लोग बोल रहे हैं। इससे थोड़ी मदद जरूर मिली है लेकिन आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तो करना ही है। भारतीय स्पिन चौकड़ी चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नौ विकेट लिए। उन्होंने 39 ओवरों में 128 डॉट गेंद डाली। केन विलियमसन जैसा धैर्यवान बल्लेबाज भी अक्षर पटेल के सामने संयम खो बैठा और केएल राहुल की स्टम्पिंग का शिकार हो गया। दूसरी ओर आस्ट्रेलिया के पास एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर एडम जम्पा है।

दोनों टीमों पर सेमीफाइनल जीतने का दबाव होगा अपेक्षाओं के दबाव को रोहित ने नहीं दिया तूल

दुबई। चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल मे आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत पर दबाव को खारिज करते हुए कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि दोनो टीमो पर जीत का बराबर दबाव होगा। भारत ने आईसीसी नॉकआउट मैचो मे 2011 विश्व कप क्वार्टर फाइनल के बाद से आस्ट्रेलिया को नही हराया है। रोहित ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस मे कहा , आस्ट्रेलिया बेहतरीन टीम है। हम विरोधी टीम को समझते है कि वे कैसा खेलते है। हमने पिछले तीन मैचो मे जिस तरह का रवैया अपनाया है, वैसे ही खेलना है। हमे उम्मीद है कि सेमीफाइनल काफी चुनौतीपूर्ण होगा लेकिन इन दिनो ऐसे ही खेला जाता है और ए तो सेमीफाइनल है। दोनो टीमो पर जीत का दबाव होगा। रोहित ने कहा कि आस्ट्रेलिया से कठिन चुनौती मिलेगी लेकिन उनकी टीम उसका सामना करने मे सक्षम है। हम इसी पर फोकस करते है कि एक ईकाई के रूप मे, एक खिलाड़ी, एक बल्लेबाजी ईकाई, एक गेदबाजी ईकाई के रूप मे हमे क्या करना है। इससे काफी मदद मिलती है। आस्ट्रेलिया जबर्दस्त चुनौती देगी क्योंकि वह बहुत ही अच्छी टीम है। हमारे लिए अहम बात अपने प्रदर्शन पर फोकस रखना है।

आस्ट्रेलियाई टीम में चोटिल शॉर्ट की जगह कोनोली

दुबई। युवा स्पिन गेदबाजी हरफनमौला कूपर कोनोली को चैम्पियंस ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबले के लिए चोटिल मैथ्यू शॉर्ट की जगह आस्ट्रेलियाई टीम मे शामिल किया गया है। शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान पिंडली मे चोट लगी थी। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट मे पदार्पण करने वाले 21 वर्ष के कोनोली को टूर्नामेंट मे यात्रा रिजर्व मे रखा गया था। आईसीसी टूर्नामेंट की तकनीकी समिति ने इस बदलाव को सोमवार को मंजूरी दे दी। कोनोली ने अभी तक आस्ट्रेलिया के लिए छह अंतरराष्ट्रीय मैच खेले है जिनमे तीन वनडे है। आस्ट्रेलिया को मंगलवार को पहले सेमीफाइनल मे भारत से खेलना है।

वरुण के प्रदर्शन के बाद चार स्पिनर लुभावना संयोजन : रोहित शर्मा

दुबई। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने यह नहीं बताया कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में वह चार स्पिनरों को लेकर उतरेंगे या नहीं लेकिन कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ वरूण चक्रवर्ती के शानदार प्रदर्शन के बाद यह लुभावना विकल्प लग रहा है। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल को उतारा। चारों ने मिलकर नौ विकेट लिए और भारत ने 44 रन से जीत दर्ज की। रोहित ने सेमीफाइनल से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा , हमें सोचना होगा। अगर हम चार स्पिनरों को लेकर उतरना भी चाहें तो चार स्पिनरों की जगह कैसे बनेगी। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि हम यहां के हालात से वाकिफ हैं और हमें पता है कि क्या काम करेगा और क्या नहीं। उन्होंने कहा , इस पर विचार करेंगे कि सही संयोजन क्या होगा लेकिन यह काफी लुभावना विकल्प है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा के विकल्प के तौर पर खेलते हुए चक्रवर्ती ने 42 रन देकर पांच विकेट लिए। रोहित ने कहा , उसने बता दिया कि वह क्या कर सकता है। अब हमें सोचना है कि सही संयोजन क्या होगा। उसने एक मैच खेला और वैसा ही प्रदर्शन किया, जैसा हम चाहते थे। उन्होंने कहा , वह कुछ अलग है और जब फॉर्म में होता है तो पांच पांच विकेट लेता है। हमारे सामने अब चयन की अच्छी दुविधा है। हम आस्ट्रेलिया के बल्लेबाजी क्रम के अनुरूप ही गेंदबाजी संयोजन चुनेंगे। टी20 विश्व कप 2021 में दुबई में ही पाकिस्तान के खिलाफ काफी महंगे साबित हुए चक्रवर्ती ने शानदार वापसी की जिसकी कप्तान ने तारीफ भी की। रोहित ने कहा , वह अब पहले की तुलना में अधिक सटीक हो गया है। उस समय उसने इतनी क्रिकेट नहीं खेली थी तो अनुभव कम था। लेकिन पिछले दो तीन साल में काफी क्रिकेट खेली है , चाहे घरेलू क्रिकेट हो या आईपीएल और अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट।

चक्रवर्ती को मौके देने का समय आ गया है : शास्त्री

दुबई। पूर्व खिलाड़ियो ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार गेदबाजी करने वाले वरूण चक्रवर्ती की तारीफ की है और रवि शास्त्री ने कहा है कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल मे उसे खिलाना चाहिए। चक्रवर्ती ने न्यूजीलैंड पर आखिरी ग्रुप मैच मे 44 रन से मिली जीत मे 42 रन देकर पांच विकेट लिए। भारत के पूर्व मुख्य कोच शास्त्री ने इंस्टाग्राम पर आईसीसी द्वारा डाले गए वीडियो मे कहा , मै उससे काफी प्रभावित हू। टीम प्रबंधन को पूरे अंक जाते है जिसने उसे उतारने का फैसला लिया। बीच के ओवरो मे वह विकेट दिलाने वाला गेदबाज है। उन्होने कहा , यह सही समय है कि उसे मौके दिए जाएं। उसे टीम मे शामिल किया तो उसने पांच विकेट ले लिए। उसके मौजूदा फॉर्म और हाव भाव को देखे, उसके आत्मविश्वास और कौशल को देखे। टूर्नामेंट मे अब न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका बचे है और उन्होने उसके खिलाफ ज्यादा खेला नही है। शास्त्री ने कहा , मुझे लगता है कि इसी एकादश को उतारना चाहिए क्योंकि 48 घंटे के भीतर ही खेलना है। स्पिनरो की भूमिका अहम रहने वाली है। भारत के पूर्व कोच और महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले ने वरूण की तारीफ करते हुए ईएसपीएन क्रिकइन्फो पर कहा , मुझे लगता है कि पिछले एक डेढ साल मे उसका प्रदर्शन शानदार रहा है और वह लगातार मैच जिताता आया है। चाहे तमिलनाडु हो, केकेआर या भारतीय टी20 टीम। अब उसे वनडे मे मौका मिला है और पिच तथा हालात को देखते हुए उसे आगे भी खिलाना चाहिए।

भारत के इनियान ने कान ओपन शतरंज जीता

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर पा इनियान ने हमवतन वी प्रनेश को नौवे और आखिरी दौर मे हराकर फ्रांस मे चल रहा कान इंटरनेशनल ओपन जीत लिया। इनियान ने 7 . 5 अंक हासिल किए जबकि दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय मास्टर आराध्य गर्ग दूसरे स्थान पर रहे। मौजूदा विश्व जूनियर चैम्पियन कजाखस्तान के काजिबेक नोदेरबेक के भी सात अंक थे जिन्हे टाइब्रेक के बाद तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। इनियान ने टूर्नामेंट मे छह मुकाबले जीते और तीन ड्रॉ खेले। इस जीत से उन्हे 12 रेटिंग अंक मिले और अब वह 2600 ईएलओ अंक के करीब पहुंच गए है।

ब्रैंडन होल्ट ने बेंगलुरु ओपन जीता

बेगलुरु। अमेरिका के टेनिस खिलाड़ी ब्रैडन होल्ट ने रविवार को यहां बेगलुरु ओपन फाइनल मे जापान के शिंटारो मोचिजुकी को हराकर सत्र का अपना दूसरा एटीपी चैलेंजर खिताब जीता। कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) द्वारा आयोजित बेगलुरु ओपन एक एटीपी चैलेंजर 125 टूर्नामेंट है। तीसरी वरीयता प्राप्त होल्ट ने सातवी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को 6-3, 6-3 से आसानी से हराया। होल्ट ने इस प्रभावशाली जीत से 28,400 डॉलर का नकद पुरस्कार और 125 एटीपी अंक प्राप्त किए जबकि मोचिजुकी को 16,700 डॉलर और 75 अंक मिले।

गेफेनी और इलिंगवर्थ भारत-आस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में मैदानी अंपायर

दुबई। न्यूजीलैंड के क्रिस गेफेनी और इंग्लैंड के रिचर्ड इलिंगवर्थ भारत और आस्ट्रेलिया के बीच चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल मे मैदानी अंपायर होंगे। इंग्लैंड के माइकल गाफ तीसरे अंपायर और जिम्बाब्वे के एंडी पायक्रॉफ्ट मैच रैफरी होंगे। इलिंगवर्थ रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच ग्रुप ए के मैच मे भी अंपायर थे। गेफेनी को 25 फरवरी को रावलपिंडी मे आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के मैच मे अंपायरिंग करनी थी लेकिन बारिश के कारण मैच रद्द हो गया।

भारत को हालात की जानकारी होने का फायदा मिला : हेनरी

दुबई। न्यूजीलैंड के तेज गेदबाज मैट हेनरी ने कहा है कि भारत को हालात की बेहतर जानकारी होने से उचित गेदबाजी आक्रमण चुनने मे मदद मिली और उनकी स्पिन चौकड़ी ने चैम्पियंस ट्रॉफी मैच के दौरान लगातार दबाव बनाए रखा। भारतीय टीम सारे मैच दुबई मे खेल रही है। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चार स्पिनरो वरूण चक्रवर्ती, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल को उतारा और मैच 44 रन से जीता। हालात की जानकारी होने से वे ऐसा कर सके। उन्होने सही संयोजन चुना जो हमारे लिए चुनौतीपूर्ण रहा।

अर्जेंटीना की कमान मेस्सी के हाथ में

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने उरूग्वे और ब्राजील के खिलाफ दक्षिण अमेरिका विश्व कप फुटबॉल क्वालीफाइंग मैचो के लिसे लियोनेल मेस्सी की अगुवाई मे 33 खिलाड़ियो की प्रारंभिक टीम चुनी है। टीम मे अंडर 21 स्ट्राइकर क्लाउडियो इचेवेरी को भी शामिल किया गया।

प्राग मास्टर्स : प्रज्ञानानंदा ने अरविंद से ड्रॉ खेला

प्राग। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने भारत के अरविंद चिदंबरम के साथ प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर में ड्रॉ खेला और इन दोनों के पास अब पूरे एक अंक की बढत हो गई है। अरविंद और प्रज्ञानानंदा के 3.5 अंक हैं जबकि चीन के शीर्ष वरीयता प्राप्त वेइ यि , नीदरलैंड के अनीश गिरि , वियतनाम के कुआंग लीम ली और जर्मनी के विंसेंट केमेर इनके एक अंक पीछे हैं। बाकी चार प्रतियोगी छठे स्थान पर हैं जिनमें चेक गणराज्य के डेविड नवारा और एंगुएन थाइ डेइ वान, अमेरिका के सैम शैंकलैंड और तुर्किए के गुरेल एडिज शामिल हैं। दस खिलाड़ियों के राउंड रॉबिन टूर्नामेंट के अभी चार दौर बाकी हैं।

आजिंक्य रहाणे केकेआर का कप्तान बने

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को घरेलू टी20 प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के बाद सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी सौंपी गई। छत्तीस साल के रहाणे ने भारत के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 85 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने हालांकि सबसे छोटे प्रारूप में खुद को फिर से स्थापित करते हुए इस साल सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में 164.56 की स्ट्राइक रेट से 469 रन बनाए। वह इस टूर्नामेंट के बीते सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने आईपीएल में भी पिछले कुछ वर्षों में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आक्रमक बल्लेबाजी की है। रहाणे ने केकेआर के कप्तान के रूप में श्रेयस अय्यर की जगह ली है। श्रेयस इस सत्र में पंजाब किंग्स की अगुवाई करेंगे। पिछले सत्र में शानदार प्रदर्शन के बाद भी श्रेयस और केकेआर ने अलग होने का फैसला किया। केकेआर की कप्तानी करने की दौड़ में शामिल रहे वेंकटेश अय्यर को उपकप्तान बनाया गया है। रहाणे पहले भी केकेआर के लिए खेल चुके हैं और फ्रेंचाइजी ने उन्हें मेगा नीलामी में उनके आधार मूल्य 1.5 करोड़ रुपए में खरीदा था। रहाणे ने एक बयान में कहा, केकेआर की अगुवाई करने का मौका मिलना सम्मान की बात है। यह आईपीएल की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक है। मुझे लगता है कि हमारे पास एक बेहतरीन और संतुलित टीम है। मैं सभी के साथ काम करने और अपने खिताब को बचाने की चुनौती लेने के लिए उत्सुक हूं। रहाणे की अगुवाई में भारतीय टीम ने 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला में ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। उनकी अगुवाई में हाल ही में संपन्न रणजी ट्रॉफी में मुंबई का सफर सेमीफाइनल तक पहुंचाया था।

केकेआर ने तारामंडल में तीन सितारे पंजीकृत किए

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के तीन बार के चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स ने आधिकारिक तौर पर जेमिनी (मिथुन) तारामंडल के आसपास तीन सितारों को पंजीकृत किया है जो टीम के 2012 (कोरबो), 2014 (लोरबो) और 2024 (जीतबो) में उनकी खिताबी जीत का प्रतीक है। साफ आसमान में इन तारों को कोऑर्डिनेट्स (निर्देशांक) का उपयोग करके या क्यूआर कोड को स्कैन करके देखा जा सकता है। केकेआर की मुख्य विपणन अधिकारी बिंदा डे ने एक विज्ञप्ति में कहा, सितारों को उन तारीखों पर पंजीकृत किया गया है जब हमने तीनों खिताब जीते थे।

क्विक न्यूज

संस्कृतिविवि में खेल महाकुंभ स्पोर्ट्स फिएस्टा संपन्न

मथुरा। संस्कृति यूनिवर्सिटी में आयोजित बहुप्रतीक्षित वार्षिक खेल महोत्सव ष्संस्कृति स्पोर्ट्स फिएस्टा 2025 शानदार तरीके से संपन्न हुआ। इस चार दिवसीय आयोजन 27 फरवरी से 1 मार्च 2025 में 1312 खिलाड़ियों ने 28 खेलों में 40 रोमांचक मुकाबलों में हिस्सा लिया। समारोह के दूसरे दिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर मदनलाल शर्मा विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे और खिलाड़ियों के बीच आकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहाए श्संस्कृति विश्वविद्यालय आकर मुझे बहुत अच्छा लगा। यहां के विद्यार्थी अनुशासित और ऊर्जावान हैं। खेलों में भारत का भविष्य उज्ज्वल है। समापन दिवस पर अर्जुन अवार्डी और प्रसिद्ध महिला पहलवान बबीता फोगाट ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि श्खेल सिर्फ प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और अनुशासन का भी माध्यम है। युवा खिलाड़ियों को लगातार मेहनत कर अपने लक्ष्य को हासिल करना चाहिए। संस्कृति यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति सचिन गुप्ता ने इस आयोजन को लेकर कहा कि संस्कृति स्पोर्ट्स फिएस्टा केवल प्रतिस्पर्धा नहींए बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास का एक मंच है। इस आयोजन से उनके नेतृत्व कौशल टीम वर्क और अनुशासन को बढ़ावा मिलता है। खेल महोत्सव में क्रिकेट, फुटबॉल,बैडमिंटन, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स, जैवलिन थ्रो, शॉटपुट, शतरंज आदि खेलों का रोमांच देखने को मिला।

फीफावर्ल्ड कप के विजेता ब्राजील लेजेंड्स बनाम इंडिया ऑल स्टार्स मैच में नजर आयेंगे

चेन्नई। फुटबॉल प्लस एकेडमी ने बेहद प्रतीक्षित ब्राजील लेजेंड्स बनाम इंडिया ऑल-स्टार्स मैच के आधिकारिक टिकट लॉन्च की घोषणा की है। इस मैच में फीफा वर्ल्ड कप के विजेता ब्राजीलियाई फुटबॉल आइकन्स नजर आयेंगे। यह ऐतिहासिक मुकाबला 30 मार्च को शाम 7. 00 बजे प्रतिष्ठित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियमए चेन्नई में होगा। टिकट की बिक्री बुक माय शो पर 2 मार्च से शाम 4 बजे से शुरू हो रही है। भारत में पहली बारए ब्राजील की दिग्गज 2002 फीफा विश्व कप विजेता टीम.जिसमें रोनाल्डिन्हो, कैफू रिवाल्डो और कोच दुंगा शामिल हैं। लेजेंडरी कोच प्रशांत बनर्जी के नेतृत्व में एक सितारों से सजी इंडिया ऑल.स्टार्स टीम के खिलाफमैदान में उतरेगी। यह अविस्मरणीय इवेंट फुटबॉल में उत्कृष्टता, जुनून और इतिहास के रोमांचक प्रदर्शन का वादा करता है। फुटबॉल प्रशंसक ब्राजीलियाई दिग्गजों का एक जबर्दस्त लाइनअप देखेंगेए जिनमें शामिल है। रोनाल्डिन्हो, रिवाल्डो, कैफू गिल्बर्टो सिल्वा, एडमिलसन, क्लेबरसन, रिकार्डो ओलिवेरा, काकापा, कमांडुकाइया, एलिवेलटन, पाउलो सर्जियो, ह्यूरेल्हो गोम्स, डिएगो गिल, जोर्गिन्हो, अमरल, लुसियो, एलेक्स फेरो,जूनियरए जियोवानीए वायोला और मार्सेलो। इंडिया ऑल.स्टार्स- मेहताब हुसैन, अलविटोडी,कुन्हा, सैयद रहीम नबी, सुभाशीष रॉय चौधरी, मेहराजुद्दीन वाडू, शनमुगम वेंकटेश, अर्णब मंडल, महेश गावली और अन्य। ग्लोबल आइकन्स भारतीय दिग्गजों से मिलते हैं। फुटबॉल इतिहास बनते हुए देखें क्योंकि विश्व चैंपियन एकअविस्मरणीय मैच में भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का सामना करते हैं। जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम चेन्नई भारत के सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल स्थलों में से एक में कार्रवाई देखेंए जो प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक माहौल प्रदान करता है। अनिवार्य प्रशंसक अनुभवदृभारतीय फुटबॉल प्रशंसकों के लिए विश्व कप विजेता दिग्गजों को लाइव खेलते हुए देखने का एक दुर्लभ अवसर।

पहले स्पैल के पूर्व नर्वस और भावुक था लेकिन सीनियर्स से बातचीत से मदद मिली : चक्रवर्ती

दुबई। वरूण चक्रवर्ती ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच विकेट लेकर दुबई की कड़वी यादो को मिटाया लेकिन भारत के इस स्पिनर ने स्वीकार किया कि दिमाग मे बार बार आ रही उन बातो के कारण वह पहले स्पैल से पूर्व नर्वस हो गए थे। तैंतीस बरस के चक्रवर्ती ने पाकिस्तान के खिलाफ 2021 टी20 विश्व कप के मैच मे चार ओवर मे 33 रन दे डाले थे लेकिन उन्हे सफलता नही मिली थी। पाकिस्तान ने भारत को उस मैच मे दस विकेट से हराया था। चार साल बाद चैम्पियंस ट्रॉफी के आखिरी ग्रुप मैच मे इसी मैदान पर चक्रवर्ती ने 42 रन देकर पांच विकेट चटकाए जिसके दम पर भारत ने 44 रन से जीत दर्ज की। चक्रवर्ती ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस मे कहा , 2021 मे मेरा प्रदर्शन अच्छा नही रहा था लेकिन अब अच्छा लग रहा है। मै पहले स्पैल से पूर्व नर्वस था। दिमाग मे बार बार यही चल रहा था क्योंकि इसी मैदान पर तीन साल पहले वह सब हुआ था। उन्होने कहा , बार बार जज्बात उमड़ रहे थे और मै उन्हे अनदेखा करने की कोशिश कर रहा था। इसके बाद विराट भाई, रोहित और हार्दिक ने मुझे कहा कि शांत रहो। वे बार बार आकर मुझसे बात कर रहे थे जिससे काफी मदद मिली।

हरफनमौला के तौर पर अपने सफर में अक्षर ने पाया आत्मविश्वास

दुबई। सफेद गेद के प्रारूप मे उपयोगी हरफनमौला साबित हो रहे अक्षर पटेल की इस कामयाबी का श्रेय उनके आत्मविश्वास को जाता है। न्यूजीलैंड के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी के आखिरी ग्रुप मैच मे भारत को 44 रन से मिली जीत मे अक्षर ने 42 रन बनाने के अलावा केन विलियमसन का महत्वपूर्ण विकेट भी लिया। अक्षर ने मैच के बाद मिश्रित जोन मे मीडिया से कहा , पहले मुझे इतनी कामयाबी नही मिल पा रही थी और यह मेरे दिमाग मे था कि मै अपनी प्रतिभा दिखा नही पा रहा हूं। शायद मै खुद पर ज्यादा दबाव डाल रहा था जबकि मुझे पता था कि मुझमे प्रतिभा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ बारबाडोस मे 2022 मे 35 गेद मे 64 रन की उनकी नाबाद पारी से भारत ने 312 रन का मुश्किल लक्ष्य हासिल किया। अक्षर ने कहा , उस मैच के बाद मुझे लगा कि मै फिनिशर साबित हो सकता हूं। मुझे पता था कि मै फिनिशर का काम कर सकता हूं लेकिन यह आत्मविश्वास मिलते ही मैने ज्यादा नही सोचा कि मुझे अपनी बल्लेबाजी किसी के सामने साबित करनी है या नही।

न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में त्रिकोणीय श्रृंखला के अनुभव का फायदा उठाना चाहेगा : लाथम

दुबई। अनुभवी बल्लेबाज टॉम लाथम ने कहा कि न्यूजीलैंड की टीम बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल मे जब मैदान पर उतरेगी तो पाकिस्तान मे खेली गई त्रिकोणीय श्रृंखला मे इस टीम पर मिली जीत से उसका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ होगा।न्यूजीलैंड रविवार को यहां ग्रुप ए के अपने अंतिम मैच मे भारत से 44 रन से हार गया, लेकिन लाथम ने कहा कि इसका सेमीफाइनल पर कोई असर नही पड़ेगा। न्यूजीलैंड ने हाल ही मे लाहौर मे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 305 रनो के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया था। टीम ने इसके बाद फाइनल मे पाकिस्तान को हराकर त्रिकोणीय श्रृंखला जीती थी।

ओलंपिक में नए दर्शक लाएगा क्रिकेट, यह ओलंपिक आंदोलन काफी अहम: को

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे चल रहे सेबेस्टियन को ने 2028 लॉस एंजिल्स खेलों में क्रिकेट को शामिल किए जाने की सराहना करते हुए कहा कि इस कदम से नए बाजार मिलेंगे (नए दर्शकों तक पहुंच बढ़ेगी) जो ओलंपिक आंदोलन के विकास के लिए महत्वपूर्ण होगा। क्रिकेट 1900 सत्र के बाद पहली बार टी20 प्रारूप में ओलंपिक में लौटा रहा है। इसे 2028 ओलंपिक के लिए पांच अतिरिक्त खेलों में शामिल किया गया है। यह निर्णय 2023 में लिया गया था। को वर्तमान में विश्व एथलेटिक्स के प्रमुख हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्रिकेट का समर्थन दक्षिण एशिया से कहीं आगे तक फैला हुआ है। दक्षिण एशिया समुदाय की आबादी दो अरब से अधिक है। को ने एक विशेष साक्षात्कार में पीटीआई से कहा, मैंने अतीत में जो कुछ भी कहा है (नवंबर 2024 में भारत की यात्रा के दौरान), उससे आप समझ गए होंगे कि क्रिकेट ओलंपिक आंदोलन में शामिल होने जा रहा है, खासकर उस समर्थन के साथ जो इसे न केवल दक्षिण एशिया में मिलेगा, बल्कि हमारे सभी बड़े शहरों में रहने वाले दक्षिण एशिया के लोगों से भी मिलेगा। उन्होंने कहा, लंदन और न्यूयॉर्क में हमारे पास बहुत बड़ा भारतीय या दक्षिण एशियाई समुदाय है। ए दर्शक , यह समर्थन भारत, पाकिस्तान या दक्षिण एशिया से कहीं आगे तक फैला हुआ है। यह (ओलंपिक) आंदोलन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह ओलंपिक के लिए बाजार खोलेगा। अभी यह पता नहीं है कि क्रिकेट 2032 में ऑस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन में होने वाले ओलंपिक खेलों में शामिल होगा या नही।

मूनी की नाबाद 96 की पारी से गुजरात जायंट्स ने यूपी वॉरियर्स को 81 रनों से हराया

महिला प्रीमियर लीग

लखनऊ । दिग्गज बल्लेबाज बेथ मूनी शतक पूरा करने से चूक गई लेकिन उनकी 96 रन की नाबाद पारी से गुजरात जायंट्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टी20 मैच में सोमवार को यूपी वॉरियर्स को उसके घरेलू मैदान में 81 रनों से हरा दिया।। यूपी की टीम 105 रन ही बना पाई। इससे पहले गुजरात ने पांच विकेट पर 186 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। मूनी ने अपनी 59 गेंद की नाबाद पारी में मैदान के चारों ओर 17 चौके जड़े। उन्हें आखिरी ओवर में शतक तक पहुंचने के लिए 10 रन की जरूरत थी लेकिन वह तीन गेंद में छह रन ही बना सकी। दयालन हेमलता (दो) के आउट होने के बाद बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज मूनी ने हरलीन देओल (45) के साथ दूसरे विकेट के लिए 68 गेंद में 101 रन की साझेदारी कर टीम के लिए बड़े स्कोर की नींव रखी। वह इस दौरान शानदार लय में दिखी। उन्हें फ्लिक और ड्राइव की मदद से क्षेत्ररक्षकों के बीच से गेंद को निकाल कर स्कोरबोर्ड को तेजी से चलाए रखने में कोई परेशानी नहीं हुई। हरलीन ने 32 गेंद की पारी में छह चौके जड़े। वह मौजूदा सत्र में अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी को अर्धशतक में बदलने में नाकाम रही। सोफी एक्लेस्टन ने मेजबान यूपी वॉरियर्स के लिए यहां के इकाना स्टेडियम में सत्र के पहले मैच में 34 रन देकर दो विकेट चटाए। उन्होंने हरलीन को आउट करने के बाद खतरनाक ड्वियंड्रा डॉटिन (17) को चलता किया। गुजरात जायंट्स की कप्तान एशले गर्डनर (11) और फोबे लिचफील्ड (आठ) तेजी से रन बनाने की कोशिश में अपना विकेट जल्दी गंवा बैठी।

लखनऊ की खिताबी जीत, अमेठी हारा

ओपन सीनियर प्रदेश आमंत्रण पुरुष हैंडबॉल

लखनऊ। मेजबान लखनऊ ने शानदार रणनीति व तेजतर्रार खेल के दम पर ओपन सीनियर प्रदेश स्तरीय आमंत्रण पुरुष हैंडबॉल प्रतियोगिता में अमेठी हास्टल को 29.25 से हराकर खिताबी जीत दर्ज की। वहीं गोरखपुर व मऊ को संयुक्त तीसरा स्थान मिला। उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय व क्षेत्रीय खेल कार्यालय लखनऊ के तत्वावधान में केडी सिंह बाबू स्टेडियम स्थित भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी क्रीड़ा संकुल में संपन्न प्रतियोगिता के फाइनल में लखनऊ ने अमेठी हास्टल के खिलाफ मध्यांतर तक 14.10 की मामूली बढ़त बनाए रखी थी। इस मैच में दोनों ही टीमों ने बेहतरीन खेल दिखाया लेकिन लखनऊ को अनुभवी खिलाड़ियों के टीम में होने का फायदा मिला।लखनऊ के लिए शुभम सरोज ने सर्वाधिक नौ गोल दागे। वही विक्रांत ने 6 डेविड ने 4 जबकि मनकेश व निहाल ने 3.3 गोल करने मे सफलता हासिल की। दूसरी ओर अमेठी हास्टल के लिए अजीत राज व अभिषेक ने 6.6 जबकि कामरान ने 4 व आकाश यादव ने 3 गोल किए। प्रतियोगिता के समापन व पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि अनिमेष सक्सेना ;कार्यकारी प्रधानाचार्य, गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज एवं क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी लखनऊ मंडल ने विजेताओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्द्धन किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रुप में जीएस राणा अंतर्राष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी और धीरेंद्र शुक्ला सचिव बलिया ओलंपिक एसोसिएशन उपस्थित रहे। इस अवसर पर लखनऊ टीम के कोच मो.तौहीद ;अंतर्राष्ट्रीय हैंडबॉल कोच जिम्नास्टिक कोच रविकांत यादव, लक्ष्मण अवार्डी हैंडबॉल खिलाड़ी मोहित यादव व बड़ी संख्या में खेल प्रेमी